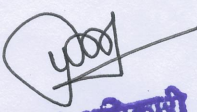
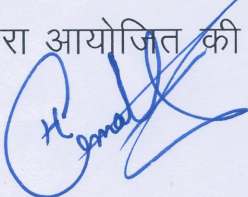


जन सुनवाई का कार्यवाही विवरण

भारत सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन अधिसूचना दिनांक 14/09/2006 व इसकी संशोधित अधिसूचनाओं में वर्णित प्रावधानों के अंतर्गत प्रस्तावित खनन परियोजना "मैसर्स श्री मदन लाल चौधरी पुत्र श्री कानाराम चौधरी, श्री चित्तराम पुत्र श्री धर्माराम, श्री पूरा राम पुत्र श्री रामदीन राम, एमएल नंबर— 128/2019 एवं खसरा नं. 6295/4003, प्रस्तावित क्षेत्र— 1.1716 हेक्टेयर एवं प्रस्तावित उत्पादन क्षमता के साथ— 1,09,457 एमटी (रोम) {शीर्ष मृदा— 3654 एमटी, ओवर बर्डन—85,800 एमटी, चाईना क्ले ब्रिकीयोग्य— 18,003 एमटी और अपशिष्ट खनिज— 2,000 एमटी} निकट गांव—इन्दावड़, तहसील—मेड़ता, जिला—नागौर (राजस्थान) जो कि चाईना क्ले खनन क्लस्टर {एमएल नंबर— 128/2019, 41/13, 32/13, 14/13 18/13, 07/12, 31/13, 24/13, 02/14, 42/13, 48/13, 49/13, 58/13, 27/2019, 17/2018, 125/2019, 1/2018, 122/2019}, कुल क्लस्टर क्षेत्र— 62.88 हेक्टेयर में स्थित है, में चाईना क्ले खनन की पर्यावरण स्वीकृति हेतु जनसुनवाई जिला कलेक्टर नागौर के प्रतिनिधि श्रीमती पूनम, उपखण्ड मजिस्ट्रेट, मेड़ता की अध्यक्षता में एवं क्षेत्रीय अधिकारी, रा.प्र.नि.म. नागौर के पत्र क्रमांक:क्षे.का./रा.प्र.नि.मं./नागौर/PUB-33/905-906, दिनांक:13/06/2025 द्वारा श्री हेमन्त कुमार, कनिष्ठ पर्यावरण अभियंता, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, नागौर को क्षेत्रीय अधिकारी प्रतिनिधि मनोनीत किया गया, की उपस्थिति में भारत निर्माण राजीव सेवा केन्द्र (आई.टी. सेन्टर) इन्दावड़, तहसील—मेड़ता, जिला नागौर में दिनांक 16.06.2025 को प्रातः 11:00 बजे आयोजित की गई।

जन सुनवाई में उपस्थित व्यक्तियों का विवरण मय हस्ताक्षर परिशिष्ट "अ" पर संलग्न है। जनसुनवाई बाबत विज्ञप्ति समाचार पत्र "द इंडियन एक्सप्रेस" एवं "दैनिक नवज्योति" में दिनांक 13/05/2025 को प्रकाशित करवाई गई थी, जिसकी प्रतियाँ परिशिष्ट "ब" पर संलग्न है।

बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ करते हुए क्षेत्रीय अधिकारी प्रतिनिधि, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, नागौर ने सभी आगुन्तकों का स्वागत करते हुए अवगत करवाया कि उक्त जनसुनवाई भारत सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन अधिसूचना दिनांक 14/09/2006 व इसकी संशोधित अधिसूचनाओं में वर्णित प्रावधानों के अंतर्गत क्षेत्रीय कार्यालय, नागौर द्वारा आयोजित की जा रही है, जिसमें जिला कलेक्टर महोदय की तरफ से उपखण्ड



उपखण्ड अधिकारी
मेड़ता (नागौर)

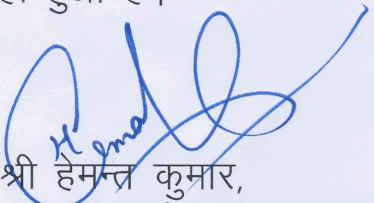
मजिस्ट्रेट, मेड़ता को प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। उक्त जन सुनवाई की सूचना दो समाचार पत्रों में 30 दिवस पूर्व दी जा चुकी है। क्षेत्रीय अधिकारी प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को बताया गया कि उक्त खनन परियोजना से सम्बन्धित सम्पूर्ण जानकारी खनन परियोजना के पर्यावरणीय तकनीकी सलाहकार द्वारा दी जायेगी। सभी जानकारी को ध्यानपूर्वक सुनने के पश्चात उपस्थित आमजन खनन परियोजना के सम्बन्ध में आपत्ति या सुझाव दर्ज करवा सकते हैं। उक्त जनसुनवाई की विडियोग्राफी भी करवाई जा रही है। जनसुनवाई विडियोग्राफी एवं दिये गये आक्षेप/सुझाव क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा राज्य स्तरीय पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) को प्रेषित कर दिये जायेंगे। इसके पश्चात उपखण्ड मजिस्ट्रेट महोदय की अनुमति से प्रस्तावित परियोजना के सम्बन्ध में विस्तृत प्रस्तुतिकरण हेतु मैसर्स श्री मदन लाल चौधरी पुत्र श्री कानाराम चौधरी, श्री चित्तराम पुत्र श्री धर्मराम, श्री पूरा राम पुत्र श्री रामदीन राम के पर्यावरणीय तकनीकी सलाहकार मैसर्स उदयपुर मैन-टेक प्राईवेट लिमिटेड को आमंत्रित किया गया।

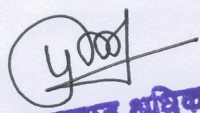
परियोजना के पर्यावरणीय तकनीकी सलाहकार मैसर्स उदयपुर मैन-टेक प्राईवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि द्वारा खनन परियोजना का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया जिसके अन्तर्गत बताया गया कि उक्त खनन परियोजना निकट गांव-इन्दावड़, तहसील-मेड़ता, जिला-नागौर (राजस्थान) में खनिज- **चाईना कले खनन** हेतु प्रस्तावित है, जिसका एमएल नंबर- 128/2019 एवं खसरा नं. 6295/4003, प्रस्तावित क्षेत्र- 1.1716 हेक्टेयर एवं प्रस्तावित उत्पादन क्षमता के साथ- 1,09,457 एमटी (रोम) {शीर्ष मृदा- 3654 एमटी, ओवर बर्डन-85,800 एमटी, चाईना कले ब्रिकीयोग्य- 18,003 एमटी और अपशिष्ट खनिज- 2,000 एमटी} निकट गांव-इन्दावड़, तहसील-मेड़ता, जिला-नागौर (राजस्थान) जो कि चाईना कले खनन क्लस्टर {एमएल नंबर- 128/2019, 41/13, 32/13, 14/13 18/13, 07/12, 31/13, 24/13, 02/14, 42/13, 48/13, 49/13, 58/13, 27/2019, 17/2018, 125/2019, 1/2018, 122/2019}, कुल क्लस्टर क्षेत्र- 62.88 हेक्टेयर में स्थित है, में चाईना कले **खनन** परियोजना होगी। तत्पश्चात पर्यावरणीय सलाहकार ने खान की अवधि, खान का परिचय, खनन योजना, क्लस्टर परियोजना का विवरण मय नक्शा, खनिज भण्डार, खनन प्रक्रिया, जलवायु, जल बहाव, ढांचा और खनन गतिविधियों के द्वारा जैव विविधता, मिट्टी, पर्यावरणीय, वायु और ध्वनि पर्यावरण पर प्रभाव एवं उनके शमीकरण/रोकथाम के उपायों के बारे में बताया तथा साथ ही पर्यावरणीय मापदंडों की निगरानी कार्यक्रमों एवं प्रस्तावित सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर) के बारे में बताया।

खनन इकाई के पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा खनन परियोजना की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाने के पश्चात क्षेत्रीय अधिकारी प्रतिनिधि द्वारा जनसुनवाई में उपस्थित समस्त जनसमूह को इस खनन परियोजना के सम्बन्ध में अपने आक्षेप/सुझाव/आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया।

सर्वप्रथम श्री राजाराम खदाव निवासी इन्दावड़ ने कहा कि खनन के कारण उड़ने वाली डस्ट की वजह से पेड़-पौधे नष्ट होते हैं। अतः ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाये तथा गांव के करणी माता मंदिर में भी वृक्षारोपण करें।

क्षेत्रीय अधिकारी प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित जन-मानस से प्रस्तावित खनन परियोजना के सम्बन्ध में अपने आक्षेप/सुझाव/आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु पुनः निवेदन किया गया। अन्त में ग्रामवासियों द्वारा अन्य कोई आपत्ति/आपेक्ष प्रस्तुत नहीं किये जाने पर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट महोदय की अनुमति से क्षेत्रीय अधिकारी प्रतिनिधि ने जनसुनवाई के समापन की घोषणा की एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट महोदय तथा उपस्थित जन समुदाय का जन सुनवाई में आने के लिए आभार प्रकट किया। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि जनसुनवाई के दौरान एवं जनसुनवाई के पश्चात ग्राम पंचायत ग्रामवासियों के माध्यम से लिखित में कोई भी आक्षेप इस कार्यालय को प्राप्त नहीं हुआ है।


श्री हेमन्त कुमार,
कनिष्ठ पर्यावरण अभियंता,
प्रतिनिधि क्षेत्रीय अधिकारी,
रा.रा.प्र.नि.म., नागौर


उपखण्ड अधिकारी
मेड़ता (नागौर)
श्रीमती पूरम,
उपखण्ड मजिस्ट्रेट,
मेड़ता, जिला— नागौर

उपास्थाते पाजेका

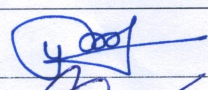

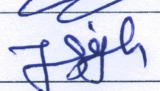
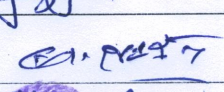
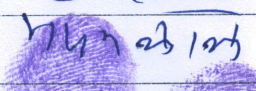
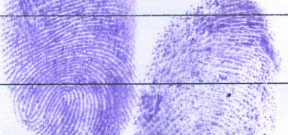
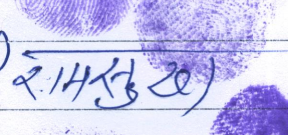
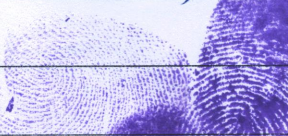

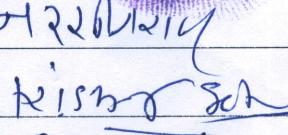
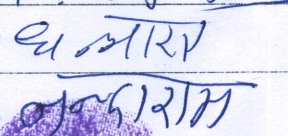
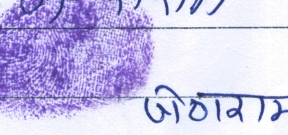
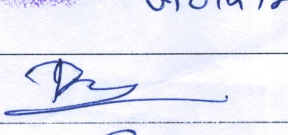
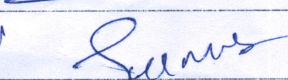
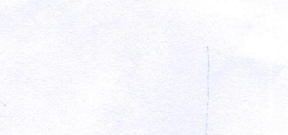
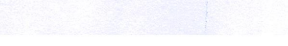

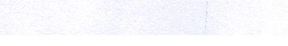
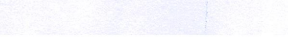
चाईना कले खनन क्लस्टर परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आयोजित जनसुनवाई में आप सभी का हार्दिक स्वागत है।

चाईना कले खनन क्लस्टर परियोजना, आवेदक मैसर्स श्री मदन लाल चौधरी पुत्र श्री कानाराम चौधरी, श्री चित्तराम पुत्र श्री धर्मराम, श्री पूरा राम पुत्र श्री रामदीन राम, एमएल नंबर— 128/2019 एवं खसरा नं. 6295/4003, प्रस्तावित क्षेत्र— 1.1716 हेक्टेयर एवं प्रस्तावित उत्पादन क्षमता के साथ— 1,09,457 एमटी (रोम) {शीर्ष मृदा— 3654 एमटी, ओवर बर्डन—85,800 एमटी, चाईना कले ब्रिकीयोग्य— 18,003 एमटी और अपशिष्ट खनिज— 2,000 एमटी} निकट गांव—इन्दावड़, तहसील—मेड़ता, जिला—नागौर (राजस्थान) जो कि चाईना कले खनन क्लस्टर {एमएल नंबर— 128/2019, 41/13, 32/13, 14/13 18/13, 07/12, 31/13, 24/13, 02/14, 42/13, 48/13, 49/13, 58/13, 27/2019, 17/2018, 125/2019, 1/2018, 122/2019}, कुल क्लस्टर क्षेत्र— 62.88 हेक्टेयर में स्थित है।

स्थान:— भारत निर्माण राजीव सेवा केन्द्र (आई.टी. सेन्टर) इन्दावड़, तहसील—मेड़ता, जिला नागौर

दिनांक: 16.06.2025,

समय: प्रातः 11:00 बजे

क्र.म.	नाम	पता	हस्ताक्षर
1.	Poomam	SDO meeta	
2.	Hemant Kumar	JEE, RSPCB RD Nagaur	
3.	Jaideep Singh	मेड़ता रोड	
4.	मदन लाल	इ-दिवड़	
5.	मदन लाल	इ-दिवड़	
6.	दिनाराम	इन्दावड़, मेड़ता नागौर	
7.	मोहन राम	इन्दावड़, मेड़ता नागौर	
8.	रामसुख	7850046288 (होमलॉस गांव)	
9.	गुदा राम जी	इन्दावड़, मेड़ता नागौर	
10.	मोना राम जी	इन्दावड़, मेड़ता	
11.	अमर राम जी	इन्दावड़, मेड़ता नागौर	
12.	नरसीम राम	इन्दावड़	
13.	विशेश	इन्दावड़	
14.	धनराज	इ-दिवड़	
15.	नन्दा राम	इन्दावड़	
16.	केवल जी	इन्दावड़	
17.	जोहाराम जी	इन्दावड़	
18.	राम भवना	इ-दिवड़	
19.	सुमेर	Sumer meeta	

उपास्थाते पाजेका

चाईना कले खनन कलस्टर परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आयोजित जनसुनवाई में आप सभी का हार्दिक स्वागत है।

चाईना कले खनन कलस्टर परियोजना, आवेदक मैसर्स श्री मदन लाल चौधरी पुत्र श्री कानाराम चौधरी, श्री चित्तर राम पुत्र श्री धर्मराम, श्री पूरा राम पुत्र श्री रामदीन राम, एमएल नंबर- 128/2019 एवं खसरा नं. 6295/4003, प्रस्तावित क्षेत्र- 1.1716 हेक्टेयर एवं प्रस्तावित उत्पादन क्षमता के साथ- 1,09,457 एमटी (रोम) {शीर्ष मृदा- 3654 एमटी, ओवर बर्डन-85,800 एमटी, चाईना कले ब्रिकीयोग्य- 18,003 एमटी और अपशिष्ट खनिज- 2,000 एमटी} निकट गांव-इन्दावड़, तहसील-मेड़ता, जिला-नागौर (राजस्थान) जो कि चाईना कले खनन कलस्टर [एमएल नंबर- 128/2019, 41/13, 32/13, 14/13 18/13, 07/12, 31/13, 24/13, 02/14, 42/13, 48/13, 49/13, 58/13, 27/2019, 17/2018, 125/2019, 1/2018, 122/2019], कुल कलस्टर क्षेत्र- 62.88 हेक्टेयर में स्थित है।

स्थान:- भारत निर्माण राजीव सेवा केन्द्र (आई.टी. सेन्टर) इन्दावड़, तहसील-मेड़ता, जिला नागौर

दिनांक: 16.06.2025,

समय: प्रातः 11:00 बजे

क्र.म.	नाम	पता	हस्ताक्षर
20.	महिपाल	जालरी	महिपाल
21.	बलवीरसिंह	मुन्दार	Bahier
22.	मीनाराम	इन्दावड़	मीनाराम
23.	Poonam Rathore.	Consulat Jaipur	Pa
24	शुभम	धोलेवा	शुभम
25	सुरेन्द्र	मोडावरा	सुरेन्द्र
26	राजवीर डोंगा	डोंगावास	राजवीर डोंगा
27	Deependra Mehel	INDAWAR	②
28	शोकेतजी	इन्दावड़	शोकेतजी
29	मेमाराम	इन्दावड़	मेमाराम
30	मेमाराम	इन्दावड़	मेमाराम
31	राम प्रकाश	इन्दावड़ 8562844441	राम प्रकाश
32	गणपतिसिंह	इन्दावड़ 9982732744	गणपतिसिंह
33	सहोकरसिंह	इन्दावड़ 7976668686	सहोकर
34	दीनाराम	इन्दावड़	दीनाराम
35	मेमाराम	इन्दावड़	मेमाराम
36	देवप्रताप	इन्दावड़	देवप्रताप
37	चम्पत राम	Indawan	चम्पत
38	गंगासिंह	इन्दावड़	गंगासिंह

उपास्थाते पाजेका

चाईना क्ले खनन क्लस्टर परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आयोजित जनसुनवाई में आप सभी का हार्दिक स्वागत है।

चाईना कले खनन क्लस्टर परियोजना, आवेदक **मैसर्स श्री मदन लाल चौधरी पुत्र श्री कानाराम चौधरी, श्री चित्तराम पुत्र श्री धर्माराम, श्री पूरा राम पुत्र श्री रामदीन राम**, एमएल नंबर— 128/2019 एवं खसरा नं. 6295/4003, प्रस्तावित क्षेत्र— 1.1716 हेक्टेयर एवं प्रस्तावित उत्पादन क्षमता के साथ— 1,09,457 एमटी (रोम) [शीर्ष मृदा— 3654 एमटी, ओवर बर्डन—85,800 एमटी, चाईना कले ब्रिकीयोग्य— 18,003 एमटी और अपशिष्ट खनिज— 2,000 एमटी] निकट गांव—इन्दावड़, तहसील—मेड़ता, जिला—नागौर (राजस्थान) जो कि चाईना कले खनन क्लस्टर [एमएल नंबर— 128/2019, 41/13, 32/13, 14/13 18/13, 07/12, 31/13, 24/13, 02/14, 42/13, 48/13, 49/13, 58/13, 27/2019, 17/2018, 125/2019, 1/2018, 122/2019], कुल क्लस्टर क्षेत्र— 62.88 हेक्टेयर में स्थित है।

स्थान:- भारत निर्माण राजीव सेवा केन्द्र (आई.टी. सेन्टर) इन्दावड़, तहसील-मेड़ता, जिला नागौर

दिनांक: 16.06.2025,

समय: प्रातः 11:00 बजे

[illegible]

PRIME MINISTER NARENDRA MODI'S FIRST ADDRESS TO THE NATION SINCE OPERATION SINDOOR

'India won't accept Pak nuclear blackmail... I dedicate our soldiers' valour to every mother, sister, daughter'

Op Sindoor not just a name, says PM, it is an unwavering pledge for justice

VIKAS PATHAK
NEW DELHI, MAY 12

IN HIS first address to the nation since the commencement of Operation Sindoor and intense aerial strikes before the armed forces of India and Pakistan agreed to stop military actions, Prime Minister Narendra Modi drew the red lines for Pakistan Monday, promising counter-strikes as a response to acts of terror without differentiating between terrorists and the regime that sponsors them, and of not yielding to Islamabad's nuclear blackmail.

Underlining that Indian military actions have only been suspended, not concluded, Modi said India will closely watch Pakistan's activities, and any future talks will only be on the issues of terror and Pakistan-occupied Kashmir.

He told the nation that India decided to temporarily suspend its counter-operations against Pakistani terrorist and military installations because "Pakistan, in its appeal, assured it would cease all terrorist activities and military aggression against India".

He dedicated the valour of the Indian armed forces to "every mother, every sister and

CONTINUED ON PAGE 2

THE IDEAS PAGE

FOR THE RECORD:
PM'S ADDRESS
PAGE 9

IF THERE IS a terrorist attack on India, a fitting reply will be given

INDIA WILL NOT tolerate any nuclear blackmail. Will strike precisely, decisively

WE WILL NOT differentiate between the government sponsoring terrorism and the masterminds of terrorism



Prime Minister Narendra Modi during his televised address to the nation on Monday. PTI

TAKEAWAYS: STRATEGY

PM unveils new 3-point doctrine, frames it part of global war on terror

SHUBHAJIT ROY
NEW DELHI, MAY 12

WITH URI and Balakot, Prime Minister Narendra Modi had pushed at the frontiers of deterrence. After Operation Sindoor, the most intense military campaign since Kargil, he delineated India's new doctrine against terrorism resting on three key ele-

ments: a response on India's terms; no tolerance for terror that hides under "nuclear blackmail"; and no distinction between the terrorists, their leaders and a government that sponsors them.

He also kept the strategic and military doors wide open making it clear Delhi has only "suspended" its

CONTINUED ON PAGE 2

POLITICS

Address flags unity of nation, peace in strength and justice for women

MANOJ CG
NEW DELHI, MAY 12

PERHAPS, the strongest political signal from Prime Minister Narendra Modi's speech on Operation Sindoor and its aftermath was how it avoided the tropes of partisan politics — referring to the nation

as a united front and the importance of this unity towards ensuring "shanti" (peace) through "shakti" (strength).

Modi framed the response as one in which "the entire nation, every citizen, every community, every class, every political party, unitedly stood up for strong action against terrorism," after the Pahalgam terror attack.

CONTINUED ON PAGE 2

India, Pak DGMOs agree to reduce troops on borders

More visual evidence of Indian air defence and damage to Pak bases



Indian Navy's Carrier Battle Group deployed in the Northern Arabian Sea in the wake of tensions with Pakistan. ANI

AMRITA NAYAK DUTTA
NEW DELHI, MAY 12

TWO DAYS after they decided to end military action against each other following Operation Sindoor, the Director Generals of Military Operations (DGMOs) of India and Pakistan Monday "agreed that both sides consider immediate measures to ensure troop reduction from the borders and forward areas".

DGMO Lt General Rajiv Ghai spoke to his Pakistani counterpart Major General Kashif Abdullah at 5 pm Monday — their second conversation since Saturday when they agreed to stop all military actions.

The Indian Army said: "Issues related to continuing the commitment that both sides must not fire a single shot or initiate any aggressive and inimical action against each other were discussed. It was also agreed that both sides consider immediate

BUSINESS AS USUAL

By UNNY



measures to ensure troop reduction from the borders and forward areas."

Earlier in the day, releasing more visual evidence of the damage inflicted on 13 Pakistani military installations in retaliatory attacks, the Indian Armed Forces said that a multi-layered counter-drone and air defence

CONTINUED ON PAGE 2



Remnants of Chinese-origin long-range PL-15 missile fired by Pakistan are displayed at a media briefing by DGMOs. ANI

First time, India names China as supplier of missiles used by Pak, shows remnants

SHUBHAJIT ROY
NEW DELHI, MAY 12

FOR THE first time since it commenced Operation Sindoor and thwarted most of Pakistan's aerial attacks, India Monday named China-supplied weapons in the Pakistani arsenal used against the Indian Armed Forces.

Briefing the media, Air Marshal A K Bharti, Director General Air Operations, presented visual evidence of missile remnants. "You can see the pieces of it on the screen," he said, showcasing debris of the PL-15 long range missile that fell inside Indian territory, including a relatively intact rear section recovered from Hoshiarpur, Punjab.

The Armed Forces intercepted and neutralised a range of high-tech foreign weapons used by Pakistan, including Chinese-origin PL-15 air-to-air missiles and Turkish Byker YIHA III Kamikaze drones.

The naming of China is a first in this round of India-Pakistan hostilities — all these years, New Delhi has closely tracked the ex-

panding Sino-Pak military ties.

Sources said that China-Pakistan ties across domains — political, economic, nuclear and military — have been ongoing for decades, and Beijing has been supplying weapons to Rawalpindi.

Last week, India had only named Turkish drones as being

CONTINUED ON PAGE 2

Trump to reduce US drug price, Indian pharma braces for impact

RAVI DUTTA MISHRA
& AGGAM WALIA
NEW DELHI, MAY 12

GLOBAL PHARMA companies could ramp up pressure on India and other developing markets to raise the prices of drugs after President Donald Trump signed an executive order Monday taking measures to ensure US drug costs are aligned with their cheapest equivalents abroad.

The order instructs officials to set price targets and proposes rules to ensure that manufacturers sell at "most favoured nation



Trump: Will introduce 'most favoured nation' policy

(MFN)" price whereby the US pays "the same price as the nation that pays the lowest price anywhere in the world".

"According to recent data, the

prices Americans pay for brand-name drugs are more than three times the price other OECD (Organisation for Economic Co-operation and Development) nations pay, even after accounting for discounts manufacturers provide in the US," the White House said.

The order came hours after Trump took to social media to highlight that prescription drugs and pharmaceuticals in the US "will be reduced, almost immediately, by 30 per cent to 80 per cent". "For many years, the world has wondered why prescription

CONTINUED ON PAGE 5

Ranthambhore: Lured by live bait, tigress kills ranger, her 2nd victim

JAY MAZOOMDAAR
NEW DELHI, MAY 12

ON MULTIPLE safaris to Rajasthan's iconic Ranthambhore tiger reserve last year, a veteran chronicler repeatedly spotted something unusual: tigers crouching at the edge of undergrowth, a few metres away from a wall by the road at the Jogi Mahal gate that leads to tourist zones around the lakes Padam talao, Rajbagh and Malik talao.

The gaze of these tigers, he

noticed, was fixed on one of the two small rooms behind the wall. On closer inspection, he heard low grunts of a buffalo on the other side of the closed doors. It turned out forest staff were using that room to stock a live buffalo to be presented as weekly bait to a well-known tigress called Arrowhead. Aghast, the veteran warned the staff on duty they "may have to pay the price for luring tigers so close".

On Sunday, forest range officer Devendra Singh Choudhury

CONTINUED ON PAGE 6

After 123 Tests, 'the quiet grind, long days', Virat Kohli says enough

SANDEEP DWIVEDI
NEW DELHI, MAY 12

WITHIN DAYS of Rohit Sharma calling time on his Test career, Virat Kohli followed suit and announced his retirement from the longest format. Was he quick to read the room after the abrupt end to Rohit's Test innings? With talk of Shubman Gill's coronation at 25, did he sense palace intrigue and a subtle signal to him? Or was it the case of the 36-year-old father of two and an undisputed

batting great no longer having that famous drive to deal with the demons in the head that mess with muscle memory?

Days before the team for the England tour was to be announced, Kohli shared his decision with the world on Instagram: "There's something deeply personal about playing in whites. The quiet grind, the long days, the small moments that no one sees but that stay with you forever... As I step away from this format, it's not easy — but it feels

CONTINUED ON PAGE 2



Virat Kohli with wife Anushka Sharma at Mumbai airport, Monday. PTI

PAGE 1
ANCHOR

Amravati slum to Nagpur to Delhi: Justice Gavai's road to CJI office

OMKARGOKHALE
AMRAVATI, NAGPUR, MAY 12

AT HER home in the Congress Nagar area of Amravati, its walls lined with photos of B R Ambedkar, Kamalatai is counting her blessings. "Mera bachha toh muqaddar ka sikandar banna hi chahiye, na (My child ought to be a conqueror of his destiny, no)," she asks rhetorically.

With her son Justice Bhushan Ramakrishna Gavai set to take oath as the 52nd Chief Justice of India on May 14, the 84-year-old

has been besieged with questions on whether she will attend the oath-taking ceremony in Delhi. "Mee gelich pahije na (I should certainly be going, shouldn't I?)" she says, clutching a well-worn file filled with handwritten notes, clippings and some old photographs of her son — a careful compilation of the signposts in Justice Gavai's journey, from his birth to his elevation to the top office of the Supreme Court.

It is a milestone for both Kamalatai, a former school teacher, and the judiciary. Justice Gavai

will be only the second from the Dalit community to be Chief Justice of India. In 2007, former CJI K G Balakrishnan became the first Dalit CJI and served for three years. Justice Gavai's six-month tenure ends on November 23.

Since its establishment in 1950, the Supreme Court has only had seven judges from the Scheduled Castes or Scheduled Tribes.

Justice Gavai has often invoked the spirit of the Constitution to acknowledge how affirmative action has shaped his identity. "It is solely



Illustration: Sujavjit Dey

due to Dr B R Ambedkar's efforts that someone like me, who studied in a semi-slum area at a municipal school, could attain this position," he said in a speech in April 2024. When he ended that speech with a chant of "Jai Bhim", the judge received a standing ovation from the crowd.

Justice Gavai is known for his rulings in contentious and high-stakes political cases, often granting relief to the litigant against the state. In three important decisions, including those involving Newslick founder-editor Prabir Purkayastha and former Delhi

Deputy Chief Minister Manish Sisodia, a bench led by Justice Gavai established procedural safeguards against arbitrary arrests under stringent laws such as the Unlawful Activities (Prevention) Act and the Prevention of Money Laundering Act. In November 2024, a bench led by him held that demolishing citizens' properties without following due process was contrary to the rule of law.

Justice Gavai was also part of the seven-judge bench that delivered a landmark verdict in favour of sub-classification of the

Scheduled Caste quota. In his separate opinion, Justice Gavai compared the opposition of Dalit groups to the splitting of quota to the discrimination "higher castes have done" to Scheduled Castes.

He has also lent his weight to significant constitutional cases. In February last year, Justice Gavai was part of the bench that annulled the electoral bonds scheme and in December 2023, another Constitution bench of which he was a part upheld the Centre's abrogation of Article 370 that granted special status to J&K.

CONTINUED ON PAGE 6

FROM PAGE ONE FULL REPORTS ON
WWW.INDIANEXPRESS.COM

India won't accept Pak nuclear blackmail: PM

every daughter of the country", and acknowledged the importance of national unity and harmony. He also acknowledged the support from all political parties to Operation Sindoor following the Pahalagam terror attack.

Underlining that Operation Sindoor had set a new normal, he outlined three key pillars of India's security doctrine: "Firstly, the decisive retaliation, where any terrorist attack on India will be met with a strong and resolute response. India will retaliate on its own terms, targeting terror hubs at their roots. The second is no tolerance for nuclear blackmail; India will not be intimidated by nuclear threats. Any terrorist safe haven operating under this pretext will face precise and decisive strikes. The third pillar is no distinction between terror sponsors and terrorists — India will no longer see terrorist leaders and the governments sheltering them as separate entities."

During Operation Sindoor, he said, the world once again witnessed Pakistan's "disturbing reality" that senior Pakistani military officers attended funerals of

eliminated terrorists, proving their deep involvement in state-sponsored terrorism. "These hubs in Muridke and Bahawalpur were universities of global terrorism," he said, adding that they were behind many global terror attacks, including the 9/11 attacks in the US, the London tube bombings, and terror attacks on India.

Referring to the May 7 Indian strikes on nine terror sites in Pakistan and PoK, he said India, in one stroke, killed more than 100 terrorists.

Modi said Pakistan was feeling "helpless and hopeless" after this attack. "In its agitation, Pakistan resorted to a reckless act. Instead of joining the global fight against terrorism, it launched attacks on Indian schools, colleges, gurudwaras, temples, civilian homes, and also targeted military bases. This aggression exposed Pakistan's vulnerabilities as its drones and missiles crumbled like straw before India's advanced air defence systems, which neutralised them in the sky."

"Pakistan had prepared to strike India's borders, but India

delivered a decisive blow to Pakistan's core. Indian drones and missiles executed highly accurate strikes, severely damaging Pakistani air bases that it had long boasted about. Within the first three days of India's response, Pakistan suffered destruction far beyond its expectations," he said.

"Following India's aggressive counter-measures, Pakistan began seeking ways to de-escalate, appealing to the global community for relief from rising tensions. After suffering severe losses, Pakistan's military reached out to India's DGMo on the afternoon of May 10. By then, India had already dismantled large-scale terrorist infrastructure, eliminated key terrorists, and reduced Pakistan's terror hubs to ruins."

"Pakistan, in its appeal, assured it would cease all terrorist activities and military aggression against India. In light of this statement, India reviewed the situation and decided to temporarily suspend its counter-operations against Pakistan's terrorist and military installations. This sus-

pension is not a conclusion. India will continue to assess Pakistan's every move in the coming days, ensuring that its future actions align with its commitments."

Modi said the entire nation — "every citizen, every community, every section of society, and every political party" — was united in demanding strong action against terrorism in the wake of the Pahalagam terror attack. Underlining that unity is India's greatest strength in the fight against all forms of terrorism, he said while this is not an era of war, it cannot be one of terrorism either. "Zero tolerance against terrorism is the guarantee of a better and safer world," he said.

Modi also had a message for Pakistan: sponsoring terrorism would one day finish it off, and that it would have to dismantle its terror infrastructure if it wished to survive. Noting that Monday was Buddha Purnima, he said Lord Buddha had shown the path of peace to the world. "I say to the world: if we talk to Pakistan, we will talk only about terror and PoK. Today is Buddha

Purnima. Lord Buddha showed us the path of peace. *Shanti ka marg bhi shakti se hokar jaata hai* (The path of peace also goes through power)."

He saluted the armed forces for their valour, dedicating their actions to the mothers and daughters of the country. "Our soldiers showed great valour in Operation Sindoor. I dedicate the valour of our soldiers to every mother, every sister and every daughter of our country. The world was shaken by the attack in Pahalagam... People were asked their religion in front of their families, their children, and then killed. This was an attempt to break the unity of the country," he said, adding that it was after this that the government gave a free hand to the armed forces to destroy terror.

"Today, every terrorist organisation knows the outcome of any attempt to remove the sindoor from the heads of our sisters and daughters. *Operation Sindoor nayi ki akhand pratigya hai* (Operation Sindoor is our unwavering commitment to justice)," he said.

● Address flags unity of nation, peace in strength and justice for women

"Our greatest strength is our unity (*'ekta, ekjut rahna'*) against all forms of terrorism. This is certainly not the era of war but this is also not the era of terrorism. Zero tolerance against terrorism is the guarantee for a better world," he said.

This acknowledgment of unity as a "strength," came as the PM drew the new red lines on terror emanating from Pakistan and dedicated Operation Sindoor to women. For over a decade, empow-

erment of women has been a refrain in the PM's political communication: from triple talaq to Ujjwala, beti bachao to the Women's Bill and a raft of measures to secure women's safety nets. He took that refrain to the domain of national security blending it with the personal idea of a family's safety, driving home the message of Operation Sindoor loud and clear. "Our brave soldiers displayed immense courage to achieve the objectives of

Operation Sindoor. I pay tribute to their bravery, courage and valour. I dedicate this valour to every mother, every sister and every daughter of the country," he said.

Operation Sindoor, he said, "is not just a name but it's a reflection of the feelings of millions of people of the country. Operation 'Sindoor' is our unwavering commitment to justice."

Modi highlighted how the terror attack in Pahalagam had seared the national conscience and hit at the very heart of a family and their faith: "The merciless killing of innocent citizens in front of their family and their children on the basis of their religion was a very gruesome face of terror and cruelty. This was also a disgusting attempt to break the harmony and unity of the country... We gave full freedom to the Indian forces to wipe out the terrorists. And today every terrorist, every terror organisation knows the consequence of wiping out the Sindoor of our sisters and daughters," he said.

"The terrorists had wiped out the Sindoor of our sisters and India responded by destroying their terrorist headquarters," he said.

Given the scale of Operation Sindoor and the intense military conflict which followed, Modi's address to the nation Monday struck distinct chords but some also resonated with the ones in 2016 (Uri) and 2019 (Pulwama). In his Kozhikode rally after the Uri attack, he had reached out to the people of Pakistan by saying the war needed was one on poverty, unemployment, illiteracy and maternal mortality. This time, he said that Pakistan would be consumed by terror if it didn't act against it and the way the Army and the Government there were "encouraging terrorism," that "we will destroy Pakistan one day."

After the Balakot strike, in March 2019, Modi had said: "When enemies try to destabilise India and unleash a terror attack on us, their attempt is to stop the functioning of our nation and stall its progress. Every

Indian has to stand against it like a strong wall... India will live as one. India will work as one. India will grow as one. India will fight as one. India will win as one."

That message of unity was reiterated Monday and framed as a strength in the war against terrorism.

Modi's reference to "every political party" as being united in the war on terror comes in the context of a deeply divided politics where he has often accused sections of the Opposition as being soft on terrorism.

This time, the entire Opposition had pledged support to the Government for any action against perpetrators of the Pahalagam terror attack post Operation Sindoor. The political consensus was dented after the announcement of the ceasefire with many of the Opposition parties raising questions on the role played by the US in bringing about a truce when there was no scope for third-party mediation in settling the Kashmir dispute.

● First time, India names China as supplier of missiles

used by Pakistan. But now it has publicly named Chinese and Turkish weapons.

The PL-15, developed by China's Aviation Industry Corporation (AVIC), is a long-range, radar-guided missile designed to engage high-value airborne targets at ranges exceeding 200 km.

The PL-15 is China's standard active-radar-guided AAM, and it was intended to at least match the performance of the US-made AIM-120D Advanced Medium-Range Air-to-Air Missile (AM-RAAM).

Its export version, the PL-15E, is reported to have a maximum range of 145 km and is integrated with Pakistan's JF-17 Block III and J-10CE fighters.

The domestic version in use by the Chinese military has a reported range of between 300-500 km.

On April 26, the Pakistan Air Force (PAF) released visuals of JF-17s armed with PL-15E and PL-10 missiles. Pakistan's fleet includes an estimated 45-50 JF-17 Block III and 20 J-10CEs — approximately 70 aircraft capable of deploying the PL-15E, according to Pakistan's military.

The missile's guidance system includes inertial navigation,

Beidou satellite updates, a two-way datalink, and AESA radar terminal homing.

It features a dual-pulse solid rocket motor and can reach speeds exceeding Mach 5. The warhead, typically high-explosive fragmentation, weighs between 20 to 25 kg. The weapon may have been sourced directly from China's People's Liberation Army Air Force (PLAAF).

Both countries jointly manufacture the J-17 aircraft, the mainstay of the PAF.

The Indian military's statement on the PL-15 is significant, coming two days after an understanding with Pakistan to stop all military actions.

On May 10, the Chinese Foreign Ministry said NSA Ajit Doval spoke to Chinese State Councillor Wang Yi.

"Doval said that the Pahalagam terrorist attack caused serious casualties... and that India needed to take counter-terrorism actions. War was not India's choice and was not in the interests of any party. India and Pakistan would be committed to a ceasefire and look forward to restoring regional peace and stability as soon as possible," the Chinese Foreign

Ministry said.

"Wang Yi said China condemns the Pahalagam terrorist attack and opposes all forms of terrorism. The current international situation is turbulent and intertwined. Peace and stability in the Asian region is hard-won and deserves to be cherished. India and Pakistan are neighbours that cannot be moved away, and both are neighbours of China. China appreciates your statement that war is not India's choice, and sincerely hopes that India and Pakistan will remain calm and restrained, properly handle differences through dialogue and consultation, and avoid escalation of the situation. China supports and expects India and Pakistan to achieve a comprehensive and lasting ceasefire through consultations. This is in the fundamental interests of India and Pakistan and is also the common wish of the international community," it said.

For Delhi to single out Beijing sends a signal to the Chinese leadership on its role in the hostilities between India and Pakistan, at a time when China said it will play a constructive role to bring about a ceasefire between India and Pakistan.

● India, Pak DGMOs agree to reduce troops on borders

grid successfully foiled Pakistani attempts to hit multiple military installations and civil infrastructure last week.

Briefing the media on Operation Sindoor, Lt General Ghai and his Indian Air Force and Navy counterparts, Air Marshal A K Bharti and Vice Admiral A N Pramod, said Pakistan used a range of weapons — from Chinese-origin missiles and Turkish-origin drones to armed UAVs and loitering munitions — in its attempt to reach targets in India.

Drawing a cricket analogy to explain the multi-layered, robust, integrated air defence systems in place, Lt General Ghai said, "Targeting our airfields and logistics is way too tough... I saw that Virat Kohli has just retired from Test cricket. He is one of my favourites... In the 1970s, during the Ashes between Australia and England, two Australian bowlers destroyed the batting line-up of England, and then Australia gave a proverb: 'Ashes to ashes, dust to dust, if Thommo don't get ya, Lillee must'. If you see the layers, you will understand what I am trying to say. Even if you cross all the layers, one of the layers of this grid system will hit you."

Air Marshal Bharti said tri-service assets were deployed in a multi-layered system — point defence comprised low-level air defence guns and shoulder-fired weapons, while aerial defence comprised fighter aircraft and long-range missiles. A range of surveillance radars also formed part of the grid.

Lt Gen Ghai said repeated attempts by Pakistan to target Indian airfields and logistic installations on May 9 and 10 were unsuccessful because of the robust air defence grid.

He said the first layer comprised counter-drone systems and MANPADS (Man-Portable Air Defence Systems), the second and third layer of the grid comprised point air defence, short-

range surface-to-air missiles and medium-range surface-to-air missiles respectively. The fourth layer of the grid comprised long-range surface-to-air missiles.

According to Air Marshal Bharti, this complex counter-drone and air defence shield countered a range of Pakistani threats such as Chinese-origin PL-15 air-to-air missiles, Turkish-origin Yiha systems, aside from other missiles, long-range rockets, loiter munitions and a range of quadcopters typically used for surveillance.

He said the numerous waves of drones and UAVs used by Pakistan were also thwarted by ingeniously developed soft and hard-kill counter-UAS systems and well-trained AD personnel. "All this was brought together as an efficient and effective AD environment, by the Integrated Air Command & Control System (IACCS) of the IAF, which accords us Net-Centric Op capability," he said.

He said older and battle-proven AD weapons like the Pechora, OSA-AK and the LLAD guns played a key role in countering the Pakistani threat vectors in the current operations and underlined the "stellar performance" of indigenous AD weapons like the Akash system.

In spite of some minor damage incurred, he said, all Indian military bases and systems continue to remain fully operational, and ready to undertake further missions if needed.

He displayed video evidence of damage caused by Indian precision strikes at the Nur Khan airbase and Rahim Yar Khan airbase in Pakistan — one showed a huge crater at Rahim Yar Khan. As many as 13 military targets, from Rawalpindi to Karachi, were struck in retaliatory precision strikes.

He said the Kirana hills, near Pakistan's Sargodha air base, were not hit by India — the hills are said to house a nuclear facil-

ity.

Vice Admiral Pramod said the Navy was effectively using multiple sensors and inputs. "We are maintaining continuous surveillance to degrade or neutralise threats as they emerge or manifest, to ensure targeting at extended ranges."

"All these are conducted under the umbrella of a comprehensive and effective layered Fleet Air Defence mechanism that caters for all threats, be it drones or high speed missiles or aircraft, both fighters as well as surveillance aircraft," he said.

He said the fleet operates as a composite force, maintaining a surveillance bubble at extended ranges using advanced radars.

"Any aerial target that attempts to penetrate this bubble is detected and identified using various techniques and technologies, affording quick and clear distinction between commercial, neutral and hostile aircraft or flying objects at ranges above the anticipated attack range," he said.

The Carrier Battle Group with its integral Air Wing provides the first layer of this layered mechanism, he said, highlighting that adequately equipped and trained naval pilots are able to operate both by day and night.

"In the current standoff, the presence of our aircraft carrier with a large number of Mig-29K fighters and airborne early warning helicopters prevented any suspicious or hostile aircraft close to the Carrier Battle Group within several hundred kilometres," he said.

The CBG, with formidable offensive capability, was able to operate with impunity and maintained an uncontested presence in the area of operations, he said.

"Effectively, it compelled the Pakistani air elements to remain bottled up close to the Makran coast, denying any opportunity to be a threat in maritime space," he said.

● PM unveils new doctrine

military action and will watch Pakistan's behaviour. "In the coming days we will measure every step of Pakistan on the criterion that what sort of attitude Pakistan will adopt ahead."

Underlining that this is a "new normal", this new policy is outlined to define Delhi's approach that is qualitatively higher in aggression and also lowers the threshold for any future attacks.

"After the surgical strike and air strike, now Operation Sindoor is India's policy against terrorism. Operation Sindoor has carved out a new benchmark in our fight against terrorism and has set up a new parameter and new normal."

While India had given a "fitting reply" twice before — the surgical strike after Uri terror attack in September 2016 and the Balakot strike after the Pulwama terror attack in February 2019 — this is the first time, the Prime Minister has framed a response like the May 7 strikes on nine locations in response to April 22 Pahalagam terror attack.

This is also the first time Modi has called out Pakistan's nuclear posturing evident in the way a meeting of the nuclear command authority was called and then cancelled. "India will not tolerate any nuclear blackmail. India will strike precisely and decisively at the terrorist hideouts developing under the cover of nuclear blackmail," he said.

"We will not differentiate between the government sponsoring terrorism and the masterminds of terrorism. During Operation Sindoor the world has again seen the ugly face of Pakistan, when top Pakistani army officers came to bid farewell to the slain terrorists. This is strong evi-

dence of state-sponsored terrorism. We will continue to take decisive steps to protect India and our citizens from any threat," he said, targeting the Pakistan's establishment that has long used cross-border terrorism against India as an instrument of policy. This means that Pakistan military and government are not off-limits for any future retributive actions as well.

For Modi to name the terrorist headquarters of Jaish-e-Muhammed and Lashkar-e-Taiba, is also something new, and he linked all of them to major terror attacks in the US and UK. This framed India's war on terrorism as the latest in the global campaign that started with the one Americans and NATO forces had launched in Afghanistan after 9/11.

He flagged India's capability and superiority in its offensive. "The world saw how Pakistan's drones and missiles fell like straws... India's strong air defence system destroyed them in the sky itself. Pakistan had prepared for an attack on the border, but India struck at the heart of Pakistan. India's drones and missiles attacked with precision. They damaged those airbases of the Pakistani Air Forces, of which Pakistan was very proud."

On the issue of who dialled the US with an SOS, he spelt out India's objectives that were accomplished and India's reason to pause military action for the moment. This is, in response to criticism, from some quarters from within his supporters on choosing to "prematurely" end the hostilities.

"...After India's aggressive action, Pakistan started looking for ways to escape. Pakistan was

pleading to the world to ease tensions. And after suffering heavy losses, Pakistan's army contacted our DGMo on the afternoon of May 10. By then, we had destroyed the infrastructure of terrorism on a large scale. The terrorists were eliminated. We had destroyed the terror camps established in the heart of Pakistan. Therefore, when Pakistan appealed and said that it will not indulge in any sort of terror activities or military audacity further, India considered it."

He also sought to bring the international community on the same page on countering terrorism by invoking his famous line on "this is not the era of war" to Russian President Vladimir Putin. This was to blunt the criticism of war-mongering by India.

"Our greatest strength is our unity against all forms of terrorism. This is certainly not the era of war but this is also not the era of terrorism. Zero tolerance against terrorism is the guarantee for a better world," he said.

In a clear message to the global community including references made by US President Donald Trump and Secretary of State Marco Rubio on India-Pakistan talks, Modi reinforces the redlines on dialogue with Pakistan that has been suspended since 2016.

"The way the Pakistani army, Pakistan government are encouraging terrorism, it will destroy Pakistan one day. If Pakistan wants to survive, it will have to destroy its terror infrastructure. There is no other way to peace. India's stand is very clear: Terror and talks cannot go together. Terror and trade cannot go together. Water and blood cannot flow together."

● After 123 Tests, 'the quiet grind, the long days', Kohli says enough

right. I've given it everything I had... I'll always look back at my Test career with a smile."

The post had Frank Sinatra singing his 'I did it my way' song in the background, reminding that a career of 123 Tests which brought a little less than 10,000 runs too might not be totally fulfilling. "Regrets, I've had a few, but then again, too few to mention. I did what I had to do," goes the song's lyrics.

Though, of late, Kohli had been finding it tough to do what he had to. In that context, this England tour miss is actually a judicious 'well left'. It is a grim reminder of the reality of ageing. Kohli still has a gym-sculpted body and is Bolt between wickets. But the fittest too can get jaded, the driven too slow down, and even Kings call it a day.

Kohli has retired, but hasn't given up. He never does, it's just that every great story has an end. Once he signs up for a cause, he never backs out. That was the orig-

inal narrative around the Delhi boy when he first hit the headlines as an 18-year-old in his debut first-class season.

It was an incredibly cold December day in 2006 when he landed at the Feroze Shah Kotla (now the Arun Jaitley Stadium) in a Delhi Ranji Trophy jersey hours after his father died. In the dressing room, he broke down but quickly splashed his eyes with water to play a match-saving knock. He left early and lit his father's pyre.

It was after the sun had set on the toughest day of his life that he would tell his elder brother: "I am going to play this game at the highest level and there is nothing that can distract me from doing that." Kohli didn't just play at the highest level but will finish as one of the greatest the game has seen. With ODIs still interesting to him, he can further glorify his legend.

From his under-19 days, he never doubted himself or let intimidation overwhelm or undermine him. In the initial rounds of

the 2008 Under-19 World Cup in Malaysia, he would swagger around the team hotel. Once when a tall well-built England player crossed him and gave him a look of disapproval, Kohli raised his eyebrows: "Why you staring?" The English boy blinked and sheepishly snuck away. "Arrey, inko dikhana padta hai (One needs to show these guys) who's the boss," he would say.

By the end of the tournament, he would make sure that the other teams conceded he was the boss. The junior India triumph would be followed by his graduation to the senior team and a phase when he lost focus. By his own confession, Kohli got caught in leading the 'cool life' — partying, eating unhealthy and taking cricket for granted.

Realising that he was drifting from his goal, he would take the challenge of being his old self. He changed his routine and diet. He starved. "One night I was so hungry that I had thoughts of chewing

up the bedsheet," he had once said. The linen was spared nor was the room service approached, but Kohli's resolve didn't break. The will to take the tough road remained unbreakable.

That would be the recurring theme of the Virat Kohli story. In 2014, he was in a freefall on the England tour. He thought he had forgotten how to bat and would not get his touch back. He couldn't sleep. Later, he would figure out that he was dealing with depression. Kohli would reach out to Sachin Tendulkar and that would start his rehabilitation. Once he ironed out the flaws, trusted his game, he got back his purpose in life. Runs would flow, he would get proclaimed as cricket's GOAT, but fame and fortune would bring bigger challenges. It is around the Covid-19 period that Kohli would face existential issues.

When the world called him King Kohli, Superman, Chasemaster, he was confused about his own identity. "With your

professional identity, somewhere you start losing perspective as a human being," he would articulate. To live up to the hype around him, Kohli would say that he would "fake his intensity". The world wanted him to be the scowly Kohli even when he wasn't in a mood to be that. He would share these anxieties with the world after he would return from a rare cricket break, something he had never done in his life.

Even on his return, Kohli would find it tough to meet the staggering standards he had set for himself. From January 2022 to January 2025, he would score just three Test hundreds. None memorable, nor with gravitas. Kohli, the Test batsman, was wilting but he wasn't giving up. He would train hard, even take philosophical inputs from spiritual gurus. He kept exploring, kept trying to keep the promise he had made to his brother.

Recently during the IPL, he had spoken about how the meaning of cricket had changed for him. "You start with wanting to hit the ball

and later, you go through this whole journey of being someone and dealing with expectations. But then finally again, you reach a point... and say I am here to hit the ball," he had said in an RCB podcast in the middle of his dream IPL run.

He seemed to be enjoying "hitting the ball" but going to England would again mean "being someone and dealing with expectations". All his career he had been in a constant fight with odds and winning it. Now finally, it seems, he had enough.

On that magical April night in 2011, after India's World Cup win at the Wankhede Stadium, Kohli, after carrying Tendulkar on his shoulder on a victory lap, had come up with a memorable quote. "Tendulkar has carried the burden of the nation for 21 years, it was time we carried him," he said. In years to come, Kohli would go on to do a Tendulkar, be a legend after two decades of high-level batting. Now that it is time to bid him goodbye, carry him on the shoulders, it is for others to do a Kohli.

EXPRESS EDUCATION

UPSC CSE

ANTHROPOLOGY

Achieve Top Ranks with Smart Insights

Attend Free WORKSHOP
31st May 2025

10:30 a.m.

Mrs. Sosin Revella
Renowned National Faculty
25+ Years of teaching experience

Offline @ SOSINIAS
Hyderabad

OFFLINE BATCH

11th JUNE 2025

Early Bird Offer 5% Up to 31st May 2025

MEET 2024 TOPPERS

6 A.Y. BORN TEJA AIR 647
SAI BHARGAVA AIR 759
MAHARAJA AIR 827
RAJESH KUMAR AIR 871
SUDHANU PRASAD AIR 844

4th JUNE 2025 at 10:30 a.m

Sosin IAS 99899 66744
info@sosinias.com | www.sosinias.com
Ashok Nagar X Roads, Hyderabad-20.

AMBITION LAW INSTITUTE

HYBRID OFFLINE ONLINE

Avail **EARLY BIRD DISCOUNT** for
May-June 2025 Batches

CLAT / LL.B. / CUET-PG

	1 Year	2 Year
ONLINE	₹ 35,000/-	₹ 55,000/-
OFFLINE	₹ 45,000/-	₹ 65,000/-
HYBRID	₹ 55,000/-	₹ 75,000/-

Batch Starts **17 MAY**

CUET-UG
(Language, Domain & General Test)

	6 Months	Crash Course
ONLINE	₹ 25,000/-	₹ 15,000/-
OFFLINE	₹ 30,000/-	₹ 20,000/-
HYBRID	₹ 35,000/-	₹ 25,000/-

Batch Starts **7 JUNE**

CLAT/AILET/ CUET LL.M.

	1 Year	Crash Course
ONLINE	₹ 35,000/-	₹ 15,000/-
OFFLINE	₹ 45,000/-	₹ 20,000/-
HYBRID	₹ 55,000/-	₹ 25,000/-

Batch Starts **7 JUNE**

GST Extra | One-time Payment | Non-Negotiable Fees | Limited Offer

Book your seat immediately to avoid disappointment.

Admissions Helpline: 880060380

B-10, 1st Floor, Opposite Meerut Sweets, Mukherjee Nagar, Delhi-9
ambitionlawinstitute.com | Ambition Law Institute

Contact for Advt. Booking: M/s Friends Publicity Service
(M): 9212665841, 9212008155

32 airports shut
due to conflict
reopen; flight to
Amritsar returns
amid blackout

SUKALP SHARMA
NEW DELHI, MAY 12

FOLLOWING the ceasefire understanding between India and Pakistan, New Delhi on Monday lifted the temporary closure of various airports in parts of northern and western India, making them available for regular civil flight operations.

Amid the major escalation in tensions with Pakistan last week, India had announced a temporary closure of 32 airports for civil aircraft operations till 15 5:29 am May 15, according to a series of Notices to Airmen (NOTAMs) issued on Friday by aviation authorities. Those NOTAMs were cancelled Monday morning with immediate effect.

Airlines said they were working to fully restore operations to and from the affected airports, with two IndiGo flights from Delhi to Jammu and Chandigarh operating on Monday evening.

Initially, IndiGo announced the resumption of Delhi-Chandigarh, Delhi-Jammu and Delhi-Amritsar flights from Monday evening. While the Delhi-Jammu and Delhi-Chandigarh flights operated without a hiccup, the airline's Delhi-Amritsar flight turned back to the Capital midway after a precautionary blackout was enforced in Amritsar and a few other areas of Punjab, it is learnt. The airline did not comment on the reason for the flight diversion, but cancelled Tuesday's flights to and from Jammu, Amritsar, Chandigarh, Leh, Srinagar, and Rajkot "in light of latest developments", and keeping passengers "safety" as priority.

The closure of the 32 airports led to cancellation of over 300 flights a day, industry sources said. IndiGo, which is the country's largest airline, alone saw over 160 flight cancellations a day due to the airport closures.

Among other airlines, Air India Express has announced the resumption of flights on four routes — Hindon-Bengaluru, Jammu-Delhi, Jammu-Srinagar, and Srinagar-Delhi — from Tuesday, and Hindon-Mumbai flight from Wednesday.

In its press statement, Air India Express said: "Air India Express will gradually reinstate flight operations from previously closed airports, following the lifting of NOTAMs by the authorities... The reinstatement of other flights, including international services from Amritsar, is expected to follow from 15th May."

Two arrested for
making obscene
video, uploading
it on porn site

PRESS TRUST OF INDIA
JAIPUR, MAY 12

A 24-YEAR-OLD woman and her male companion have been arrested for allegedly uploading an obscene video of an elderly man on a porn website, the police said Monday.

Smriti Jain, a resident of Dodaghat in Uttar Pradesh, and Shanu Kumar (28), of Vaishali in Bihar, were nabbed by police in Noida and brought to Jaisalmer.

"They were placed under arrest on Saturday," Circle Officer Jaisalmer Roop Singh Inda said, adding the accused are under judicial custody. The police officer added that the accused were suspected of having filmed more such videos, including one in Dausa district.

Jain allegedly made a video of a 70-year-old man being seduced and engaging in obscene acts with her in Jaisalmer, while Kumar was in the driver's seat. The video was uploaded on a porn site and the matter came to light on May 4.

After the video surfaced, the Jaisalmer police took cognisance of the matter, registered a case at Tanot police station and launched an investigation. The video purportedly shows a woman and her companion stop the car at a deserted place and call the old man who was grazing sheep and goats. Later, obscene acts were filmed with the old man.

Recently, another video had surfaced in which a woman can be seen doing obscene acts with a man near Dausa. The accused stopped the car on the pretext of asking the man the distance to Dausa. "The faces were blurred. It is suspected that the accused made the video. The matter is being investigated," the circle officer said.

ASSAM PANCHAYAT ELECTIONS: COUNTING STILL ON ACROSS 27 DISTRICTS

BJP heads for big win, Himanta eyes 'even better' results in Assembly polls

EXPRESS NEWS SERVICE
GUWAHATI, MAY 12

WITH COUNTING of votes for Assam's panchayat elections continuing to take place through the day on Monday without being completed, it became clear by the evening that the ruling BJP and its allies were heading towards a clean sweep.

While the counting of the paper ballots for panchayat polls across 27 districts of the state started on Sunday morning and continued through the day on Monday, by 8:00 pm on Sunday,

the state election commission had published the results of just 430 of 2,192 anchalik panchayat seats.

Of these, 273 were won by the BJP and 57 by its ally, the Asom Gana Parishad (AGP). The Congress cornered 60 of these seats, while the other opposition parties, AIUDF and Rajgor Dal, won eight and four, respectively. Independents won 28 of these seats.

The leads by the ruling party are particularly commanding in the Eastern and Northern Assam districts. For example, out of 86 seats for which results were published for Jorhat district — where Congress leader Gaurav Gogoi is also the Lok Sabha MP — the BJP has won 73 and the AGP has won 9, while the Congress has only managed 3. Of 45 such seats in Golaghat district, the BJP has won 32 and the AGP 8, while the Congress again has won just 3.

Far fewer results were finalised of 397 zila parishad members. Results were published for 47 seats of which 36 and 7 were cornered by the BJP and AGP, respectively. The Congress won only 1 and 3 were won by Independents. All candidates for 21,920 gram panchayat

members contested as independents and were not officially contesting on any party ticket.

The outcome of these panchayat polls will be read in the light of the Assam Assembly election which will be held next year. As celebrations broke out among the BJP members across the state, Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma stated that the party would perform "even better" in the Assembly election.

"In the panchayat election, it is the village. The BJP is even stronger in cities. So when urban results come together with village

results, this result will get even better... Today I think the potential of the BJP is to win 104 seats [out of 126 assembly seats]. But there is always a gap between potential and reality... I think there is a very strong possibility of winning around 95," he said.

Assam BJP president Dilip Saikia said in a statement that the outcome is heading towards "near-opposition-free Panchayats."

Conceding defeat, former Congress MP R P Sharma alleged "misuse of government machinery" by the BJP during the course of the campaign.



THREAT TO BLOW UP SMS STADIUM

Police personnel frisk cricket coaching players with a metal detector after the Sports Council office received a mail threatening to blow up the SMS Stadium, Monday. A similar bomb threat mail was also received on May 8. Rohit Jain Paris

PANDIT DEENDAYAL ENERGY UNIVERSITY
GANDHINAGAR, GUJARAT
Formerly Pandit Deendayal Petroleum University (PDPU)
UGC RECOGNIZED
NAAC A++ ACCREDITED
INVITES APPLICATIONS FOR THE POSITION OF ASSISTANT PROFESSOR (ON TERM)

The NSDC-PDEU Centre of Excellence for Skill Development focuses on skilling, re-skilling, and upskilling students from Tier-1 to Tier-3 institutions in key sectors like Digital Edge, Energy, Health, and Water. It offers flexible learning through online, hybrid, and offline modes to ensure inclusive and accessible education. The Centre supports national missions such as Aatmanirbhar Bharat and Viksit Bharat, while contributing to Sustainable Development Goals. With industry-grade infrastructure, it equips students for global workforce readiness to help drive this transformative skilling mission.

AREAS OF SPECIALIZATION:
• Emerging Technologies and Digital
• Innovations: Digital Edge
• Energy & Environment
• Life Sciences & Biotechnology
• Social Sciences, Law & Policy
• Language and Cultural Skills
APPLY NOW
Interested candidates can apply on or before 24th May, 2025
For all other details visit University website: https://pdeu.ac.in/careers

VIT Vellore Institute of Technology
Hearty Congratulations
Dr. G. Viswanathan
Founder & Chancellor - VIT
on being conferred Honorary Doctor of Pedagogy by the prestigious
Rochester Institute of Technology (RIT),
Rochester, New York State, USA
This momentous occasion of being conferred with your Honorary Doctorate marks a remarkable milestone, underscoring your unwavering dedication, profound impact on countless lives through selfless service and significant effort in nation building.
We salute your transformative work and inspiring journey.
Best Wishes from
VIT Alumni Association (VITAA)

Nippon India Mutual Fund
Wealth sets you free
Mutual Fund Investor Awareness Program
To increase awareness about Mutual Funds, we conduct Investor Awareness Programmes (IAPs) across the country. Schedule of upcoming IAP is as mentioned below:
Date: 14th May, 2025
Time: 06:30 PM
Location: Jaipur
Venue: Hotel Safari, Gopalpur Bypass Rd. Near: Surya Nagar, Gopal Pura Mode, Jaipur, Rajasthan 302018.
Name: Mukesh Gupta | Mob. No: 8879861653
Nippon Life India Asset Management Limited | CIN: L65910MH1995PLC220793
Good gets better
Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

TATA TATA STEEL LIMITED
Registered Office: Bombay House, 24, Homi Mody Street, Fort, Mumbai - 400 001 India
Tel.: 91 22 6665 8282 • Email: cosec@tatasteel.com • Website: www.tatasteel.com
CIN: L27100MH1907PLC000260
NOTICE
Extract of Standalone Financial Results for the quarter/twelve months ended on 31st March 2025

Particulars	Quarter ended on 31.03.2025	Quarter ended on 31.12.2024	Quarter ended on 31.03.2024	Financial year ended on 31.03.2025	Financial year ended on 31.03.2024
	Audited	Audited	Audited	Audited	Audited
Total revenue from operations	34,398.84	32,760.45	36,541.48	1,32,516.66	1,40,932.65
Net Profit / (Loss) for the period (before tax and exceptional items)	4,826.22	5,320.79	6,113.01	19,620.88	22,992.73
Net Profit / (Loss) for the period before tax (after exceptional items)	4,293.18	5,174.54	5,471.29	18,718.84	19,504.71
Net Profit / (Loss) for the period after tax	3,169.19	3,878.57	4,091.23	13,969.70	15,661.85
Total comprehensive income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	(21,813.74)	1,126.79	3,917.96	(10,003.46)	6,633.48
Paid-up equity share capital [Face value ₹ 1 per share]	1,248.60	1,248.60	1,248.60	1,248.60	1,248.60
Reserves excluding revaluation reserves				1,25,483.34	1,39,980.87
Securities premium reserve	31,290.24	31,290.24	31,290.24	31,290.24	31,290.24
Net Worth	1,23,543.94	1,45,359.20	1,38,041.53	1,23,543.94	1,38,041.53
Paid-up Debt Capital	15,156.26	12,825.48	12,823.10	15,156.26	12,823.10
Net Debt Equity Ratio	0.43	0.33	0.27	0.44	0.27
Earnings per equity share:					
Basic earnings per share of ₹ 1 each (not annualised) - in Rupees (after exceptional items)	2.54	3.11	3.28	11.19	12.55
Diluted earnings per share of ₹ 1 each (not annualised) - in Rupees (after exceptional items)	2.54	3.11	3.28	11.19	12.54
Debenture Redemption Reserve	1,328.75	1,328.75	1,328.75	1,328.75	1,328.75
Debt Service Coverage Ratio	3.47	5.93	9.47	3.82	2.56
Interest Service Coverage Ratio	8.87	8.81	14.47	9.94	10.33

Particulars	Quarter ended on 31.03.2025	Quarter ended on 31.12.2024	Quarter ended on 31.03.2024	Financial year ended on 31.03.2025	Financial year ended on 31.03.2024
	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited	Audited
Total revenue from operations	56,218.11	53,648.30	58,687.31	2,18,542.51	2,29,170.78
Net Profit / (Loss) for the period (before tax and exceptional items)	2,588.30	1,798.22	2,403.34	9,267.51	6,667.04
Net Profit / (Loss) for the period before tax (after exceptional items)	2,199.69	1,672.03	1,808.87	8,412.87	(1,147.04)
Net Profit / (Loss) for the period after tax	1,200.88	295.49	554.56	3,173.78	(4,909.61)
Total comprehensive income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	1,422.37	(561.03)	232.10	3,447.08	(8,137.51)
Paid-up equity share capital [Face value ₹ 1 per share]	1,247.44	1,247.44	1,247.44	1,247.44	1,247.44
Reserves (excluding revaluation reserves) and Non controlling interest				90,105.34	91,185.30
Net Worth	87,770.44	86,281.05	88,623.82	87,770.44	88,623.82
Net Debt Equity Ratio	0.91	0.94	0.78	0.90	0.78
Earnings per equity share:					
Basic earnings per share of ₹ 1 each (not annualised) - in Rupees (after exceptional items)	1.04	0.26	0.49	2.74	(3.62)
Diluted earnings per share of ₹ 1 each (not annualised) - in Rupees (after exceptional items)	1.04	0.26	0.49	2.74	(3.62)
Debenture Redemption Reserve	1,328.75	1,328.75	1,328.75	1,328.75	1,328.75
Debt Service Coverage Ratio	0.74	1.82	2.21	0.70	0.68
Interest Service Coverage Ratio	3.44	2.53	2.91	3.12	2.47

Note:
The above is an extract of the detailed format of Standalone and Consolidated financial results for the quarter/twelve months ended on 31st March 2025 filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 and Regulation 52 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Standalone and Consolidated results for the quarter/twelve months ended on 31st March 2025 are available on the websites of the Stock Exchanges (www.nseindia.com/www.bseindia.com) and the Company's website (www.tatasteel.com).

Sd/-
T V Narendran
Chief Executive Officer & Managing Director
Mumbai: May 12, 2025
Sd/-
Koushik Chatterjee
Executive Director & Chief Financial Officer

TATA STEEL

Western Rajasthan to experience
severe heat from today: Met dept

Jaipur: Some parts of Rajasthan will experience severe heat starting Tuesday, according to the Met department.

Western Rajasthan may see a decrease in thunderstorm and rain activities, and temperatures are predicted to soar by 2-3 degrees Celsius.

The weather office said the maximum temperature will likely be recorded at 44-45 de-

grees in border areas of Jodhpur and Bikaner from May 14.

According to the weather office in Jaipur, in the last 24 hours, Bikaner's peak temperature was recorded at 42.3 degrees.

Meanwhile, on Tuesday, light to moderate rains are expected in some parts of Bikaner, Jaipur, Bharatpur, Udaipur and Kota divisions.

PTI

EXPRESS Careers
Regd. Office: IDBI Bank Ltd, IDBI Tower, WTC Complex, Cuffe Parade, Mumbai - 400005. Tel: 022-66553355
IDBI Bank Ltd.
Advertisement No. 3/ 2025-26
Recruitment of Junior Assistant Manager (JAM), Grade 'O' 2025-26
IDBI Bank Ltd. invites online applications for the following position :
SI.No. Position Tentative Vacancies
1. JAM - Grade 'O' 676
For eligibility criteria (age, qualification etc.), requisite fees and other details, please visit the 'Careers' section of the Bank's website www.idbibank.in
Online registration window is open from May 08, 2025 - May 20, 2025.
NOTE: IDBI Bank reserves the right to accept or reject any/ all application(s) without assigning any reason(s) whatsoever. Any addendum/modifications with regards to the selection process shall only be published on the Bank's website (career section) www.idbibank.in and not through any other mode. Candidates are requested to regularly visit the website as above, for update in the matter.
Place - Mumbai General Manager- HR

FROM PAGE ONE
Trump to reduce US drug price

drugs and pharmaceuticals in the United States are so much higher in price than in any other nation — sometimes being five to ten times more expensive than the same drug, manufactured in the exact same laboratory or plant, by the same company," Trump said in a post.

The comments triggered a sell-off in pharmaceutical stocks Monday amid concerns that profits could be hit if firms have to cut prices in the US. In India, too, pharma stocks tanked. Sun Pharma Ltd led the decline, falling 3.36%, followed by Ajanta Pharma Ltd (-2.19%), Divis Labs Ltd (-1.39%) and Glenmark Ltd (-1.18%). Both Nifty 50 and Sensex surged by over 3.5%.

According to international trade experts, Trump's executive order may offer immediate relief to American patients, but it is likely to trigger a global price recalibration as low cost markets would determine prices in the lucrative US market.

India's generic drug industry, which is not only a source of low-cost medicines in India but also in the US and UK, has long been a bone of contention for large pharma companies in developed countries. These companies argue that weak intellectual property rights in India leave them uncompetitive.

Trump's executive order comes after the US placed the Indian patent regime on its "Priority Watch List" for intellectual property rights (IPR), which has a significant bearing on drug manufacturing.

Ajay Srivastava, who heads the think tank Global Trade and Research Initiative (GTRI), said Trump's MFN pricing policy should be a wake-up call.

"The battleground is no longer just legal — it has moved to trade negotiations. India must respond with strategic clarity and unyielding resolve. As global pharmaceutical firms turn to free trade agreements (FTAs) to extract Trade-Related Aspects of Intellectual Property Rights (TRIPS)-plus commitments, India must hold the line on its patent regime — one that enables affordable access, prevents monopolistic extensions, and safeguards public health," Srivastava said.

India's pharmaceutical laws comply with the WTO's Agreement on TRIPS. However, India has long resisted pressure to adopt "TRIPS-plus" provisions — additional patent protections often pushed by developed countries through Free Trade Agreements (FTAs). These include data exclusivity, automatic patent term extensions, patent linkage, broader patentability criteria, and evergreening practices, Srivastava said.

An Indian pharma executive told *The Indian Express* that Trump's executive order will not have any immediate negative impact on Indian generic manufacturers and exporters, and would instead squeeze the margins of distributors in the US.

Bypassing distributors or middlemen is now a key focus of the Trump Administration's MFN policy on pharmaceuticals. "The Secretary of Health and Human Services will establish a mechanism through which American patients can buy their drugs directly from manufacturers who sell to Americans at a "Most-Favored-Nation" price, bypassing middlemen," the order said.

The pharma executive explained that out of the \$670 billion US pharma market, only 21% is generics, while the remaining 79% are patented drugs. "In generics, price erosion has already happened. There is only one big gap — if it is addressed, that would be good for our country also. What is happening is that over five or six distributors are ruling the entire US market in generics," the executive said.

Metal protruding from trailer leads to 13 deaths in Raipur

"Some parts of (the materials), made of iron, were hanging out on both sides," stated a police press note.

The mini-truck, carrying 28 people, brushed against the protruding iron and veered off the road before crashing into another stationary heavy vehicle. Among the deceased were nine women, a four-month-old boy, a six-year-old girl, and a seven-year-old boy.

All passengers were returning from a ceremony celebrating the birth of a girl in Banarasi village, Raipur.

The trailer driver, 32-year-old Amit Burman from Jharkhand, has been arrested.

SALUTE THE SOLDIER

BORDER SECURITY FORCE
Director General and all Ranks of Border Security Force salute its gallant Officer Sh. Vivek Chaudhary, DC and Sub Inspector Sohan Lal on their Balidan Diwas. On this day, they made supreme sacrifice in a helicopter crash while on operational duty in Girwar area, Rajasthan.

SISOHANLAL
02.04.1960-13.05.2011

SHIVEK CHAUDHARY
08.05.1977-13.05.2011

HC/GD SUBHASH CHANDRA BIOM KIRANDUL
13-05-2012

CT/GD PRAKASH CH MEENA BIOM KIRANDUL
13-05-2012

CT/GD ASHOK KR VERMA BIOM KIRANDUL
13-05-2012

CT/GD JAYANTA DAS BIOM KIRANDUL
13-05-2012

CT/GD KAILASH CH MEENA BIOM KIRANDUL
13-05-2012

CT/GD RANJEET SINGH BIOM KIRANDUL
13-05-2012

CISF proudly remembers the supreme sacrifice of these brave hearts. On this day, they laid down their lives at the altar of duty while fighting with the LWE outfits. Their courage and bravery would remain an abiding source of inspiration for the force. The force will remain eternally indebted to them for their noblest deeds.

INDO-TIBETAN BORDER POLICE (ITBP) Constable
Surender Singh
ITBP salutes its braveheart Constable Surender Singh of 4th Battalion, who made the supreme sacrifice in the line of duty on this day in Jammu & Kashmir in 2002.

Resident of : Vill. Kandote, Post.- Nodinalla, Distt.- Doda, State- Jammu & Kashmir.

CENTRAL RESERVE POLICE FORCE
13 May 1974
13 Battalion of CRPF was deployed in Manipur (then part of Assam) for counter-insurgency operations against underground rebels. During one such operation, a section led by Nk Ishador Lakra was ambushed. Despite valiant resistance, he was grievously injured and laid down his life in the line of duty.

Veer Balidani Naik Ishador Lakra 13 Bn
27-07-1944 To 13-05-1974

CENTRAL RESERVE POLICE FORCE
13 May 2008

Veer Balidani Constable Ashif Ali Beigh
166 Bn
23-09-1972 To 13-05-2008

Veer Balidani Constable Rafiq Ahmed Khan
166 Bn
04-07-1973 To 13-05-2008

On 13 May 2008, troops of 166 Battalion of CRPF, along with SOG and JKP, launched an operation against militants in village Podder, PS-Killer, Pulwama. As the area was being cordoned, militants hiding in an orchard opened indiscriminate fire. A fierce encounter followed. Constable Ashif Ali Beigh and Constable Rafiq Ahmed Khan bravely chased and injured two fleeing militants, who managed to escape into the nearby jungle. Both constables sustained severe injuries in the exchange and later attained martyrdom.

CENTRAL RESERVE POLICE FORCE
9 May 1984

Veer Balidani Constable Mahavir Mahali
31 Bn
07-03-1951 To 13-05-1984

Veer Balidani Constable K. T. Jayanandan
31 Bn
15-09-1951 To 13-05-1984

In the midst of Punjab's insurgency, 31 Battalion of CRPF was deployed in Ludhiana for anti-terrorist operations. On 13 May, Constable Mahavir Mahali and Constable K. T. Jayanandan were on naka duty on the Pakhowal-Raikot Road when a suspected vehicle, instead of stopping, opened fire. Both brave constables were hit and attained martyrdom on the spot.

JAIPUR DEVELOPMENT AUTHORITY

eAuction
May-II & Jun-I 2025

189 PLOTS/SHOPS/GODOWNS/

151 COMMERCIAL PLOTS

01 King Residency Scheme, Jaipur
07 Shivank City Scheme, Jaipur
12 Santosh Villa Block-B Scheme, Jaipur
01 Govindam Aasram Scheme, Jaipur
01 Harit Vihar Scheme, Jaipur
02 Deendayal Nagar, Jaipur
24 Lohamandi, Macheda Phase-I Scheme, Jaipur
04 Govindam Arked Vistar Scheme, Jaipur
01 Transport Nagar, Jaipur
11 Askriti Enclave-B Scheme, Jaipur
07 Goravdhan Vihar Scheme, Jaipur
02 Ganak Enclave Scheme, Jaipur
04 Harsh Vatika Scheme, Jaipur
10 Shaurya Nagar Scheme, Jaipur
04 The Ring Avenue Block-B Scheme, Jaipur
07 Govindam Residency-B Scheme, Jaipur
04 The Riyasat Residency Scheme, Jaipur
06 Institutional Scheme Village-Dehnikalla, Jaipur
06 Khushi Sansar Scheme, Jaipur
01 West Way Heights Scheme, Jaipur
02 VRB Parl Enclave Scheme, Jaipur
05 Aditi Enclave One Scheme, Jaipur
08 Nathu Lal Karol Enclave Scheme, Jaipur
03 Lohamandi (Block-C) Scheme, Jaipur
11 Adinath Sarovar-A Scheme, Jaipur
01 New Atish Market Vistar, Jaipur
01 Golden Residency Scheme, Jaipur
01 Patarkar Colony, Jaipur
01 Kaniya Kunj, Jaipur
01 Chetan Vihar, Jaipur
01 Krishna City, Jaipur
01 Lalothi Scheme, Jaipur
15 RESIDENTIAL PLOTS
02 Nilay Kunj Phase-II, Jaipur
01 Patarkar Colony, Jaipur
05 Swam Vihar, Jaipur
01 Rajarampura Scheme, Jaipur
01 Anand Vihar, Jaipur
01 Harit Vihar Scheme, Jaipur
01 Shaurya Nagar Scheme, Jaipur
01 Anupam Vihar Scheme, Jaipur
02 Mahal Scheme D-Block, Jaipur
05 GROUP HOUSING
01 Manpura Tilwala Scheme, Jaipur
03 Anupam Vihar Scheme, Jaipur
01 Anantpura Group Scheme, Jaipur
01 Godown (Type-B)
01 Transport Nagar Sikar Road, Jaipur
01 Institutional Plot
01 Ramchandrapura Scheme at Jagatpura, Jaipur
08 MIX USE PLOTS
01 Vastu Nagar, Jaipur
07 Metro Enclave, Jaipur
01 Resort
01 Nilay Kunj Phase-II, Jaipur
01 RESTAURANT/CAFETERIA
01 Nilay Kunj Phase-II, Jaipur
01 SERVICE YARD
01 Transport Nagar Sikar Road, Jaipur
04 FARM HOUSE
04 Govindpura Ropada Scheme, Jaipur
01 CONSTRUCTED SHOP
01 Under Pass to Join SMS Hospital to Troma Centre Jaipur
For more Information Call : +91 9462-569-696
RERA Website : http://rera.rajasthan.gov.in
Indira Circle, Jawahar Lal Nehru Marg, Jaipur - 302004

GOVERNMENT OF TELANGANA
PUBLIC HEALTH AND MUNICIPAL ENGINEERING DEPARTMENT

No. SE (PH)/DBSTP/Quotations/2025-26 Dt: 12.05.2025

Name of the work: Invitation of quotations/financial offers from reputed agencies/ organizations/Technology providers for construction of Sewage Treatment Plants of various capacities (varying from 0.50 MLD to 100.00 MLD) in various Urban Local Bodies in Telangana State. Quotations/Financial offers shall be submitted online through mail to mail ID: sephd@tgpnail.com. elphd@tgpnail.com or offline in sealed covers at the O/o-Superintending Engineer (PH), West Circle, A.C. Guards, Hyderabad-500004. Pre-Offer Meeting 16.05.2025 at Conference Hall, 7th Floor, O/o-Engineer-in-Chief (PH), Hyderabad. Quotation/Financial offer Submission Closing Date: 23.05.2025 @ 04:30 PM.

Interested agencies/contractors/Technology providers can visit <https://publichealth.telangana.gov.in> for further details. Contact: 040-2332549, 9154299724.

Sd/-
Superintending Engineer (PH)
West Circle, Hyderabad

No. : 1719-PPCL/ADVT/1/2025-26 Date: 12-05-2025

Semi-Conductor Laboratory
Ministry of Electronics and Information Technology, Govt. of India
Sector 72, SAS Nagar 160071, Punjab, Ph:91-172-2296104-01

No.SCL:P&GA:Addendum:07/2025 Date : 10.05.2025

ADDENDUM

In reference to this office Advertisement No. SCL:01/2025 regarding filling up the post of Controller in Semi-Conductor Laboratory (SCL), (MeitY) S.A.S Nagar in Level-14 of Pay Matrix (7th CPEL) on Deputation basis, it is hereby informed that the last date of receipt of applications is further extended upto 30.05.2025.

The other terms and conditions of the Advertisement No. SCL:01/2025 remains unchanged.

Details can be viewed at SCL website www.scl.gov.in under careers

Head, P&GA SCL

KARNATAKA POWER CORPORATION LIMITED
CIN: U85110KA1970SGC001919

No.:KPCL/2025-26/EL/WORK_INDENT2867 Date:07.05.2025

ABSTRACT BID NOTIFICATION
(Through KPP Portal Only)

Bids are invited through KPP Portal <https://kppp.karnataka.gov.in> from the qualified bidders for the Design, Manufacture, Supply, Quality Surveillance, Testing at supplier's works, Transportation, Unloading at site, Delivery on FOR designation basis, arranging transit insurance, providing guarantees, supervision of erection, testing & commissioning of one number of 11/66kV, 9MVA, ONAN, 3 phase Generator Transformer for Bhadra Hydro Electric Plant. Estimated Cost : Rs. 1,84,87,229/- Last date for submission of bids along with documents to meet the pre-qualification criteria : 06.06.2025 upto 15.00 Hrs. Further details can be had from Chief Engineer (Electrical Designs), KPCL, 3rd Floor, KPCL Green Building, No. 3, Palace Road, Bengaluru-560 001 Mob.: 080-24413630, e-mail : ceedkpcl@gmail.com

HUBLI ELECTRICITY SUPPLY COMPANY LTD
(Wholly owned Govt. of Karnataka under taking)
Corporate Office,
Navanagar, P. B. Road, Hubballi-580 025.
Phone:9449057833, Fax: 0836-2324307
mail.ID:seepmc.hescocom@gmail.com

Corporate Identity Number (CIN): U31401KA2002SGC030437

No: HESCOM/SEE(PMC)/EE-P2/AEE-2/2025-26/3156-61 Date: 12.05.2025

SHORT TERM TENDER NOTIFICATION
(Through KPPP Portal Only)

Superintending Engineer (Ele), Projects Monitoring Cell, Corporate Office, HESCOM, Hubballi invites tenders for(61+5nos of Projects)"Selection of Solar Power Generators (SPGs) on the basis of Build Own & Operate (BOO) for Design, Survey, Supply, Installation, Testing, Commissioning, Operation & Maintenance of grid connected distributed solar power plants for solarization of selected Agri feeders at Sub-Station (SS) level in HESCOM jurisdiction totally covering approximate 52,726 IP sets, its associated 11kV line to connect the plant with concerned SS and Remote Monitoring System (RMS) of solar power plants through RESCO mode, for 25 years under Component C-Feeder Level Solarization of PM-KUSUM scheme"vide Indent No: HESCOM/2025-26/SE0389

The detailed notification regarding the bid enquiry can be obtained by logging in to the website <https://kppp.karnataka.gov.in> on or after 12.05.2025

Sd/- Superintending Engineer (Ele),
Projects Monitoring Cell,
HESCOM, Hubli

DIPR/Dwd/154/DeshpandePublicity/2025-26

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
Hikkjr jtdkj dk mldE A Government of India undertaking

Asset Recovery Branch, D-26/28, Connaught Place, New Delhi-110001
(Working at M-35, First Floor, Outer Circle, Connaught Place, New Delhi - 110001), Email ID – ubin0554723@unionbankofindia.bank

SALE NOTICE
for sale of movable / Immovable Properties

E-Auction Sale Notice for Sale of movable / Immovable Assets under the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002
read with Rule 8 / 9 of the Security Interest (Enforcement) Rule, 2002

Notice is hereby given to the public in general and in particular to the Borrower(s) and Guarantor (s) that the below described movable / Immovable property mortgaged / charged to the Secured Creditor, the possession of which has been taken by the Authorized Officer of Union Bank of India (secured creditor), will be sold on "As is where is", "As is what is" and "Whatever there is" on the date mentioned below, for recovery of dues as mentioned hereunder to Union Bank of India from the below mentioned Borrower(s) & Guarantor(s). The Reserve Price and the Earnest Money Deposit are also mentioned hereunder:

Sr. No.	Name & address of Borrower & Guarantor	Description of the movable / Immovable property put for auction	Constructive or Physical Possession taken	Dues to be recovered from Borrower/ Guarantor (Rs.)	Reserve Price (Rs.) EMD BID Increment Amt.	Date and Time of Auction	Encumbrances known to bank/SA Pending, if any.
1	Borrower/Directors/Promoters 1(a) M/s. BVM Enterprises, E-320, Sector-5, Bawana Industrial Area, Delhi- 110039 Also at: 13/12, Ground Floor, Moti Nagar, New Delhi- 110015 1(b) Ms. Geeta Arora (Proprietor) D/o Mr. Raj Kumar Arora, Flat No. V-4/902, TDI Kingsbury Apartment, Kundli, Sonapat-131028 Guarantors 2(a) Mr. Raj Kumar Arora, 13/12, Ground Floor, Moti Nagar, New Delhi- 110015 2(b) Ms. Shashi Arora, 13/12, Ground Floor, Moti Nagar, New Delhi- 110015	Flat No. 812, Tower- Sappthre-I, 8th Floor having Super Built-up Area 1490 Sq. Ft. situated at BDI Sunshine City, Village Saidpur, Alwar Bypass Road, Bhiwadi, Tehsil Tijara, Distt. Alwar, Rajasthan in the name of Mr. Raj Kumar Arora and Mrs. Shashi Arora, bounded as: East: Entry to Flat & facing to Unit No. 805 (Sap-I), West: Open at GF & than boundary wall, North: Adj. with Unit No. 811 (Sap-I), South: Adj. with Unit No. 813 (Sap-I).	Physical Possession	Rs. 39,41,165.97 as on 30.09.2021 with further interest, expenses and other charges thereon	Rs.22,50,000/- Rs.2,25,000/- Rs.22,500/-	30-05-2025 12:00 Noon to 05:00 PM (with unlimited extension of 10 minutes each)	Not known to bank
2	Borrower: M/s Pavitra Milk Products Pvt Ltd., 104 and 103 First Floor, Times Square Building, Sushant Lok 1, Gurgaon, Haryana-122002 Guarantor: 1. Mr. Bhagwan, H-No-5, Chakkarpur, Near Siddhi Ganesh Mandir, DLF Phase II, Gurgaon, Haryana 2. Ms. Guneeeta, H-No-5, Chakkarpur, Near Siddhi Ganesh Mandir, DLF Phase II, Gurgaon, Haryana 3. Ms Dayawati, H-No-43, Village-Chakarpur, Gurgaon, Haryana 4. Mr Harkesh Yadav, H-No-43, Village-Chakarpur, Gurgaon, Haryana	Item No.1 - All that part and parcel of Leasehold Industrial property built on industrial plots no H-83, H1-103, H1-104 total area measuring 1846 Sq.Mtr at Industrial Area EPIP Neemrana, Tehsil Bahrod, District Alwar, Rajasthan along with item no. 2 i.e., Plant & Machinery, Bounded as under: On the North: - Property No F-78, On the South:- Road, On the East:- Property No. G-123/Road, On the West:- Road Item No.2 - Plant & Machinery Note: Item No.1 & Item No.2 will be sold together to the highest bidder, but Item No.2 can be sold separately.	Physical Possession	Rs. 16,43,16,295.10 as on 17.06.2016 with further interest and costs.	Rs.4,26,56,000/- Rs.42,65,600/- Rs.4,26,560/- Rs.1,55,84,000/- Rs.15,58,400/- Rs.1,55,840/-	30-05-2025 12:00 Noon to 05:00 PM (with unlimited extension of 10 minutes each)	Not known to bank

For registration, login and bidding rules visit PSB Alliance Pvt. Ltd. (<https://baanknet.com>). For detailed terms and conditions of the sale, please refer to the link provided in <https://www.unionbankofindia.co.in/auction-property/view-auction-property.aspx>
EMD shall be deposited and Linked/Mapped with the Property ID before the expiry of auction time prior to placing the bid. It is advisable to deposit and Link / Map the EMD amount with the property ID well in advance to avoid any technical glitch.
For Properties Serial No. 1 Authorized Officer- Ms. Neha Bansal, Chief Manager, Mobile No. 9729146633
For Properties Serial No. 2 Authorized Officer- Ms. Pratibha Jain, Chief Manager, M-9953758707.

Date : 09.05.2025, Place : New Delhi

Authorised Officer, Union Bank of India

FROM PAGE ONE

From slum in Amravati to Nagpur to Delhi: Justice Gavai's road to becoming CJI

A 'connect with people'

Born on November 24, 1960, Justice Gavai is the oldest of three siblings. His father, Ramkrishna Suryabhan Gavai (1929-2015), "Dadasaheb" to his followers and admirers, was the founder of the Ambedkarite outfit, the Republican Party of India (Gavai). A Lok Sabha MP from Amravati, the senior Gavai served as Governor of Bihar, Sikkim, and Kerala between 2006 and 2011, when the Congress-led UPA was in power at the Centre.

Justice Gavai was initiated into the activities of serving the *samaj* in his infancy, as he would lie near his mother as she made *bhakris* (Maharashtrian flatbread) for the hordes of visitors to their house.

With social work keeping the senior Gavai away from home for prolonged periods, he worried his children would get "spoiled like children of politicians". Kamaltai took over and ensured that the young Gavai helped her with chores in the house — from cooking, washing utensils, serving food, and later, farming and drawing water from borewells late at

night. "Maybe because he was the eldest, he was a mature child quite early," she says. "During the 1971 Bangladesh war, even though our economic condition was bad, the soldiers would have meals at our small house in the Frezarpura area and Bhushan would help me in various chores."

It was at the Frezarpura slum in Amravati that Justice Gavai spent much of his childhood, studying in a municipal Marathi-medium school till Class 7, after which he variously spent time in Mumbai, Nagpur and Amravati.

Roopchand Khandelwal, a businessman in Amravati who was Justice Gavai's neighbour in Frezarpura and his classmate in the municipal school, says, "He had a small jhopdi then, which was reconstructed later and sold off by the family. The slum had labourers from various castes and religions. Our school had no benches and we would sit on the floor. Bhushan was helpful, polite... kind to the underprivileged."

After a B.Com degree, Justice Gavai studied law from Amravati University and began his practice in 1985 at the age of 25. After early stints in Mumbai and Amravati,

he moved to Nagpur, where the Bombay High Court has its bench. There, he represented the government as Additional Public Prosecutor (for criminal cases) and later, GP or Government Pleader (appearing in civil suits).

An independent-minded lawyer, Justice Gavai had agreed to be GP on the condition that he would pick his own team. At least two of his picks for Assistant Government Pleaders — Justices Bharati Dangre and Anil S Kilor — went on to become judges of the Bombay High Court.

Talking about how he stood up for his team, Justice Kilor said that when the Chief Secretary once called Justice Gavai asking for one of the AGPs to be sacked, he read the riot act to the bureaucrat. "You are my client, and I expect you to behave like that. Clients give instructions to lawyers and not directions. If you want to remove the ACP, remove me first," Justice Kilor recalled Justice Gavai as saying.

Justice Gavai did not compartmentalise his legal practice to any forum or area of law. Besides appearing before the Supreme Court and High Court, he would fight cases in the district court and for



Kamaltai, mother of Justice B R Gavai, at her home in Amravati.

revenue authorities, including the tehsildar. It is perhaps this varied experience, along with his family background of working with the backward classes, that shaped his judicial worldview.

In 2001, he was offered a judgeship, but the process took over two years. A disheartened Justice Gavai considered withdrawing his consent for judgeship,

but his father is learnt to have advised him against it. In 2003, he was finally elevated as an additional judge of the Bombay HC

and in 2005, became a permanent judge.

In 2015, he sought a transfer from the principal seat in Mumbai to Nagpur to take care of his ailing father, who died in July 2015. His contemporaries in the Amravati and Nagpur Bar talk of Justice Gavai's "connect with people".

Justice Nitin W Sambre, now the most senior judge at the Nagpur bench of the HC, says, "He understands what the difficulties of the common man are. Money was never his priority. Even when

he was a lawyer, 50 to 60% of the work would be on pro bono basis," he says.

Justice Sambre recalls the time Justice Gavai was short of money for a house he wanted to buy. "He then sold his four-wheeler and for a year, he would come to court on a two-wheeler. He is a self-made man," he says.

Many also speak about Justice Gavai's encouragement of junior lawyers.

"He has a knack for making juniors comfortable. As a High Court judge, he wouldn't allow senior advocates to appear during vacation benches (and ensured the juniors got a chance to argue)," says senior advocate Firdos Mirza.

On May 25, 2019, after serving as High Court judge for 16 years, Justice Gavai was elevated to the Supreme Court. While his appointment to the High Court may have been delayed, Justice Gavai has himself acknowledged that his appointment to the Supreme Court was fast-tracked by a couple of years for reasons including the need to ensure diversity on the Bench.

"If not for giving representation to Scheduled Castes, I would

have been elevated maybe two years later," he had said during a discussion hosted by the New York City Bar Association in 2024.

The collegium in its recommendation elevating Justice Gavai to the Supreme Court had said, "His recommendation, in no way, is to be misconstrued to mean that three senior-most judges from Bombay High Court (two of whom are serving as Chief Justices) are less suitable than Justice Gavai. On his appointment, the Supreme Court Bench will have a Judge belonging to the Scheduled Caste category after about a decade."

Apart from the role of affirmative action in his career, Justice Gavai has openly acknowledged his family's political background in court.

In July 2023, while hearing a criminal defamation case against Rahul Gandhi, Justice Gavai had offered to recuse, disclosing his family's affiliation with the Congress. "There is some difficulty on my part... Though (my father) was not a Congress member, he was associated with Congress and very closely... for more than 40 years. He had been a Member of

Parliament. Member of Legislature, with support of the Congress and... And my brother is still in politics and is associated with Congress," he had said.

The government, however, did not seek his recusal. The bench eventually stayed the conviction, paving the way for Gandhi's return to Lok Sabha.

What's on the table for Justice Gavai

Despite his short, six-month stint as CJI, Justice Gavai has task cut out. He takes over amid a credibility crisis for the judiciary, with the prospect of impeachment proceedings against two sitting High Court judges -- Allahabad High Court judge Shekhar Yadav, whose remarks at a VHP gathering were seen as divisive and partisan, and former Delhi High Court judge Yashwant Verma, at whose residence unaccounted cash was found after a fire broke out on March 14.

One of the first few cases he will hear as CJI will be on May 15, when the Supreme Court takes up the crucial hearing challenging the contentious amendments to the Waqf Act.

Lured by live bait, unfazed by humans, tigress kills ranger in Ranthambhore

was killed a few metres from that spot, sources told *The Indian Express*. It was the second death inside Ranthambhore in less than a month which, experts say, was precipitated by a series of "thoughtless interventions and oversights".

Consider this:

- 15 tigers frequenting a space of roughly five sq km around Jogi Mahal, Ranthambhore Fort and Ganesh temple — spots that attract hundreds of tourists and pilgrims daily.

- Nine of these tigers habituated to live bait — six since birth.

- Continuous live baiting — at least once a week — with buffalo calves for nearly two years.

- Multiple instances of "unusual" tiger behaviour overlooked.

- Ad hoc measures, such as using firecrackers, were recommended to deter big cats.

- A proposal to shift a tigress after it attacked a guard and killed a 7-year-old boy last month was

turned down.

It all began at the onset of summer in 2023, when tigress Arrowhead — then a little over eight years old and displaced by her offspring, tigress Riddhi, from prime habitat along the lakes to the adjacent Nalghati area — was spotted with a hip bone deformity. Increasingly handicapped, Arrowhead had its fourth litter of two females and a male soon after. Worried for the cubs, the forest department started providing Arrowhead with live buffalo baits in August 2023.

Around the same time, Riddhi gave birth to a litter of three — two females and a male. It did not take long for these six cubs, Riddhi and T-120, the resident male, to start feeding opportunistically on the live baits laid out for Arrowhead. Meanwhile, a third tigress — T-107 (Sultana) — also had a litter of three cubs soon after Arrowhead and Riddhi. This family used the space on the other side of the Jogi

Mahal gate along with T-105 (Noor) and T-101, the resident male.

By the end of 2024, four tigresses, two tigers and nine grown-up cubs were using the area around the Jogi Mahal gate (see chart).

Of the six young tigers now habituated with baits and stalking people, Arrowhead's three were frequenting the main Ranthambhore road crowded by safari tourists, visitors to the fort and pilgrims to the Ganesh temple. Of them, tigress Kankati turned out to be the most uninhibited. The first attack was recorded on April 13 when a tigress jumped on forest guard Babu under Jogi Mahal. He identified and yelled at Kankati and survived with a scratch as the tigress backed away.

On April 16, the day of Ganesh Chaturthi, the number of pilgrims to the temple swelled, and many travelled on foot. Early afternoon,

TIGERS ARE USED TO BAIT AROUND JOGI MAHAL



Tigress Kankati killed Devendra Singh Choudhury, Rajesh Gurjar

- T107 Tigress Sultana + 3 grown-up cubs (+ 2 infant cubs)

Other tigers in the vicinity

- T105 Tigress Noor
- T101 resident male with Sultana and Noor

Kartik Suman (7) was walking holding his grandmother's hand on the busy road when he was snatched by a tigress in the presence of at least 50 people in the vicinity. It was Kankati again.

On Sunday, sources said,

ranger Choudhury alighted from a forest vehicle near the Jogi Mahal gate and walked a few steps towards Yagnashala, an old structure now under renovation. In the full view of labourers and some safari tourists, a tigress accompa-

nied by a tiger took Choudhury down right on the road.

Speaking to *The Indian Express*, Ranthambhore Field Director K R Anoop confirmed that Kankati has been identified as the tigress involved in both fatal attacks on April 16 and May 11. Asked if the tigress will now be shifted as per the National Tiger Conservation Authority's protocol that calls for removing a big cat after two deliberate attacks on people, Anoop said, "A decision on the potential transfer of the tigress is awaited."

Govind Sagar Bhardwaj, member secretary of the National Tiger Conservation Authority, said he is yet to receive any report on the latest incident from Rajasthan. "The protocol is clear. The chief wildlife warden (CWLW) of the state will have to take a call," he said. When contacted, Rajasthan CWLW Shikha Mehra declined to comment. Sources in the department said the matter "is being decided at the secretary level".

Field Director Anoop declined to confirm or comment on official communication, but sources said the reserve administration had sought to shift the tigress after the April 16 incident to an enclosure. The instruction from the Jaipur headquarters, it is learnt, was to control pilgrim traffic and use firecrackers instead.

On numerous occasions, said local sources, Kankati and her siblings showed aggressive behaviour and ventured fearlessly outside the reserve. Only this Friday, Kankati created a commotion by scaling a boundary wall on the main Ranthambhore road. A few days ago, the sources said, the tigress was "rescued" from a hotel where it ventured without a care.

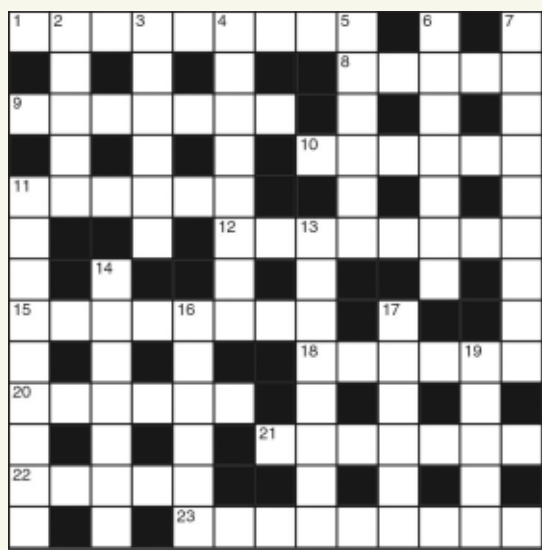
"They followed the vehicle that took the live bait inside the forest and then began to follow random vehicles, thinking they were carrying food. They started frequenting the Jogi Mahal gate area and stalking the room for buf-

falo. They have lost all fear and we don't feel confident on foot any more," said a forest guard.

"By offering medical care, food and creating water facilities, we artificially increased the tiger population and also made them get used to human presence. Arrowhead's grown-up cubs may pose even greater problems in the future, as they are no longer hunters. They are becoming semi-domesticated animals waiting to be fed," said Dharmendra Khandal of TigerWatch, a Ranthambhore-based NGO.

Valmik Thapar, who has followed tigers in Ranthambhore for over five decades, said any tiger that kills a human must be relocated. "It is our job to protect the tiger's future, but not by letting man-killers and man-eaters roam. Some tigers turn into nasty killers and must be jailed just like humans are for killing. That is the only way man and tiger will be able to survive into the future," he said.

CROSSWORD 5674



ACROSS

1 Package returned; give address with added detail (9)

8 Am in a confused state — it's a mental illness (5)

9 As a necessity six have to agree (7)

10 It's played by those out of their class (6)

11 Time may be the main issue (6)

12 Choke — or another carburettor control (8)

15 Goes off in a bad temper? (8)

18 No robe for a king (6)

20 Dolly's involved in marine insurance (6)

21 A beautiful woman describes Eastern ways (7)

22 Steps taken to make sunburn disappear? (5)

23 Denis seen to be wanting (9)

DOWN

2 Knowledge about one flower seen in France (5)

3 Note more money is needed for cook (6)

4 Advanced in a rush but thought better of it (8)

5 It will grow more by development (6)

6 First-class students (7)

7 Stockholder (6,3)

11 Moon produces little change in rough sea (9)

13 Found the answer again, being determined (8)

14 Furnish with a soft tip (7)

16 Strange child is a favourite (4,2)

17 Be inclined to receive support from others? (4,2)

19 Begins with writers on love (5)

Solutions Crossword 5673 Across: 1 Reserve, 4 Emend, 7 Mule, 8 Activity, 10 Air hostess, 12 Caught, 13 Timber, 15 Indecision, 18 Acolytes, 19 Mace, 20 Hindu, 21 Drivers Down: 1 Rumble, 2 Solatium, 3 Excite, 4 Evil spirit, 5 Exit, 6 Daytime, 9 No thank you, 11 Abdicator, 12 Car wash, 14 Defend, 16 Needs, 17 Goon

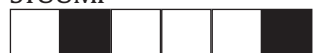
JUMBLED WORDS

Given below are four jumbled words. Solve the jumbles to make proper words and move them to the respective squares below. Select the letters in the shaded squares and jumble them to get the answer for the given clue. A... is a chance for you to do your best. — Duke Ellington (7)

ADEER



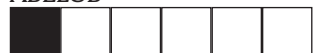
STUUMP



DUWLO



ABELUB

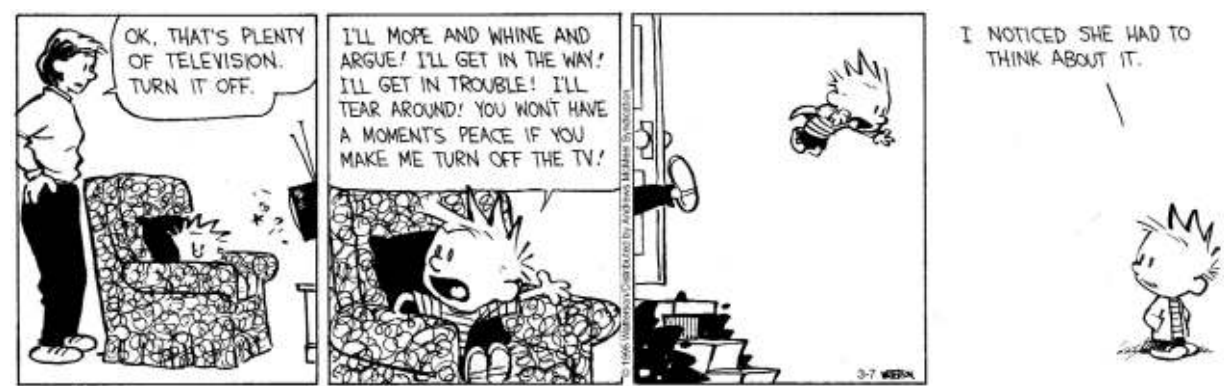


Solutions: JUMBLED WORDS: ADEER, DUWLO, STUUMP, ABELUB. Answer: A problem is a chance for you to do your best. — Duke Ellington

OVER THE HEDGE by Michael Fry & T Lewis



CALVIN & HOBBS by Bill Watterson



MARVIN by Tom Armstrong



SUDOKU 5952

Difficulty Level 1s Instructions To solve a Sudoku puzzle, every digit from 1 to 9 must appear in each of the nine vertical columns, in each of the nine horizontal rows and in each of the nine boxes.

Difficulty Level 1s = Very easy; 2s = Easy; 3s = Medium; 4s = Hard; 5s = Very Hard; 6s = Genius



SOLUTION SUDOKU 5952



DAY TODAY

BY PETER VIDAL

ARIES (Mar 21 - Apr 20)

The fact that the Moon is in a lively mood should be sufficient to persuade you that other people are on your side. In fact, the more personal contacts you build up now, the better. You're intense and passionate.

TAURUS (Apr 21 - May 21)

You'll soon be hitting a more energetic phase — if such a thing were possible — so keep your eye on the long-term picture and go the whole hog when dealing with anything connected with your broader interests and ambitions. Plus a partner who was once so irritable, could be displaying hidden charm.

GEMINI (May 22 - June 21)

There's no doubt that you'll be able to get important projects off the ground, this week. It is up to you, though, to see that all practical arrangements are absolutely crystal-clear and confirmed. Otherwise, other people will pick up the wrong end of the stick — and run with it.

CANCER (June 22 - July 23)

This is certain to be an action-packed week and your determination to bring an uncertain phase to an end should be successful. It's all too easy to be swept away by your feelings, so it is essential to maintain a grip on all practical angles and details.

LEO (July 24 - Aug 23)

Travel plans, new projects and adventures are well started, although Mars' imminent change of position means that you have very little time left to finalise arrangements. Move fast to secure agreements because otherwise they could come badly unstuck.

VIRGO (Aug 24 - Sep 23)

Recent planetary patterns have undoubtedly helped you gain your independence in one area, but may have made you increasingly reliant on partners in another. Such contradictions are inevitable, but there is no reason why you shouldn't turn them to your advantage.

LIBRA (Sep 24 - Oct 23)

You must accept what takes place now as a signal to settle rifts or disagreements with partners and close companions. However, it is less incumbent on you to keep the peace by yourself. Instead, you can encourage partners to play their proper part.

SCORPIO (Oct 24 - Nov 23)

Several planets are now aligned with the early regions of your sign, arousing a spirit of argument and debate. You may be taken aback by somebody's attitude, but that's no reason to let them walk all over you. It's just a matter of finding the middle way.

SAGITTARIUS (Nov 24 - Dec 22)

This is without a doubt one of the most confusing and exacting periods of the year for you and for many people in your social circle. Or is it? Think again. It's in the nature of your current transits that reality is likely to be obscured by layers of misunderstanding.

CAPRICORN (Dec 23 - Jan 20)

Although partners have been bringing a little light into your life, you may have felt that just the opposite was true. Often it has seemed that you have been bowed down by personal responsibilities, but not for much longer.

AQUARIUS (Jan 21 - Feb 19)

Events at work may have made you regret taking others at their word. Yet, within a few days, Mercury will have adopted a position which allows you to put your ideas across with poetic flair. You'll be at your most inspired around the end of next week.

PISCES (Feb 20 - Mar 20)

Recent lunar twists and turns have done a great deal to establish your social confidence. New community responsibilities may beckon for those of you who have tasted collective action and have decided that you like it. You'll get a good feeling from being involved and appreciated.

11 DAYS, ACROSS THE COUNTRY

Tiranga Yatras begin today as PM Modi sets tone for BJP outreach on Operation Sindoor

LIZ MATHEW
NEW DELHI, MAY 12

BY SENDING a clear and categorical message on Operation Sindoor and the road ahead, Prime Minister Narendra Modi's address to the nation Monday night — two days after the ceasefire announcement in the India-Pakistan conflict — has also set the tone for the party's outreach across the nation on the issue.

As part of it, the BJP will hold Tiranga Yatras for 11 days starting Tuesday across the country. Earlier in the day, the party held its first press conference on India's strikes against Pakistan, underlining how these had achieved the desired objective.

A meeting of top BJP leaders held Sunday night at party chief J P Nadda's residence, and including Defence Minister Rajnath Singh and Home Minister Amit Shah, is believed to have decided the party's ap-

proach on the issue. Sources said the brief was to underline the gains made by the armed forces without a note of triumphalism and build on the party's plank of standing for a "strong, secure" nationalism. With the ceasefire holding, PM Modi himself took the lead, party sources said.

"Multiple rounds of discussions were held at the top level to go ahead with outreach programmes. The leadership also took into view the feedback from state units," said a party source. On Sunday, the Ministry of External Affairs separately held detailed briefings for the media.

One issue that came up within the BJP was how to address statements by US President Donald Trump on the ceasefire, and remarks by US Secretary of State Marco Rubio that India and Pakistan had agreed to start talks "on a broad set of issues at a neutral site". This had also drawn a response from the Opposition, which



People watch the live telecast of PM Narendra Modi's address to the nation, in Hubballi, Karnataka, Monday. PTI

asked the government to clarify this suggestion of a "US role".

Modi's message in his speech that any talks with Pakistan would only be on terror and Pakistan Occupied Kashmir was seen as a clear answer to that criticism.

Some BJP leaders said that after the ceasefire announcement, they were waiting for clear-cut details on how to take "political ownership" of the Operation, including explaining the ceasefire

and its aftermath. "In fact, some Opposition leaders were better at articulating our position," said one. However, sources said, the fact that drone attacks continued Saturday evening delayed an official briefing. "We decided to wait for the first night of calm and that came Sunday," said a source.

Speaking to *The Indian Express*, senior BJP leader and former Union minister Ravi Shankar Prasad denied there

was any delay or confusion in communication. "The Armed Forces are briefing on a daily basis — not once, but twice, thrice a day sometimes. The Foreign Secretary is talking. The BJP's stand is the government's stand. It is a government led by the Prime Minister. We are all in sync with that. Our Armed Forces and the MEA have done a great job in articulating India's position with a great degree of finesse and conviction," he said.

At the Sunday meeting, sources said, there was also a suggestion that the official briefings by the Army and the External Affairs Ministry could be more "elaborate". On Monday, DGMOs Air Marshal A K Bharti, Lt Gen Rajiv Ghai and Vice Admiral A N Pramod held a media briefing, where they took questions as well.

At the BJP's first media briefing since Operation Sindoor began, national spokesperson Sambit Patra asserted Monday that PM Modi had fulfilled his

promise of inflicting on terrorists behind the Pahalgam attack "a punishment beyond their imagination" and "razing to the ground their safe havens".

Pakistan "lost nine terror sites, 11 air bases, over 100 terrorists, 50 soldiers and its prestige", with Operation Sindoor meeting 100% of its targets, Patra said.

There was also a "non-military" component, he said, talking about the suspension of the Indus Waters Treaty. It would impact around 90% of Pakistan's agricultural sector, leaving its GDP "fragile", he said.

As part of the Tiranga Yatra, from May 13 to 23, the BJP will hold nation-wide processions where the Tricolour would be carried by participants, including prominent personalities from different strata of life. The campaign would convey "PM Modi's resolve and the determination as well as the valour of the Armed Forces", the party said.

—with inputs by JATIN ANAND



Chhattisgarh ex-CM Bhupesh Baghel in New Delhi. Abhinav Saha

As Cong repeats its call for Parliament Session, differences in Opp INDIA front

Parliament not right forum to discuss national security issues, says Pawar; TMC and SP choose careful silence

ASAD REHMAN
NEW DELHI, MAY 12

AS THE Congress on Monday reiterated its demand to hold a special session of Parliament to discuss the Pahalgam terror attack, Operation Sindoor and the ceasefire announcement, over which it has questioned the government, its INDIA partners may not be on the same page.

While NCP (SP) chief Sharad Pawar said Monday that a Parliament session may not be the right forum to discuss issues of national security, the Samajwadi Party and Trinamool Congress have indicated they are not opposed to such a session but are keeping quiet on it for now.

Speaking to reporters in Mumbai, Pawar said: "I am not against calling a special session of Parliament, but this is a sensitive and serious issue and discussing such a serious issue is difficult in Parliament... It is necessary to keep information confidential for national interest... Instead of calling a special session, it would be better if we all sit together (for an all-party meeting)."

At a press meeting Monday, senior Congress leader and former Chhattisgarh CM Bhupesh Baghel reiterated the party's demand for a special session, adding that the country was feeling "cheated, humiliated and ashamed" by the way US President Donald Trump was the first to make the ceasefire announcement in the India-Pakistan conflict.

Baghel said Congress president Mallikarjun Kharge has decided they would boycott any all-party meeting if Prime Minister Narendra Modi doesn't attend it. Modi has kept away from the two all-party meetings held since the Pahalgam terror attack.

On the ruling BJP calling Operation Sindoor a "success", Baghel said: "If this is so, then why is a special session of Parliament not being called? Questions can be asked and answers can be given. The whole world can hear it."

Speaking in Kalaburgi, Kharge reiterated his demand for a special session of Parliament and criticised Pakistan actions, but in a slight departure from the party's stand questioning the timing of the

ceasefire, said: "I just have one thing to say. In the country and the world, there is a need for 'Buddha' and not 'Yuddha' (war)." (Monday was Buddha Purnima.)

On Sunday, Kharge along with Rahul Gandhi — who are Leaders of the Opposition of the Rajya Sabha and Lok Sabha, respectively — wrote to PM Modi seeking a Parliament session.

While RJD and CPI were the first to call for a session, on April 28, in the wake of the Pahalgam attack, Congress seconded the same almost immediately, sending off a letter to Modi then too. Sources then told *The Indian Express* that Congress tried to organise a joint letter on behalf of the Opposition, but it didn't materialise.

Another INDIA bloc party, the CPI (M), also wrote to the PM Monday demanding a special session.

Sources in SP and TMC, two of the Congress's most influential allies in terms of numbers in Lok Sabha, said the parties have decided to "wait and watch". With elections in their respective states not far away (UP 2027, West Bengal, 2026), the two parties want to tread carefully on the sensitive issue and not be seen simply following the Congress.

A TMC MP told *The Indian Express*: "In principle, we don't have an issue with a special session, but we are conscious of the elections in Bengal next year. We will be in direct contest with the BJP — and the Congress will be fighting separately."

An SP MP gave a similar explanation: "We are up against the BJP in UP, and the Congress is our ally. But you know how complicated seat-sharing is. So the entire SP leadership has been told to stay away from conversations on the Pakistan situation, and focus on building the party organisation."

An SP leader in Lucknow said the Congress had not reached out to them before raising the demand for a special session. "We had supported the demand when it was first made last month. But this time, the Congress didn't approach us, and we have also not said anything because it is better that way. We know that national security is a touchy subject... and there is not much of a resonance in a state like ours."

Trump refers to trade with India and Pakistan, officials say didn't figure in talks

SHUBHAJIT ROY
NEW DELHI, MAY 12

HOURS AFTER US President Donald Trump on Monday reiterated his claim that his administration stopped a "nuclear conflict" between India and Pakistan and claimed that he told India and Pakistan that America will do a "lot of trade" with them if they end hostilities, India rebutted the claim and fact-checked him.

"And we helped a lot, and we helped also with trade. I said, 'Come on, we're going to do a lot of trade with you guys. Let's stop it. Let's stop it. If you stop it, we're doing trade. If you don't stop it, we're not going to do any trade'."

"People have never really used trade the way I used it, that I can tell you. And all of a sudden they (India and Pakistan) said, 'I think we're going to stop.' "And they have, and they did it for a lot of reasons, but trade is a big one. We're going to do a lot of trade with Pakistan. We're going to do a lot of trade with India. We're negotiating with India right now. We're going to be soon negotiating with Pakistan, and we stopped a nuclear conflict," Trump said.

Rebutting the claim, sources in the Indian government categorically said, "After Operation Sindoor commenced, US Vice President JD Vance spoke to PM Narendra Modi on May 9. Secretary of State Marco Rubio spoke to External Affairs Minister S Jaishankar on May 8 and 10, and to NSA Ajit Doval on May 10. There was no reference to trade in any of these discussions."

This is similar to how Trump had claimed in July 2019 that PM Modi had asked him to mediate



US President Donald Trump on Monday. Reuters

on Jammu and Kashmir. India had rebutted that claim, saying no such request was made by PM Modi. Trump later walked back on the mediation claim and said that the US was ready to mediate if both India and Pakistan want it. Speaking at a press conference in the White House on Monday, Trump said, "On Saturday, my administration helped broker a full and immediate ceasefire, I think, a permanent one between India and Pakistan, ending a dangerous conflict of two nations with lots of nuclear weapons."

He started the briefing by describing "the historic events that took place over the last few days" in the Indian subcontinent. Trump said India and Pakistan "were going at it hot and heavy, and it was seemingly not going to stop." "I'm very proud to let you know that the leadership of India and Pakistan was unwavering, powerful, but unwavering in both cases, having these they really were from the standpoint of having the strength and the wisdom and fortitude to fully know and to understand the gravity of the situation," Trump said.

(WITH PTI INPUTS FROM WASHINGTON/NEW YORK)

‘Over 75 yrs, we have suffered terror from Pak. Op Sindoor message clear: No More’

‘PM showed friendly indulgence to Pak... But what has India got? Pulwama, Uri’

HOURS BEFORE Prime Minister Narendra Modi's first address to the nation on Operation Sindoor, senior BJP leader and former Union Minister of Law and Justice RAVI SHANKAR PRASAD spoke to LIZ MATHEW on the developments since May 7, when Indian Armed Forces destroyed nine terror sites in Pakistan and PoK in response to the April 22 Pahalgam terror attack on tourists.

He underlined the Centre's approach on terrorism going forward and the message India wants to send out to the world amidst this situation.

Excerpts:

What was the message of Operation Sindoor?

We are proud of the Armed Forces and the country is proud of the decisive leadership of Prime Minister Narendra Modi. In the fight against terrorism, India can take decisive action. Such precision attacks on terrorist strongholds are extraordinary.

When Modiji took oath in 2014, he also called Nawaz Sharif (the then Prime Minister of Pakistan) for the ceremony. When he (the PM) went to inaugurate the Parliament building in Kabul, Nawaz Sharif insisted that he attend the marriage of his grandson. He went there (to the wedding). That is the friendly indulgence he (Modi) showed.

But what has India got from Pakistan? We got Pulwama and Uri (attacks). We took the appropriate call that we would be tough on terrorism and not engage with them. In spite of the decisive military actions (on Pakistan's side), Pahalgam has happened. Pahalgam needed an appropriate and ferocious reply

to showcase India's might... India crushed terrorist centres like Bahawalpur and others, as well as leading Air Force assets like Sargodha, Nur Khan. Indian strikes reached into the heart of Pakistan with deadly accuracy.

We also see how Indian defence capabilities have strengthened under PM Modi. From Leh-Ladakh to Bhuj, our defence system thwarted any attempts. That is very important. It makes us proud. Terrorists have been killed... The country is now reassured.

Operation Sindoor was the appropriate name and it touched the sentiments of Indians. *Tum ne desh ki betiyon ka sindoor ponchha*, Operation Sindoor se tumhein hum khatam karenge (You wiped off the sindoor of India's daughters. We will finish you through Operation Sindoor). The face of that (operation) became two women officers (referring to Colonel Sofiya Qureshi and Wing Commander Vyomika Singh, who held media briefings on the Operation).

Several Indian cities saw a wave of drone attacks from Pakistan and the sense of safety took a hit...

We are protected and our cities are absolutely safe. We have seen our power in Punjab, Rajasthan, Gujarat, and Jammu and Kashmir. Could they (Pakistan) do anything? There is towering evidence of our grit. The extraordinary efforts of PM Modi in the indigenous production of weapons and reinforcing the needs of the Armed Forces have shown these results. Akash, BrahMos and Rafale are the resurgent symbols of our Armed Forces now.



As the ruling party, what message does the BJP send to Pakistan and to the world?

India will not compromise on its security. The life of every individual in India is as precious as the life of Americans and Europeans. Terrorism is a curse for humanity. The world needs to come together in the fight against terrorism. That is the message.

US President Donald Trump announced the ceasefire between India and Pakistan first. This has prompted criticism about third-party intervention...

That is a diplomatic issue and it is being handled by the government at the highest level. To reiterate, India's position is very clear that bilateral issues need to be resolved bilaterally. We are open to suggestions from anyone. Having said that, if bilateral issues are misused by promot-

Operation Sindoor & ‘new normal’: A tragedy seared nation, response united it



THE NEERJA CHOWDHURY COLUMN
Weekly insight into what's changing in national politics — and why

NOW THAT a ceasefire with Pakistan is in place, it is time to take stock of what worked for the government and where it may need to step up its efforts.

What worked was the evocatively named Operation Sindoor that captured both the national sentiment after the April 22 Pahalgam killings, as well as what the government intended its response to be. Unlike previous terrorist strikes in the recent past — on paramilitary forces and soldiers in Pulwama (2019) and Uri (2016), and Mumbai, the financial centre (2008) — the at-

tack on tourists visiting the meadow of Baisaran in Pahalgam in south Kashmir, at one level, was an act aimed at women.

The terrorists made it a point to kill only men after ascertaining their religion. They shot them point blank in front of women and children, forever wiping their "sindoor", the vermilion powder many Hindu women apply in their hair parting and which, for many, is more than a visual marker of their marital status. The sindoor is accepted all over India as the foundation of family life and holds deep cultural resonance. In Bihar, at the time of the Chhath Pooja, the sindoor is even longer, and the red line comes right down to the woman's nose, for the husband's long life. In West Bengal, too, the sindoor has an importance of its own. Even in the South, where turmeric is more the symbol of

marriage, Tamil women apply a dot of vermilion on their foreheads.

There are, of course, women who view the "sindoor" as a symbol of patriarchy, but that is not how a large number of women see it. After the Pahalgam attack, the nation saw the image of a newlywed woman, Himanshi Narwal, sitting stoically beside the inert body of her husband, Navy Lt Vinay Narwal. It was an image that got seared into the nation's memory, striking a deep emotional chord. The brutality and the paths of the killings would have touched every family in the country, as the women in the families of the 25 slain tourists were deliberately spared.

The sindoor found a mention in Prime Minister Narendra Modi's address to the nation on Monday night, when he said that "every terrorist, every terror or-

ganisation knows the consequence of wiping out the sindoor of our sisters and daughters".

Following the attack, Opposition parties closed ranks with the government, Kashmiris stood in solidarity with the rest of the country, and the communal polarisation the attackers would have hoped for did not materialise. As Operation Sindoor was initiated, the military, in a move of powerful symbolism, fielded two woman officers to brief the media: Colonel Sofiya Qureshi and Wing Commander Vyomika Singh. This signalled the country's multi-faith, pluralist credentials, contrary to what Pakistan Army chief General Asim Munir spoke about in his April 16 speech: that it was not possible for Hindus and Muslims to co-exist.

"I wept when I saw those two women military officers address the nation together on

Operation Sindoor," a woman from Chennai told me. To many around the country, the officers represented India's strength and India's "answer" to the Pahalgam killings.

Though it is early days to talk about this, by doing what he talked about and striking deep into Pakistan territory — among them, Bahawalpur, Muridke, and Rawalpindi — and by avenging the women who lost their husbands and sons in Pahalgam, the PM may well have ensured the support of a large constituency of women for his future political battles.

The Trump test

Like the line of "sindoor", the government has also drawn a new red line militarily, sending out the message that Pakistan would have a price to pay for terror attacks in the future and that the government would see them

as an "act of war". This is what ordinary Indians wanted — that an appropriate message be sent to Pakistan. Talk to ordinary people, and they do not want a prolonged war that would only lead to loss of lives and bring hardship on all.

Apart from the successes of the armed forces, what really worked for India was its soft power: the supportive Kashmiri voices, the resilience of women, and Hindu-Muslim unity. And now politicians will have to resist playing that card for political ends and desist from equating Pakistan with Indian Muslims.

This is not to say that Operation Sindoor has not thrown up challenges for the government. It has to now contend with its supporters, particularly those on social media, who feel let down by the pause in military action when they thought Pakistan would be brought to its knees. The PM appeared to ad-

dress these sections as he did not bring up the word ceasefire. He emphasised that the military had only suspended its "retaliatory action against Pakistan's terror and military camps".

Then there is US President Donald Trump who has claimed that his administration brokered the ceasefire and would be willing to help the neighbouring countries resolve the Kashmir dispute. The government will now have to navigate a tricky terrain and maintain its ties with the Trump administration while countering the charge on the domestic political front that it has allowed third-party mediation on Kashmir and brought it back on the table, allowing India and Pakistan to be hyphenated once again.

However, Modi, in his speech, pushed back on this, saying in no uncertain terms that terrorism would continue to be at the cen-

tre of the government's agenda. He was emphatic that the "new normal" means that "terror and talks cannot go together, terror and trade cannot go together, water and blood cannot flow together". The PM said talks with Pakistan from now on would only be on terrorism and Pakistan-occupied Kashmir.

Most importantly, the government will have to imaginatively re-engage with its neighbourhood, while also moving to acquire a clear and definite lead over Pakistan's military capability, backed as the neighbouring country is by China's support and the latest generation of fighter planes and missiles.

(Neerja Chowdhury, Contributing Editor, *The Indian Express*, has covered the last 11 Lok Sabha elections. She is the author of 'How Prime Ministers Decide')



The IndianEXPRESS

FOUNDED BY
RAMNATH GOENKA

BECAUSE THE TRUTH INVOLVES US ALL

A WELCOME PAUSE

US, China manage to undo escalation since April 2. But trade is still precariously balanced, with costs to consumers, producers

THE UNITED STATES and the People's Republic of China have announced a pause in the ongoing trade war between the two countries. The announcement came after two days of high-level negotiations in Geneva. The two economies have been locked in a tariff war since February 1, when US President Donald Trump imposed a 10 per cent tariff on China, as well as 25 per cent each on Mexico and Canada, citing the sale of fentanyl in the US. Reportedly, in the US, in 2021, deaths due to overdose of opioids surpassed 1,00,000, with 67 per cent of those deaths involving fentanyl. But Trump wanted to slap tariffs for other reasons as well, such as the US's large trade deficit vis-à-vis the rest of the world and the loss of manufacturing industry inside the US. For its part, China started retaliating with counter-tariffs of its own. This process escalated quickly after Trump's announcement of reciprocal tariffs on April 2. By April 10, the situation had worsened to a point where the US had imposed 145 per cent tariffs on China and China had retaliated with 125 per cent tariffs on the US.

Effectively, these tariffs meant a trade embargo with terrible economic consequences not just for the two countries involved but also for global supply chains. Both the US and China were staring at a deep economic slowdown, leading to widespread job losses and erosion in business confidence. The US, in particular, was already on its way, according to many experts and investors, to a recession. The US GDP contracted by 0.3 per cent in the first quarter of 2025, without even the worst effects of high tariffs coming into play. For China, too, the costs of a stand-off were prohibitive given its economy's over-reliance on exports. The pause announced on Monday pulls the two economies back from that brink. There was evidence that negotiators on both sides realised the high global economic costs of a trade war between the two with the joint statement starting with the following words: "Recognising the importance of their bilateral economic and trade relationship to both countries and the global economy..."

While this is a welcome pause, it is important to note that this is not yet a trade deal. What the US and China have managed over the weekend is to undo the escalation that happened since April 2. Both countries cut their respective tariffs by 115 per cent. That means now both countries have 10 per cent tariffs on imports from each other; the US has an additional 20 per cent, which was connected to the fentanyl issue and predated the "Liberation Day" tariffs on April 2. This means US consumers will continue to face a steep 30 per cent tariff while the two countries negotiate an actual deal. Clearly, a lot of economic damage has been avoided, but this situation is still precariously balanced with significant costs to consumers and producers on a daily basis.

BEFORE & AFTER KOHLI

He leaves not a hole or a crack at the heart of Indian batting, but an emptiness that will be difficult to fill

W HETHER VIRAT KOHLI — who has just bid goodbye from the Test stage as one of its greatest — was batting, setting the field, instructing bowlers, casually talking, guffawing or prowling the far-flung outposts of the ground, he bristled with an unstoppable enthusiasm. As though an invisible field of energy was fuelling and guiding him, drawing in the audience, their eyes, heads and hearts. India rode the crest of the Virat wave to notch several famous wins, at home and abroad, for 14 years. As much as his batting — the refined splendour of strokes, the fusion of classicism with modernity that would be a thesis for ambitious young batsmen — India will miss the unwavering and infectious energy that defined him.

So will world cricket. Virat burst forth at a time when Test cricket suffered existential pangs, when gifted cricketers were forsaking long-form rigours for the lucre and instant gratification of the shorter versions, when even the finest were picking and choosing their preferred formats. But Virat showed that they could be successful across formats, if they had the will and wisdom. He walked the talk by scaling the tops of batting charts in every format. He was passionate about Test cricket, spoke openly about its primacy over other formats, endorsed it in interviews and press conferences, took every opportunity to implore the next generation to focus on the longer game, and most importantly, cared about it. As powerful a cricketer as he is, his voice was taken seriously in the game's decision-making corridors. World cricket, thus, has lost one of its most vociferous advocates and ardent champions. He made crowds flock to watch Test matches and he kept the TRPs soaring much to the broadcasters' relief, as though preserving Test cricket was as big a mission as scoring hundreds and winning games.

He leaves not a hole or a crack at the heart of Indian batting, but an emptiness that will be difficult to fill. There is no heir-apparent, and even if there was one, he would have been crushed under the immaculate burden of being the successor to Kohli. In a way, it's a tribute to Kohli's greatness that he did not make the country miss Sachin Tendulkar for years. He was not quite Tendulkar, but he was the closest India had to him. Now India waits for someone who could be the closest they can to Kohli. Someone eventually will rise in this cricket-mad land, but to recreate the unblinking energy of Kohli could be a near impossible act.

OLD TIMES' SAKE

A research prize hopes to reimagine ageing. It could mean moving beyond fantasies of eternal youth

IN an age obsessed with aesthetic perfection, it is refreshing — and vital — to see a longevity initiative grounded in substance rather than superficiality. The ambitious \$101 million XPrize Healthspan, which will announce its semi-finalists this week, seeks to extend not merely the years of life but the quality of those years. Its aim is to rejuvenate the body's most vital systems — muscles, cognition, and immunity — by at least a decade for those aged between 50 and 80 years. Crucially, the winning solution must be accessible, scalable within a year, and affordable — a powerful antidote to the exclusivity that often shadows biomedical innovation.

That the vision of equitable longevity has moved beyond age-reversal fantasies is a welcome shift. Ageing has far too often been cast as a pathology to be hidden, delayed, or denied, a decline to be concealed behind the mask of youth. Longevity is framed through a superficial lens — wrinkle creams, biohacking fads, and fat-loss drugs — but beyond this fixation on appearance, ageing has a deeper import. A meaningful extension of life must necessarily centre on capability — mental clarity, mobility and resilience to disease. These are the pillars that sustain autonomy and self-worth in old age, without which additional years risk becoming a slow erosion of the self, an undignified hollowing out of all that makes a person whole.

As the global population ages, such innovations could radically reshape healthcare systems and reduce the burden on caregivers. According to the India Ageing Report 2023, for instance, the elderly population in the country is projected to surge to 347 million by 2050, accounting for 20.8 per cent of the population. By 2046, the number of elderly is expected to surpass the number of children under 15 years of age. This demographic shift will bring with it significant socio-economic challenges. But there is also now a glimmer of an opportunity in it: To reimagine old age not as a slow fading but as a phase of dignity and continued purpose.



SUMIT GANGULY

THERE IS, AT least in principle, a ceasefire in place between India and Pakistan. Whether it holds or not and for how long, remain open questions. President Donald Trump has claimed that the United States played a critical role in brokering the ceasefire and that Vice-President J D Vance and Secretary of State, Marco Rubio, had spoken at length with their Indian interlocutors, thereby helping to bring about the ceasefire.

Despite Rubio's call for an India-Pakistan meeting at a neutral venue to start "constructive talks" that the United States was willing to facilitate, it is certain that India will not agree to any such arrangement where the US acts as mediator. This proposal, bluntly stated, is dead on arrival and reflects the lack of any appreciation on the part of the Trump administration about India's unyielding stance on the matter.

The reasons for India's unwillingness to accept any external intercession are complex. It stems from India's experience with both multilateral and third-party interventions to resolve the Kashmir dispute. Most Indians who pay the slightest heed to international affairs and more specifically the Kashmir dispute, are aware of the partisan role that the US played at the United Nations Security Council (UNSC) in the wake of the first Kashmir war (1947-48). The United Kingdom had seized the opportunity to inveigle the US into adopting a pro-Pakistan stance at the UNSC. The Harry Truman administration, which was neither especially interested nor particularly well-informed of post-Partition politics of the Subcontinent, had allowed the former colonial power to shape the terms of the debate at the UNSC.

India, which had somewhat naively agreed to refer the dispute to the United Nations on the advice of Lord Louis Mountbatten, the last viceroy, quickly discovered that its legalistic arguments about a breach of international peace and security carried little weight. All Indian diplomacy could do was to stall the process un-

Delhi's unwillingness to accept any external mediation stems from history, experience

Despite Rubio's call for an India-Pakistan meeting at a neutral venue to start 'constructive talks' that the United States was willing to facilitate, it is certain that India will not agree to any such arrangement where the US acts as mediator. This proposal, bluntly stated, is dead on arrival and reflects the lack of any appreciation on the part of the Trump administration about India's unyielding stance on the matter.



SRIRAM VEERA

EVEN AS THE absence of Virat Kohli, the batsman, will be rued in the immediacy of his retirement, what he did as a captain for Test cricket in India shouldn't be ignored. When M S Dhoni retired from Test cricket in 2014, the sudden manner of his announcement, perhaps, had led to myth-making — of how he selflessly walked away from it. However, in the 2011-12 tour of Australia that had followed a listless tour of England, the rot and the drift had set in.

Things were afoot to replace Dhoni at the end of the Australia tour, and in the words of a selector, "appoint someone who cares for Test cricket more". But the proposal of the selectors was vetoed by the Board. At a press conference during the series, when he was asked why he was continuing as a Test captain, Dhoni had replied, "because it's a responsibility". When he finally left the job, it was clear that a man who saw Test cricket as a passion project and not just a responsibility was needed. It was then that Kohli stepped up.

Last week, Bhuvneshwar Kumar brought up Kohli's captaincy years in an RCB podcast. "I will give all credit to Virat Kohli for Team India's transformation in Test cricket and the fast-bowling revolution. He brought in that mindset of winning everywhere — not just going with the flow. That mindset of Virat was very special."

Kohli's fierce ambition percolated in everything he did: Batting, fitness, fielding, captaincy, vision for the Test team, and inten-

THE KOHLI CODE

Virat Kohli's Test captaincy legacy is one of passion, vision, and a will to win

sity on the field. Under his captaincy, with Ravi Shastri as coach, the team rode on its pacers to climb from No. 7 to No. 1. In the latter half of his captaincy, there weren't many decisions on the field that one could question.

His off-the-field manoeuvres, though, were what made him and unmade him in the eyes of others. At one point during his tenure, it seemed he was using insecurity as a performance-enhancing drug. Shastri didn't deny it but he saw it as Kohli setting high standards and having to take tough decisions to follow his dream.

What were the criticisms of his captaincy when he quit the role in 2021? A lack of empathy with a few players that seemed to make sense to him in his hard-boiled wonderland — if Cheteshwar Pujara could score quicker, if Ajinkya Rahane could be more consistent, and if R Ashwin can remain injury-free for a full overseas series and deliver as a lower-order batsman everywhere. One can accuse him of lacking emotional quotient, but the cricketing logic wasn't too off.

Rohit Sharma's best years in Test cricket came after he was made the opener by Kohli and Shastri. In 2018, Shastri had told this newspaper that K L Rahul was the batsman that Kohli wanted to partner with Sharma. Not just Ravindra Jadeja, Kohli backed Rishabh Pant too after Dinesh Karthik's horror run in the 2018 series in England.

There is not much to be said about his backing and passion for a five-bowler at-

terlocutors will allow third-party intervention, let alone agree to return to the UN with a view towards solving the issue.

The current ceasefire is fragile. Islamabad, which is using its proxy forces, has inflicted a blow on India. It has punctured the conceit that normalcy had arrived in Kashmir. Furthermore, portraying itself as the victim of Indian aggression, it has apparently convinced the Trump administration that external intercession is necessary to ensure that a conflict spiral that might culminate in a nuclear exchange does not ensue.

The ceasefire simply provides Islamabad a respite. The country is now in hock to the People's Republic of China, in large part owing to its embrace of the China-Pakistan Economic Corridor (CPEC). Worse still, through years of economic mismanagement and profligate defence spending, it has now again turned to the International Monetary Fund for another structural adjustment loan. Consequently, it could not indefinitely continue a violent conflict with New Delhi which has the capacity and the will to take on a protracted war.

Yet, the anaemic government of Pakistani Prime Minister Shehbaz Sharif, like so many of its civilian predecessors, exists at the sufferance of the all-powerful military establishment. More to the point, the current chief of army staff, General Asim Munir, is known for his visceral hostility toward India. Consequently, if he, or anyone of his disposition, is in office, the intransigence toward India will certainly not dissipate.

The ceasefire, obviously, is a welcome development. However, it is hardly a significant step toward the resolution of the conflict that has dogged both states since their inception in 1947.

The writer is a Senior Fellow and directs the Huntington Programme on US-India Relations at the Hoover Institution, Stanford University



MAY 13, 1985, FORTY YEARS AGO

AHMEDABAD VIOLENCE

THE ARMY, WHICH took charge of the walled city, was given additional control of the labour areas of Gontipur, Bapunagar and Saraspur where large scale violence broke out in the morning and continued unabated throughout the day. With seven bodies brought to the civil hospital from Gontipur, the death toll rose to 19. Twelve persons were killed — six in police firing and six in stabbing — till 5 pm as large-scale arson and stabbing incidents erupted.

BHOPAL WATER UNSAFE

WATER IN BHOPAL is not safe. A very high level of thiocyanates — a form in which

cyanide exists in the human body — has been found in the sub-soil, lake and filtered water of Bhopal more than 100 days after methyl isocyanate leaked from the Union Carbide pesticide plant killing over 2000 people last December. This is the finding of the medical survey of Bhopal gas victims conducted by some doctors of the KEM Hospital, Bombay.

AKALI LEADERSHIP

DRAMATIC AND SWIFT developments are taking place in the Akali Dal headquarters since the resignation of Harchand Singh Longowal from the presidency of the Akali Dal was announced. Gurdev Singh Tahvandi, secretary, Akali Dal, informed ENS that a

meeting of district *jathedars* of Akali units, to whom Longowal had tendered his resignation, had been summoned on May 22 at the Akali Dal headquarters.

BLAST ARRESTS

IN A MAJOR breakthrough in uncovering the terrorist network, the Delhi Police arrested a leading lawyer of the Capital, Kartar Singh Narang, 54, for suspected involvement in the bomb blasts in the city. At least one 9 mm pistol and a large amount of ammunition, including bombs similar to those used in the blasts, were seized from Narang's house. Two suspected terrorists from Punjab were also arrested at Narang's house, the sources added.

Path of peace, path of strength

This is certainly not the era of war but this is also not the era of terrorism.
Zero tolerance against terrorism is the guarantee for a better world



NARENDRA MODI

My dear countrymen, Namaskar!

IN THE PAST few days, we have witnessed both the strength and patience of our country. First of all, on behalf of the people of India, I salute the valiant forces of India, the armed forces, our intelligence agencies, and our scientists. Our brave soldiers displayed immense courage to achieve the objectives of Operation Sindoor. I pay tribute to their bravery, courage and valour. I dedicate this valour to every mother, every sister and every daughter of the country.

Friends, the barbarity displayed by terrorists in Pahalgam on April 22 shocked the entire country and the world. The merciless killing of innocent citizens in front of their families and their children on the basis of their religion was a very gruesome face of terror and cruelty. This was also a heinous attempt to break the harmony and unity of the country. For me, personally, this was extremely painful. After this terrorist attack, the entire nation, every citizen, every community, every class, every political party, unitedly spoke in one voice for strong action against terrorism. We gave a free hand to Indian forces to wipe out the terrorists. And today, every terrorist, every terror organisation knows the consequence of wiping out the *sindoor* of our sisters and daughters.

Friends, Operation Sindoor is not just a name but it's a reflection of the feelings of millions of people of the country. Operation Sindoor is our unwavering commitment to justice. Late night on May 6 and in the early morning of May 7, the whole world saw this pledge turn into reality. Indian forces attacked terror hide-outs in Pakistan and their training centres with precision. The terrorists had never imagined that India could take such a big decision. But when the country is united, endowed with the spirit of Nation First and national interest is paramount, then strong decisions are taken and results are achieved.

When India's missiles and drones attacked terrorist bases in Pakistan, not only the buildings of terrorist organisations but also their courage was shaken badly. Terrorist bases, like Bahawalpur and Muridke, are universities of global terrorism. The big terrorist attacks in the world, be it 9/11, the London Tube bombings, or attacks which have happened in India in the last many decades, their roots are somehow connected to these terrorist hideouts. The terrorists had wiped out the *sindoor* of our sisters and India responded by destroying their headquarters. More than 100 dreaded terrorists have been killed in these attacks by India. Many terrorist leaders were roaming freely in Pakistan for the last two-and-a-half to three decades, who conspired against India. India killed them in one stroke.

Friends, Pakistan was deeply disappointed and frustrated by this action by India. It was bewildered and in this bewilderment, it committed another cowardly act. Instead of supporting India's strike against terrorism, Pakistan started attacking India. Pakistan targeted our schools, colleges, gurdwaras, temples and houses of



C R Sasikumar

civilians. Pakistan targeted our military bases. But in this act, Pakistan was itself exposed.

The world saw how Pakistan's drones and missiles fell like straws. India's strong air defence system destroyed them in the sky itself. Pakistan had prepared for an attack on the border, but India struck at the heart of Pakistan. India's drones and missiles attacked with precision. They damaged those airbases of the Pakistani Air Force of which Pakistan was very proud. India caused heavy damage to Pakistan in the first three days itself, on a scale it had never imagined. That's why after India's aggressive action, Pakistan started looking for ways to escape. Pakistan was pleading with the world to ease tensions. And after suffering heavy losses, Pakistan's army contacted our DGMO on the afternoon of May 10.

By then, we had destroyed the infrastructure of terrorism on a large scale. Many terrorists were eliminated. We had destroyed the terror camps established in the heart of Pakistan. Therefore, when Pakistan appealed and said that it would not indulge in any sort of terror activities or further military audacity, India considered it. And I am repeating again, we have just suspended our retaliatory action against Pakistan's terror and military camps. In the coming days, we will measure every step by Pakistan on the criterion of the attitude it adopts going ahead.

Friends, India's three forces, our Air Force, our Army and Navy, our Border Security Force (BSF), paramilitary forces, are constantly on alert. After the surgical strike and air strike, now Operation Sindoor is India's policy against terrorism. Operation Sindoor has carved out a new benchmark in our fight against terror and has set up a new parameter and new normal.

First, if there is a terrorist attack on India, a fitting reply will be given. We will give a befitting response on our terms. We will take strict action at every place, going to the roots of terrorism. Second, India will not tolerate any nuclear blackmail. India will strike precisely and decisively at the terrorist hideouts developing under the cover of nuclear blackmail. Third, we will not differentiate between the government sponsoring terrorism and the masterminds of terrorism. During Operation Sindoor, the world has again seen the ugly face of Pakistan, when top Pakistani army officers turned up to bid farewell to the slain terrorists. This is

FOR THE RECORD

After this terrorist attack, the entire nation, every citizen, every community, every class, every political party, unitedly spoke in one voice for strong action against terrorism. We gave a free hand to Indian forces to wipe out the terrorists. And today, every terrorist, every terror organisation knows the consequence of wiping out the *sindoor* of our sisters and daughters.

strong evidence of state-sponsored terrorism. We will continue to take decisive steps to protect India and our citizens from any threat.

Friends, we have defeated Pakistan every time on the battlefield. And this time, Operation Sindoor has added a new dimension. We have displayed our capabilities in the deserts and mountains and also proved our superiority in new-age warfare. During this operation, the quality of our Made in India weapons was also demonstrated. Today, the world is witnessing that in 21st-century warfare, the time has come for Made in India defence equipment.

Friends, our greatest strength is our unity against all forms of terrorism. This is certainly not the era of war but this is also not the era of terrorism. Zero tolerance against terrorism is the guarantee for a better world.

Friends, the way the Pakistan army and Pakistan government are encouraging terrorism, it will destroy Pakistan one day. If Pakistan wants to survive, it will have to destroy its terror infrastructure. There is no other way to peace. India's stand is very clear: Terror and talks cannot go together. Terror and trade cannot go together. Water and blood cannot flow together.

Today, I would also like to tell the global community that our stated policy is: If there are talks with Pakistan, it will be only on terrorism. And if there are talks with Pakistan, it will be only on Pakistan-occupied Kashmir (PoK).

Dear countrymen, today is Buddha Purnima. Lord Buddha has shown us the path of peace. The path of peace also goes through power. Humanity should move towards peace and prosperity. Every Indian should be able to live in peace, and fulfil the dream of *Viksit Bharat*. For this, it is necessary for India to be powerful. And it is also necessary to use this power when required. In the last few days, India has done just that.

Once again, I salute the Indian armed forces. I bow to the courage of every Indian, to the oath and resolve of unity of the people of India.

Thank you.
Bharat Mata ki Jai! Bharat Mata ki Jai! Bharat Mata ki Jai!

This is the English translation of the Prime Minister's address to the nation on May 12

WHAT THE OTHERS SAY

"It is more than likely that the ban may drive many Awami League members to questionable activities, as we have seen previously with associates of some banned political parties."
— THE DAILY STAR, BANGLADESH

Colonel Sofiya Qureshi

Now that there is a pause in the firing, it need not be, it should not be, the image's end



VANDITA MISHRA

THE DAY AFTER the India-Pakistan ceasefire, a stock-taking of the messages India sent out in the stormy days since Operation Sindoor could miss the possible after-life of one powerful image: Colonel Sofiya Qureshi of the Army, at the joint press briefing of the Ministry of External Affairs and Ministry of Defence. She speaking in Hindi, her Air Force counterpart, Wing Commander Vyomika Singh, in English, and the picture completed by the Foreign Secretary, Vikram Misri.

The framing of that image has not gone unnoticed. It was a message, it has been said, to the terrorist, to Pakistan's General, and to the international community, when an external enemy had to be fought and there was a need to project unity. In the terror strike in Pahalgam, the victims were men, husbands and fathers killed before their wives and children after being selected for their faith.

The attack came only days after General Asim Munir's particularly nasty recycling of the two-nation theory. Against this backdrop, the name Operation Sindoor, and the decision to seat Colonel Qureshi on that podium, were carefully arrived at, and evocative. They sought to invoke the Indian woman's undaunted spirit. And to announce to the world that the design of the terrorists and their handlers to stoke communal faultlines in India would not be allowed to succeed.

That two-toned message dominated the frame. Sure, there were predictable distractions — and worse. War-like postures were struck in social media and by arm-chair troopers in TV studios, including and especially in government-controlled Doordarshan. There were crude attempts by the BJP to score low blows off the Opposition, which mostly stayed with a sober and supportive script — the demand, now, for a special Parliament session on Pahalgam, Operation Sindoor and a ceasefire "first announced by US President Trump" highlights a kept-in-abeyance questioning.

On the whole, the message was of a unity that encompasses citizens of all faiths, Hindu and Muslim. In retrospect, the one-day session of the J&K Assembly called by the Omar Abdullah government in the aftermath of Pahalgam, in which the Chief Minister spoke with empathy and in solidarity with grieving families across the nation, set the tone for the image featuring Colonel Qureshi at the government's press briefings.

Now that peace has broken out, however, it need not be the image's end. It should not be.

It could turn out that Colonel Qureshi's presence at the high table, and her voice — even though she was only reading out from the government script — were not entirely contained by the intended symbolism aimed at Pakistan and the international community. It could be that there is a spill-over, beyond that moment, in domestic arenas and spaces. After all, symbols are not always, and never fully in control of those who craft and wield them. This particular sym-

bol is potentially subversive of the dominant politics. It could ripple and resonate and tweak.

Consider the context it comes in. In its two terms so far, and almost a year into its third term, the BJP-led government has displayed remarkable political flexibility. Its turnaround on counting caste, by shedding its instinctive reluctance vis a vis the caste-centric politics of social justice, is the latest example. But on one issue it has remained unmoving.

Examples and patterns abound of this grim unchangingness. From framing a new citizenship law that makes religion a criterion, to the thrusting of waqf reform on the Muslim community. From refusing to give BJP tickets and ministerships to Muslim leaders/candidates — making this the first cabinet and council of ministers since Independence with no Muslim in it — to turning a blind eye to those in the party/government who indulge in minority-baiting. From bulldozer injustice that disproportionately targets the minority to electoral slogans that stoke spectres of the Hindu-under-siege.

As a party, the BJP plays to the Muslim "Other" and an abuse-machine that uses "Pakistan" for name-calling internally. For its government, the Muslim is the "lab-harthi", the passive recipient of schemes, not the citizen who is entitled to a voice, representation, rights.

To be sure, a left-over image of Sofiya Qureshi from a period of military conflict will not change or rewrite that political story. No image can single-handedly do that. But if it moved the needle in a war-like moment, it also sparks a question: Could it open up public space for representation of the minority in a diverse country in times of peace?

The cynic, or the realist, may point to the fact that, alongside its fundamental and unchanging political patterns, the BJP has often promoted the trope of the "good Muslim", which feeds rather than detracts from Hindutva politics. Be it marking out Dara Shikoh from the other Mughals, or showering praise on APJ Abdul Kalam, or outreach to Sufi and Pasmanda Muslims, the BJP has gazed more softly upon those members of the minority that it certifies as "Bharatiya" or "Rashtravadi". Doesn't that drain the Sofiya imagery of its heart-ening possibilities?

There is a point there, but not a full stop, hopefully. It is true that Sofiya Qureshi wears a military uniform, and that her presence on the podium was a tactical device to counter the propaganda on communal discord in India and keep the focus on terrorism internationally. But that a government as committed as this one has been to the Hindu-isation of public spheres gave her a role in a national moment of high-visibility — within the country, not just outside it — sends out a frisson. The Modi government knew that India, and not just the world, was watching.

It could also be that, at this juncture, the ruling party feels so confident about the consolidation of its base that it is willing to risk a symbol with many lives and multiple meanings. Even so, and at the very least, it is something to be noted: The repertoire of symbols of an enormously image-conscious party has just let a multi-edged one in.

vandita.mishra@expressindia.com



YASHASWINI BASU

THE PUBLIC DECLARATION of the assets of 21 Supreme Court judges needs to be lauded as a testament to Chief Justice of India Sanjiv Khanna's commitment to embolden transparency and accountability. This step seems to be a timely attempt to address the increasing dismay over allegations of corruption in the judiciary.

The Bench remains one of the most hallowed seats of power in the country. Yet, many times, allegations of corruption mar their image. Former Chief Justice Ranjan Gogoi once remarked, "Judges don't drop from heaven", and to err is human. Then, how is it possible that no sitting judge has ever been impeached or convicted? The answer lies in the opaque design of the prosecution mechanisms when it comes to judicial officers.

The release of the asset details comes in the wake of the discovery of unaccounted cash at a Delhi High Court judge's residence. But it barely covers the critical issues around judicial accountability. Notably, the release of assets is not a novel practice. In 2009, the Supreme Court passed a resolution endorsing the publication of the assets of judges. However, it was voluntary. The portal for up-

loading these details has remained dormant ever since.

While judges enjoy enough immunity, they are not totally shielded from accountability. The Judicial Officers Protection Act, 1850 states that no judicial officer will be subject to a trial before any civil court, for any act done in their judicial capacity, if done in good faith. Similarly, the Judges (Protection) Act, 1985 states that no court can entertain any civil or criminal proceedings against any judge in India for any accusation pertaining to their judicial duty. However, this is not absolute in nature because the Act also states that this does not debar any lawful authority from initiating action against someone, if the charge relates to them as "individuals" and goes beyond their adjudicatory or administrative role.

Further, in the 1991 Supreme Court verdict in the case of *K Veeraswamy vs Union of India*, the apex court established that no criminal proceedings against a judge of the Supreme Court or a high court will be registered without consulting the Chief Justice of India.

The Constitution, under Article(s) 124 and 218, establishes the process of removal of

judges on the grounds of "proven misconduct or incapacity". This entails a motion passed by both Houses of Parliament with a special majority, which sets a high threshold for impeachment. Whenever an inquiry is initiated against a judge, an internal committee led by the CJ or the relevant high court oversees the matter and decides as appropriate. The outcome, however, is not made public, and the general compass of the punitive measures extends to transfers, resignations or non-assignment of judicial work.

The idea behind such immunity is to protect judicial officers from malicious litigation or assault on their independence. But the pitfall is that most of the time, the genuine instances of misbehaviour and corruption remain untouched.

Judges all around the world enjoy some degree of immunity. But, they are not insulated from civil or criminal prosecution. The US, Argentina, South Korea and Russia are among the countries that have made it mandatory for judges to declare their assets. Canada and the United Kingdom, like India, have non-mandatory declaration systems: The details are made public only when asked for. While the US, UK and

Germany have special legal procedures to try judges, Canada has a Judicial Council which exclusively deals with legal action against them.

The push for financial disclosure is also endorsed by international standards like the Bangalore Principle of Judicial Conduct, which not only asks the judges to declare their wealth but also urges them to declare any conflict of interest that might affect their judicial integrity during trials.

The financial disclosure, though, is a critical step towards embracing transparency; it is just the tip of the iceberg. These details, otherwise, could have been obtained through Right to Information since the days of the Veeraswamy judgement (reiterated by a 2019 order of the Supreme Court). It said that the judge of any court is a "public servant". However, there is still no clarity over whether a judge can be tried under the Lokpal Act. The threshold of actions against a sitting judge also remains high. So, while the recent disclosures are a welcome gesture, judicial accountability needs more.

The writer is outreach lead at Nyayaa, an initiative of Vidhi Centre for Legal Policy

LETTERS TO THE EDITOR

WHERE'S THE TRUST?

THIS REFERS TO the report, 'Ceasefire...' (IE, May 11). The announcement of a ceasefire between India and Pakistan, hailed by US President Donald Trump as a diplomatic success, initially offered hope for de-escalation. President Trump claimed that after a "long night of talks," both nations had agreed to a "full and immediate" ceasefire. Pakistan's Prime Minister Shehbaz Sharif publicly thanked Trump for his "leadership and proactive role" in facilitating the agreement. However, the fragility of this truce became evident almost immediately. India accused Pakistan of violating the ceasefire within hours, citing renewed shelling in Kashmir. Pakistan denied these allegations, asserting its commitment to peace. This rapid unravelling underscores the deep-seated mistrust and the complex dynamics at play. While international mediation can provide a platform for dialogue, sustainable peace between India and Pakistan hinges on addressing the root causes of conflict, particularly the longstanding issues surrounding Kashmir.

Sanjay Chopra, Mohali

AMERICAN HAND

THIS REFERS TO the report, 'Trump claims credit; Delhi's new red lines' (IE, May 11). It is unusual that it was the US President who informed the world that

a ceasefire between India and Pakistan, before this official news is released by either country. A ceasefire is welcome, but the most worrying part is Donald Trump's subsequent claims of offering to mediate on the Kashmir dispute, which is contrary to India's consistent position that Kashmir is a bilateral issue and no third-party involvement is warranted. This is documented in the 1972 Simla Treaty between India and Pakistan, which the latter has now declared void. Was the US unaware of this treaty before imposing itself as a mediator?

L R Murmu, Delhi

TALKING ABOUT WAR

THIS REFERS TO the editorial, 'A world less safe' (IE, May 10). Amid the war frenzy on both sides of the border, the editorial has rightly expressed concern for the psychological well-being of children. Sadly, we seem to be both bothered about the potential risk of emotional disturbances in them when they witness activities such as blackouts and security drills. Further, 24/7 news channels and excessive exposure to information on social media have compounded the issue by acting as stressors. However, the major responsibility lies with parents and schools to help contain children's emotional outbursts. Following UNICEF's guidelines on discussing conflict and war with children may be helpful.

Manoj Parashar, Ghaziabad

@ieExplained
#ExpressExplainedIf there are questions of current or contemporary relevance that you would like explained, please write to explained@indianexpress.com**EXPLAINED OPERATION SINDOOR**

Pak Air Force assets that India hit

Indian missiles and drones inflicted heavy damage on at least eight Pakistan Air Force bases and several radar & air defence units in a withering aerial attack last week. While Pakistani air defences were knocked out, the enemy's own aerial attacks were unable to breach Indian air defences

**PAF BASE NUR KHAN, RAWALPINDI**

■ Close to Pak Army HQ, n-command

Home to the Pakistan Air Force's (PAF's) Air Mobility Command and the PAF College Chaklala, this is one of Pakistan's most vital air bases, which plays a key role in logistics, VIP transport, strategic operations, and aviator training.

The base houses PAF transport aircraft such as Lockheed C-130 Hercules, Ilyushin Il-78 refuellers, and trainers such as Karakoram-8. With the Pakistan Army's General Headquarters and the Strategic Plans Division — the operational arm of the country's nuclear command — in the vicinity, the base lies at the heart of the Pakistani military establishment.

PAF Base Chaklala was renamed PAF Base Nur Khan in 2012, in honour of Air Marshal Nur Khan, the base's first Pakistani commander in 1947 who went on to lead the Pakistan Air Force from 1965 to 1969.

PAF BASE MURID, CHAKWAL

■ Home base for Pakistan's drone fleet

The Murid base is the home base of Pakistan's growing fleet of combat drones, and one of the PAF's most important forward operational flying bases today.

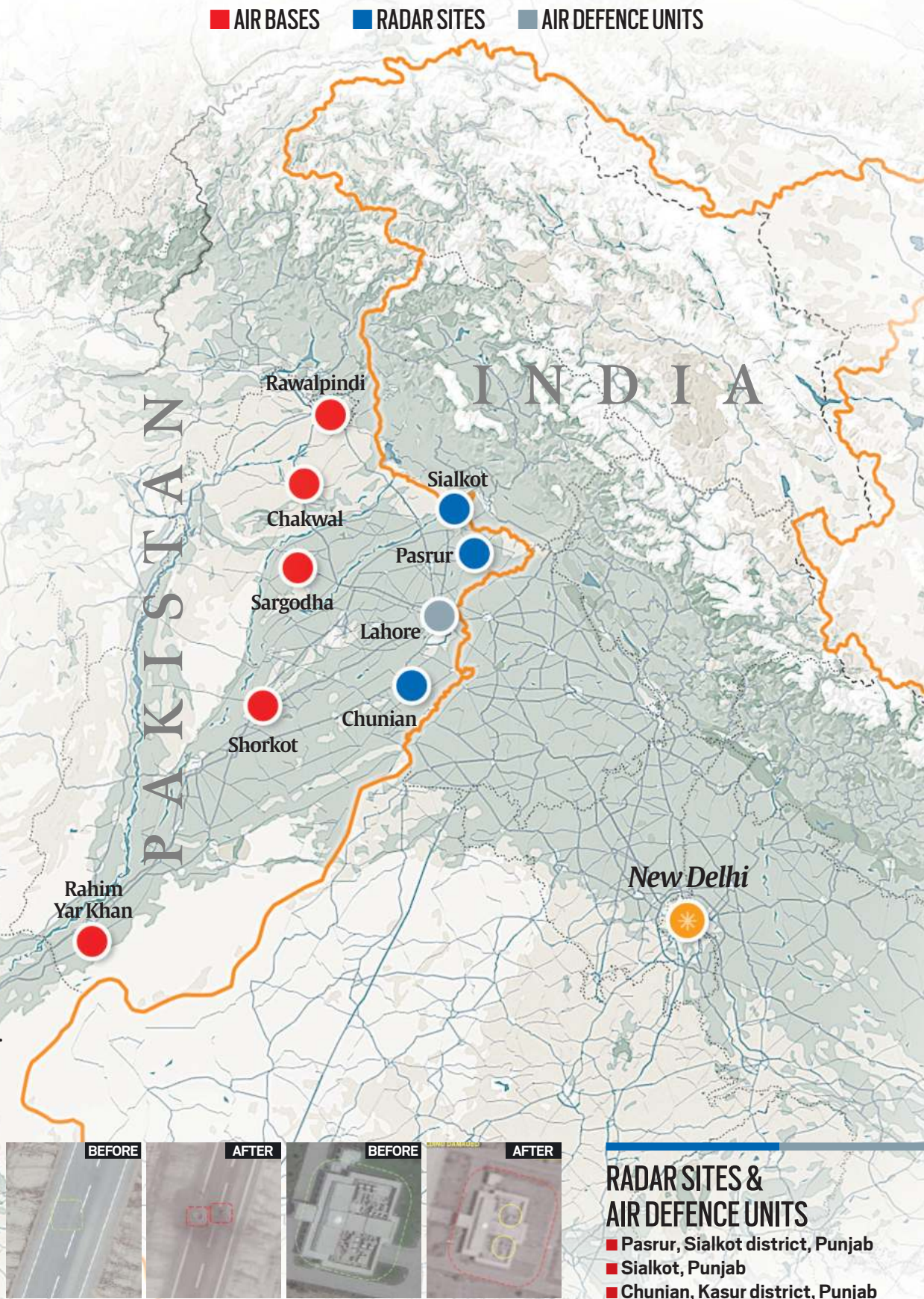
Its more than eight hangars house unmanned aerial vehicles (UAVs) such as the indigenously developed GIDS Shahpar and NESCOM Burraq, the Chinese Chengdu Wing Loong II, and the Turkish Bayraktar TB2 and Bayraktar Akinci.

**PAF BASE SUKKUR, SUKKUR**

■ Doubles as a civilian airport, important for northern Sindh

This is another forward operational base of the PAF which doubles as the Begum Nusrat Bhutto International Airport Sukkur, the second major civilian airport operational in Sindh after Karachi's Jinnah International Airport.

Originally built as a military aerodrome during World War II, the Sukkur base operates under PAF's Southern Air Command

**PAF BASE RAHIM YAR KHAN, RAHIM YAR KHAN**

■ Runway knocked out by Indian strike, base shut for repairs

The Rahim Yar Khan base is a forward operational base of the PAF's Central Command. Its sole runway is also used by the Sheikh Zayed International Airport, named after Sheikh Zayed bin Sultan Al Nahyan, the first President of the UAE, who funded the construction of the airport's terminal. Day-to-day operations at the airport are handled by the Pakistan Civil Aviation Authority (PCAA).

After India's strike at the air base, which has left a massive crater on its runway, all flight operations have been suspended for a week.

RADAR SITES & AIR DEFENCE UNITS

- Pasrur, Sialkot district, Punjab
- Sialkot, Punjab
- Chunian, Kasur district, Punjab
- Lahore, Punjab
- Malir Cantt, Karachi, Sindh

India also struck at least three radar sites in Pakistan's Punjab province, close to the border with the Indian state of Punjab and the Union Territory of Jammu & Kashmir, as well as two air defence units — one in Lahore and the other in Malir Cantonment, Karachi.

These were all likely a part of Pakistan's larger air defence system.

**PAF BASE MUSHAF, SARGODHA**

■ Most strategic PAF base, home to best fighters, pilots

Considered to be the most vital strategic asset of the PAF, the Sargodha base is home to Pakistan's best fighter aircraft and pilots, as well as the headquarters of the Central Air Command, the Combat Commanders' School, and the Airpower Centre of Excellence.

Aircraft such as the American F-16 Fighting Falcon, Chinese Chengdu J-7, French Mirage 5, and the JF-17 Thunder, the mainstay of PAF's fighter fleet developed jointly with China, are stationed at the base.

The Sargodha base was a prime target of Indian air attacks during the 1965 war, during which India destroyed 10 Pakistani aircraft at the base. After this, the PAF reserved much of its fighter fleet to protect Sargodha rather than sending them to the front.

The base was renamed in 2003 in honour of Air Chief Marshal Mushaf Ali Mir who had died in an aircraft crash earlier that year.

PAF BASE SHAHBAZ, JACOBABAD

■ Crucial NATO base during War on Terror, important for Pak's F-16s

Heavily used by NATO forces during Operation Enduring Freedom, the official moniker of the US-led Global War on Terrorism, the Jacobabad base is home to some of PAF's most advanced aircraft and equipment.

These include the latest JF-17 Block II, multiple variants of the F-16 Fighting Falcon, and the Italian Leonardo AW139 helicopters of the 88 Search and Rescue Squadron.

According to local media reports, the base also houses private contractors who work on the American F-16s.

PAF BASE RAFIQUI, SHORKOT

■ Base for JF-17 and Mirage 5 fighters

Located 337 km to the south of Islamabad, this base is a vital asset of PAF's Northern Air Command. It is home to squadrons of JF-17, Mirage 5, and the French utility helicopter Alouette III.

The base is named in honour of Sq Ldr Sarfaraz Ahmed Rafiqui, one of Pakistan's most decorated fighter pilots, famous for his exploits during the war of 1965.

PAF BASE BHOLARI, JAMSHORO

■ Newest Pak's air base, where Pak & China held major aerial exercise in 2020

Inaugurated as recently as December 2017, this is one of Pakistan's most modern main operational bases. It is home to squadrons of both the JF-17 Thunder and F-16 Fighting Falcon, as well as Saab 2000 AEWACs (airborne early warning and control aircraft) aircraft fitted with the Erieye radar system.

In 2020, the base hosted Exercise Shaheen IX, a major joint Pakistani-Chinese aerial exercise.

GRAPHIC: ARJUN SENGUPTA & MRIDUL

EXPLAINED ECONOMICS

Why US & China have agreed to temporarily slash tariffs

UDIT MISRA

NEW DELHI, MAY 12

AFTER TWO days of high-level negotiations in Geneva, Switzerland, the United States and China on Monday announced a 90-day pause in their trade war, suspending the high tariffs and non-tariff barriers that the two countries had put in place after April 2.

In a joint statement, the US and China said they were committed to establishing "a mechanism to continue discussions about economic and trade relations".

What were the tariffs until now?

Since February 1, US President Donald Trump has imposed tariffs on China for a variety of reasons. The first lot of tariffs was for the sale of fentanyl, an opioid that is responsible for thousands of deaths due to overdose in the US. On April 2, which Trump designated as "Liberation Day", Washington imposed an additional 34% tariffs on China.

China responded with its own counter-tariffs, unlike most other countries. By April 10, the tariffs had reached a prohibitive level. The US had imposed 145% tariffs on China, and China had responded with 125% tariffs on US imports. At this 145% rate, the price of an \$100-worth imported Chinese good in the US would rise to an eye-watering \$245.

In addition to tariffs, China also imposed some non-tariff barriers on the US, such as export restrictions on rare earth minerals,

and restrictions/investigations against multiple US companies.

What is the situation now?

After the truce, the base tariff rates have fallen to 10% for both countries. However, the US continues to levy a 20% tariff on account of fentanyl smuggling.

So effectively, consumers in the US now face a tariff of 30% on imports from China, and consumers in China face a tariff of 10% for imports from the US.

China has also suspended the non-tariff barriers it installed after April 2.

Why were tariffs placed in the first place?

Explaining the rationale behind the tariffs, the US Trade Representative Jamieson Greer yet again pointed to the \$1.2 trillion trade deficit on goods that the US had with the rest of the world. This essentially means that US consumers import goods worth \$1.2 trillion more than what the consumers in the rest of the world import from the US.

The Trump administration sees a trade deficit negatively, saying it is proof of the fact that the rest of the world is "ripping off" the US. That is because, as Greer argues, while the US opens its markets to the rest of the world, other countries protect their companies, and subsidise them to take over the US market.

Greer said the trade deficit had ballooned more than 40% since the end of President Trump's first term in 2020. He also underscored that merely talking and requesting

THE TRADE WAR BETWEEN US & CHINA

FEB 1: Trump imposes 10% tariffs on China, 25% on Mexico and Canada, citing fentanyl crisis

FEB 4: As tariffs on China take effect, Beijing puts 15% tariffs on US coal, LNG; 10% on crude

MAR 4: Another 10% US tariffs; total now 20%. China responds with up to 15% on key US farm products

APR 2: On "Liberation Day" Trump announces 34% on all Chinese goods from April 9

APR 4: China announces its own 34% effective April 10, as well as controls on rare earths exports

APR 7: Trump threatens additional 50% tariffs if China doesn't back down

APR 9-10: The US levies 84% additional tariffs, bringing the total to 104%. China retaliates with 84% tariffs, effective April 10. Trump then raises it to 125%, totalling 145%.

APR 11: China raises tariffs to 125%, effective Apr 12, and declares no further hikes

APR 13: Trump exempts smartphones, computers and other electronics, subjecting them only to a 20% tariff

MAY 6: Talks in Geneva announced

other countries to open their markets had not helped over the decades, and that imposing high tariffs was the most logical way forward.

Why has there been a truce?

Tariffs are not the solution to trade imbalances. Put simply, they are counterproductive, and hurt the domestic economy's consumers while protecting its producers. But since the hurt on consumers is spread over a large number of individuals and the benefit of protection is concentrated over a small number of producers, it can appear that tariffs help.

Unsurprisingly, the US economy started wilting under the price pressure of tariffs because all imports started getting costlier. There was a genuine risk that if this truce had not been announced, the shelves in retailers such as Walmart would have soon become empty.

The US economy contracted in the first quarter of 2025, before the full effects of the highest tariffs would have even been registered. After the April 2 announcement, the consensus view among economists was that the US was set to face recession — that is, two consecutive quarters when the overall GDP declines in absolute terms. Worse, with tariffs raising the price level, the odds of the US facing a stagflation — economic stagnation coupled with high inflation — were becoming higher.

So, which country won the tariff war?

There are no winners in a tariff war. However, currently, it appears that China has managed to get the better of the US.

For instance, even though China's exports to the US fell by 21% in April, its overall exports grew by 8%. According to an Axis Bank analysis, China's trade surplus grew by \$96 billion in April. In the quarter where the US contracted, China's GDP exceeded expectations by growing by 5.4%.

Also, at 10% baseline tariffs, China now faces the same rate that the United States' traditional allies, such as the United Kingdom and Australia, face. These are the rare countries which had a trade deficit with the US, and still got charged with a 10% tariff rate.

The 20% tariffs on fentanyl are likely to go away, given the fact that both Greer and US Treasury Secretary Scott Bessent spoke positively about China's engagement on the issue.

What's next?

The immediate reaction from all market parameters is positive, but that should be seen as a huge sigh of relief. Investors can see that the worst possible outcome — a trade embargo between the world's two largest economies — is behind them.

Stock markets have risen, and so has the US dollar and the price of oil — all pointing to better economic prospects — while prices of assets (gold and government bonds) that are considered safe havens have fallen.

However, the fact is that this is not a "deal". It is just a truce to start talks. As there is no clarity on who called first for talks in Geneva, the actual negotiations could be quite thorny and tense.

DRISHTI JUDICIARY
AN INITIATIVE BY DRISHTI IAS

87501 87501
drishtijudiciary.com

JUDICIARY FOUNDATION COURSE
Offline Batch | Live Online (Via App)

Centres	English Medium	हिंदी माध्यम
9 Delhi	19 May 2:30 PM 22 May 11:30 AM	29 मई सुबह 8 बजे
9 Prayagraj	17 June 5:30 PM	29 मई शाम 5:30 बजे
9 Indore	22 May 5:30 PM	New Launch!

Download Drishti Judiciary App



GOLD

₹96,550



USD RATE

₹85.41*



OIL

\$62.19



SILVER

₹99,700

Note: Gold, silver rates at Delhi spot market, gold per 10g, silver per 1 kg. Crude oil (Indian basket) per barrel as of May 8

*Foreign exchange market remained closed on Monday on account of Buddha Pournima. International market data till 1900 IST

ON THE BACK OF BROAD-BASED BUYING SUPPORT

Sensex, Nifty gain nearly 4% amid India-Pak ceasefire, US-China deal

HITESH VYAS
MUMBAI, MAY 12

DOMESTIC STOCK markets rallied around 4 per cent on Monday after the ceasefire agreement between India and Pakistan and as the US and China reached a trade deal.

The BSE's 30-share Sensex surged 3.74 per cent, or 2,975.43 points, to settle at 82,429.9. The NSE's Nifty 50 rose 3.82 per cent, or 916.7 points, to close at 24,924.7. This was the largest single-day gain for both the indices since February 1, 2021.

The market capitalisation, or the total value of all listed shares, of BSE-listed companies increased by Rs 16.15 lakh crore to Rs 432.56 lakh crore. "Markets were on a roll and turned buoyant after the news of a ceasefire between India and Pakistan, as that removes some kind of apprehension that was caused by last week's tension between the two nuclear-armed neighbours," said Prashanth Tapse, senior VP (Research), Mehta Equities Ltd.

Investors turned risk-on with safe-haven gold taking a beating while equities turned out to be clear winners on the back of broad-based buying support.

"The ceasefire between India



The BSE building in Mumbai. The market capitalisation of BSE-listed companies increased by Rs 16.15 lakh crore to Rs 432.56 lakh crore on Monday.

Reuters

and Pakistan has paved the way for a sharp rally in the market. The prime mover of the rally will be the FI buying which has been sustained for sixteen continuous days except last Friday when the conflict escalated," said VK Vijayakumar, chief investment strategist, Geojit Investments Ltd.

On Monday, foreign portfolio investors (FPIs) net purchased Rs 1,246.48 crore, while domestic institutional investors (DII) bought Rs 1,448.37 crore worth of equities, according to the BSE's provisional data.

Domestic macros like expectations of high GDP growth and

revival of earnings growth in FY26 and declining inflation and interest rates augur well for the re-sumption of a rally in the market, he said.

On Sunday, the White House said that the US and China have reached a trade deal in Geneva after the two-day long trade talks between the two countries.

"With talks on global tariff seen on a smooth path, equities could gain traction going ahead," Tapse said.

Analysts said that if the US-China trade deal materialises, it would be good for the global economy. However, from India's

standpoint, it would be slightly disappointing since the country was expecting a trade deal with the US ahead of many nations, including China.

On Monday, all major sectors contributed to the rally, with IT, realty, and metals leading the gains. Nifty IT gained nearly 7 per cent and Nifty Metal rose 5.86 per cent. The broader markets witnessed heavy buying, with each advancing nearly 4 per cent.

The NSE companies that gained the most included Adani Enterprises (7.73 per cent), Infosys Ltd (7.69 per cent), Shriram Finance (7.16 per cent), Trent Ltd (6.79 per cent) and Wipro Ltd (5.99 per cent).

Experts believe that though the momentum remains strong, the market may enter a phase of consolidation in the near term as investors await concrete signs of earnings growth. In the meantime, mid and small caps are expected to maintain the optimism in the broad market.

"In light of the widespread buying momentum, a 'buy on dips' strategy remains prudent. Investors should focus on selecting stocks based on the relative strength of specific sectors and prevailing market themes," said Ajit Mishra, senior vice president (Research), Religare Broking Ltd.

Pakistan Stock Exchange soars 9% over halt in military actions

Karachi: The Pakistan Stock Exchange (PSX) on Monday gained a record 9 per cent increase in trading, as India and Pakistan reached an understanding to halt all military actions.

The KSE-100 index scored high during intra-day trading. The index opened with a gain of 9,929.48 points, or 9.26 per cent, to stand at 117,104.11 points from the previous close of 107,174.63. Last week, the PSX lost nearly 6.5 per cent due to the conflict with India.

Due to the massive gains, the PSX was suspended for an hour after opening to control excessive volatility. Mid afternoon, the benchmark index stood at 116,857.00 points, with a gain of 9,682.37 points (9.03 per cent).

It closed at 117,297.73 points, with a gain of 10,123.10 points (9.45 per cent) compared to the previous close, which marked the highest intra-day gain (points-wise) — more than double the 4,700 points surge in November 2024.

PTI



US Secretary of the Treasury Scott Bessent (right) and US Trade Representative Jamieson Greer at a news conference after trade talks with China in Geneva, Switzerland on Monday.

Reuters

REUTERS
GENEVA, MAY 12

THE US and China said on Monday they agreed to temporarily slash their steep tariffs on each other, sending global stocks and the US dollar surging as the world's top two economies tapped the brakes on a trade war that had fed fears of a global recession.

The US will cut extra tariffs it imposed on Chinese imports last month from 145 per cent to 30 per cent for the next 90 days, the sides said, while Chinese duties on US imports will fall to 10 per cent from 125 per cent.

Financial markets cheered the reprieve in a conflict that had brought nearly \$600 billion in two-way trade to a standstill, disrupting supply chains and triggering layoffs. Investors had also worried about stagflation, a toxic combination of high inflation and weak economic growth.

Seeking to reduce the US trade deficit, Trump targeted countries worldwide with an array of tariffs, and levies on China were his most aggressive.

The remaining US tariffs on Chinese imports are still stacked atop prior US duties. Even before Trump took office in January, China was saddled with 25 per cent US tariffs he had imposed on many Chinese industrial goods during his first term, with lower rates on some consumer goods.

Monday's announcement leaves these duties unchanged, along with tariffs of 100 per cent on electric vehicles and 50 per cent on solar products imposed by former Democratic President Joe Biden.

The accord does not include the "de minimis" exemptions for low-value e-commerce shipments from China and Hong

The consensus from both delegations this weekend is neither side wants a decoupling ... And what had occurred with these very high tariffs ... was the equivalent of an embargo, and neither side wants that."

— SCOTT BESSENT
US TREASURY SECRETARY

Kong, which the Trump administration terminated on May 2, according to a source familiar with the negotiations.

However, the deal went further than many analysts had expected following weeks of confrontational rhetoric on trade. Last week, Trump floated the possibility of dropping the tariff rate to a still sky-high 80 per cent.

"This is better than I expected. I thought tariffs would be cut to somewhere around 50 per cent," said Zhiwei Zhang, chief economist at Pinpoint Asset Management in Hong Kong.

Trump's allies called Monday's deal a political win for the President, who campaigned in 2024 on addressing unfair trade practices in hopes of resurrecting US manufacturing capacity that had gone overseas. He won heavy support among blue collar workers in "Rust Belt" states like Michigan and Pennsylvania that have lost manufacturing jobs for decades.

"The president is doing what he said he would. This is absolutely about resolving disparities in the trading relationship," said Kelly Ann Shaw, a senior US official during Trump's 2017-2021 term and now an attorney with

Akin Gump Strauss Hauer & Feld. But she cautioned that 90 days was not much time to address major US concerns over non-tariff barriers such as subsidies for capital and labour.

"They've got their work cut out for them."

"The consensus from both delegations this weekend is neither side wants a decoupling," US Treasury Secretary Scott Bessent said after talks with Chinese officials in Geneva. "And what had occurred with these very high tariffs ... was the equivalent of an embargo, and neither side wants that." The meetings were the first face-to-face interactions between senior US and Chinese economic officials since Trump returned to power.

China's vice premier, He Lifeng, told reporters at China's mission to the World Trade Organization on Sunday that the talks were "candid, in-depth and constructive."

"The meeting achieved substantial progress and reached important consensus," he said.

After Trump hiked tariffs on Chinese goods to 145 per cent, China hit back by putting export curbs on some rare earth elements, vital for US manufacturers of weapons and electronic consumer goods. Beijing raised tariffs on US goods to 125 per cent.

Andrew Gossage, CEO of Ultimate Products, which owns homeware and appliance brands that sell China-manufactured products mainly to the UK and Europe, said Chinese manufacturers will still prioritize European customers even if US tariffs drop to pre-Trump levels.

"The US has definitely gone into unreliable boyfriend territory when it comes to the attitude of the Chinese manufacturers to that market," he said.

Stocks rally in China, yuan gains

Shanghai: Chinese stocks rallied and the yuan strengthened on Monday after the US and China said they have agreed to a deal to slash reciprocal tariffs in a substantial de-escalation of a potentially damaging trade war.

Hong Kong's benchmark Hang Seng Index extended the gains and closed up 3 per cent after the news and the Hang Seng Tech Index rallied more than 5 per cent. The yuan strengthened to as much as 7.2001 against the dollar to reach a six-month high, while its offshore counterpart rose more than 0.5 per cent. China's CSI 300 Index closed up 1.2 per cent and the Shanghai Composite Index added 0.8 per cent.

REUTERS

REUTERS

NEW YORK/LONDON, MAY 12

GLOBAL SHARES rallied, while gold and safe-haven currencies slumped against a resurgent dollar on Monday as the US and China agreed to temporarily slash harsh reciprocal tariffs and cooperate to avoid rupturing the global economy.

Wall Street stocks were set for significant daily gains, with the S&P 500 index jumping 3 per cent and the tech-focused Nasdaq Composite advancing 4.1 per cent.

An index tracking the dollar against other major currencies rose further from last month's three-year trough with an almost 1.25 per cent gain, while Japan's yen fell 2.2 per cent to 148.48 per dollar.

The retreat from safe-haven assets pushed Switzerland's franc 1.4 per cent lower on the day, in a jolt of relief for Swiss exporters and the nation's central bank.

I-T Dept notifies all 7 ITR forms for AY 2025-26

New Delhi: The Income Tax Department has notified all seven income tax return forms for assessment year 2025-26.

While ITR forms 1 and 4, which are filed by small and medium taxpayers, were notified on April 29; ITR-7, filed by trusts and charitable institutions, was notified on May 11. One important change has been introduced in ITR-1 and 4, which was notified on April 29, relating to the reporting of capital gain income from listed equities. Now, salaried individuals and those under the presumptive taxation scheme, having long-term capital gains (LTCG) of up to Rs 1.25 lakh in a financial year, will be able to file ITR-1 and ITR-4, respectively. Earlier, such persons/entities were required to file ITR-2.

Under the I-T law, LTCG of up to Rs 1.25 lakh from sale of listed shares and mutual funds is exempt from tax. Gains exceeding Rs 1.25 lakh/annum are subject to 12.5 per cent tax. The last date for filing ITR for individuals and those who do not have to get their accounts audited is July 31. One change which has been introduced in ITR forms 2, 3, 5, 6 and 7 pertains to rationalisation of capital gains tax. In Schedule Capital Gains of the ITR, capital gains must now be split based on whether they arose before or after July 23, 2024.

PTI



Traders at the New York Stock Exchange on Monday.

Reuters

Spot gold prices, which hit an all-time high of \$3,500 last month and often move inversely to the dollar, fell 3 per cent to \$3,225.3 an ounce.

"This is a textbook recovery after the market's waterfall declines," said Gina Bolvin, the president of Bolvin Wealth Management Group in Boston. "The market is blowing through

resistance levels and if it sticks, this is a big 'WIN' for Trump, for stocks and for investors."

The euro, which surged in April as investors questioned the dollar's long-held status as the world's reserve currency, was 1.2 per cent lower at \$1.1113.

On Monday, however, commodities traders rushed to reassess the recessionary risks of

TO PROTECT LOCAL DRUG MAKERS

India keeps data exclusivity out of UK FTA

MUKESH JAGOTA
NEW DELHI, MAY 12

INDIA HAS protected the interest of its generic pharma industry by keeping out data exclusivity provisions from the Free Trade Agreement (FTA) with the UK. This is the second FTA in recent times where data exclusivity is not part of the trade agreement.

The UK was pushing for inclusion of Data Exclusivity provisions in the FTA which would have prevented Indian generic drugs manufacturers from using the clinical trial data generated by the pharma patent holders. At present Indian laws allow the use of this data by companies to launch copies of the drugs that go off-patent. This reduces time and costs for generic manufacturers to go to the market.

"During the negotiations, the UK had asked to include this provision in the trade pact. But India has not accepted that. There is no fear for the Indian generic industry from this agreement. In fact, it is our very important objective to see that the generic drug industry flourishes," an official said.

By gaining exclusive rights

During negotiations, the UK had asked to include this provision in the trade pact. But India has not accepted that, an official said

over this data, innovator companies can prevent their competitors from obtaining marketing licence for low-cost versions during the tenure of this exclusivity.

Earlier, India had also rejected a similar demand from the four-nation European Free Trade Association (EFTA) in their FTA signed in 2024. EFTA members are Iceland, Liechtenstein, Norway, and Switzerland. Among them Switzerland is the hub for most innovative companies in healthcare and even they did not get it. India's generic drug industry is estimated at about \$ 25 billion and the country exports half of its output.

India and the UK announced the conclusion of the free trade agreement on May 6 that will substantially liberalise trade between the two countries.

FE

Govt terminates services of SECI CMD

PRESS TRUST OF INDIA
NEW DELHI, MAY 12

THE CENTRE has terminated the services of former IAS officer Rameshwar Prasad Gupta, who was serving as the chairman and managing director of the Solar Energy Corporation of India Limited (SECI).

New and Renewable Energy Secretary Santosh Kumar Sarangi has been given the additional charge of the CMD's post at the SECI. The order terminating Gupta's services, which came more than a month ahead of the completion of his tenure, did not cite any reason for the move.

FOR JANUARY-MARCH QUARTER

Tata Steel profit up 112% on lower input costs

URVI MALVANIA
MUMBAI, MAY 12

TATA STEEL on Monday reported a 112.7 per cent jump in its consolidated net profit for the January-March quarter at Rs 1,301 crore, aided by lower input costs and operational efficiencies.

Revenues during the period came in at Rs 56,218 crore, registering a 4.2 per cent year-on-year decline.

Managing director and CEO TV Narendran said FY25 was a pivotal transition year, highlighting major operational mile-

MINRE SECRETARY GETS ADDITIONAL CHARGE

THE APPOINTMENTS Committee of the Cabinet has approved the termination of former IAS officer Rameshwar Prasad Gupta's services, who was serving as the chairman and managing director of

the Solar Energy Corporation of India, with immediate effect
NEW AND Renewable Energy Secretary Santosh Kumar Sarangi has been given additional charge of the CMD's post at the SECI

The 1987-batch Gujarat-cadre former Indian Administrative Service (IAS) officer was appointed to the post on June 13, 2023 for a period of two years.

The Appointments

Committee of the Cabinet (ACC) has approved the termination of Gupta's services with immediate effect, the personnel ministry said in an order dated May 10.

Gupta assumed charge as the

CMD of the SECI on June 15, 2023.

Before joining the SECI, he worked as the secretary in the Union Ministry of Environment, Forest and Climate Change.

The SECI is the leading Navratna central public sector undertaking, dedicated to the development and expansion of renewable energy capacity in the country. The Centre on Monday gave the additional charge of the post of the CMD, SECI to Sarangi.

The competent authority has approved the assignment of the additional charge of the post "till the appointment of a regular incumbent or until further orders", according to another order issued by the personnel ministry.

facility and nearly full utilisation across other units.

Ebitda for the quarter stood at Rs 6,559 crore.

"Consolidated Ebitda in FY25 improved by 10 per cent aided by higher volumes and reduction in controllable costs despite the drop in realisations," Koushik Chatterjee, chief financial officer, Tata Steel said.

The company reported deliveries of 8.33 million tonnes in the fourth quarter, compared to 7.98 million tonnes in Q4FY24 and 7.72 million tonnes in Q3FY25. Steel production during the quarter totalled 7.45 million tonnes.

FE

stones across geographies. These included the commissioning of the largest blast furnace at Kalinganagar, the decommissioning of two UK blast furnaces, and improved capacity utilisation in the Netherlands.

In India, deliveries reached an all-time high of approximately 21 million tonnes, rising 5 per cent year-on-year, largely due to the ramp-up of the Kalinganagar

TOP OF THE WORLD



Prime Minister Anthony Albanese

AUSTRALIA

PM names new Cabinet that drops Israel critic

Melbourne: Australia Prime Minister Anthony Albanese announced his new Cabinet on Monday after former minister Ed Husic blamed his demotion on his own criticism of Israel's war in Gaza. Albanese named the 30 lawmakers who will fill Cabinet and outer-ministry positions after his centre-left Labor Party won a landslide victory in the May 3 elections. Labor has claimed 92 seats in the 150-seat House of Representatives. As vote counting continues, Albanese said his government could hold as many as 95 seats. Labor had never held more seats since the first Parliament sat in 1901, he said. **REUTERS**

INDONESIA

Blast during military ammo disposal kills 13

Jakarta: Thirteen people died in a blast during a disposal of expired military ammunition in Indonesia's West Java on Monday, army officials told local media, the second incident involving expired ammunition in the country in little over a year. Nine of the victims were civilians while four were military personnel, military spokesperson Kristomei Sianturi told Kompas TV, adding the military is investigating the cause of the incident. Wahyu Yudhayana, a second army spokesperson, said in a televised address the blast happened when officers were finishing their disposal of the ammunition. **REUTERS**

UNITED KINGDOM

PM Starmer says net migration will fall significantly

London: British Prime Minister Keir Starmer promised net migration would fall significantly by 2029 as he announced policies to boost skills and training. "It's (...) a white paper that deals with skills and training, and one of the reasons that we've had stagnant growth... is because we have underinvested chronically in skills and growth," he said on Monday. Controlling immigration was a key factor in Britain's 2016 vote to leave the EU, yet net arrivals reached record levels after it left the bloc, helping to boost Nigel Farage's right-wing Reform UK party. **REUTERS**

RUSSIAN PRESIDENT IS SERIOUS ABOUT TRYING FOR PEACE: KREMLIN

Zelenskyy says ready to meet Putin in Istanbul, Trump offers to join talks

Russia launches overnight assault on Ukraine using more than 100 drones

REUTERS
KYIV, MAY 12

UKRAINIAN PRESIDENT Volodymyr Zelenskyy said late on Sunday he was ready to meet Vladimir Putin in Turkey on Thursday after US President Donald Trump told him publicly to immediately accept the Kremlin leader's proposal of direct talks.

This followed Putin's Sunday proposal to hold the first direct Ukraine-Russia talks since the early months of the 2022 invasion. It was far from clear, however, that Putin meant he would attend in person.

"I will be waiting for Putin in Türkiye on Thursday. Personally," Zelenskyy wrote on X. "I hope that this time the Russians will not look for excuses."

Meanwhile, US President Donald Trump offered on Monday to join the prospective talks as European countries continued their push to get the Kremlin to accept their demand for a 30-day ceasefire. Trump told reporters at the White House that talks in Istanbul could be helpful and he might join them on Thursday while in the region. His current schedule has him visiting



Russian servicemen attending a combat training in an undisclosed location in Ukraine. AP

Saudi Arabia, the United Arab Emirates and Qatar this week.

"I've got so many meetings, but I was thinking about actually flying over there. There's a possibility of it, I guess, if I think things can happen, but we've got to get it done," he said before departing for his second foreign trip since his second term in the White House began in January.

"Don't underestimate Thursday in Turkey," he said.

In response to Trump's remarks, Zelenskyy said in a post on X: "I hope that the Russians will not evade the meeting... all of us in Ukraine would appreciate it if President Trump could be there with us at this meeting in Turkey." He added that such participation was "the right idea".

Earlier on Monday, Ukraine's military said Russia had conducted dozens of attacks along the front in eastern Ukraine on

Monday as well as an overnight assault using more than 100 drones, despite the ceasefire proposal by Europe and Kyiv.

The Kremlin said on Monday that Russian President Vladimir Putin was serious about trying to find peace at talks he has proposed in Turkey but his spokesman said he could say no more about the talks after Ukraine demanded the Kremlin chief attend.

Philippines votes in high-stakes midterms amid Marcos-Duterte showdown



Sara Duterte; Ferdinand Marcos Jr

REUTERS
MANILA, MAY 12

VOTING WAS underway in the Philippines on Monday for a normally low-key midterm election that is showcasing an emotionally charged proxy battle between President Ferdinand Marcos Jr. and ally-turned-foe, Vice President Sara Duterte.

Duterte and Marcos are not on the ballot for more than 18,000 positions but have been campaigning aggressively for their slates of candidates, as their bitter rivalry dominates a contest that could influence the future dynamic of power.

At stake for Marcos is his policy agenda, his legacy and influence over his succession in 2028, while Duterte's political survival could ride on the vote, with an impeachment trial looming that could kill any future hopes of becoming president and following in the footsteps of father Rodrigo Duterte.

While posts for mayors, governors and lower house lawmakers are up for grabs, the tussle for Marcos and Duterte is over a dozen coveted seats in the 24-member Senate, a chamber with sweeping legislative influence and political clout that can shape public opinion and sink presidential ambitions.

ISRAEL PAUSES FIGHTING FOR CAPTIVE HANDOVER

Hamas frees American-Israeli hostage

JAMES MACKENZIE
JERUSALEM, MAY 12

AN ISRAELI-AMERICAN hostage crossed into Israel on Monday after his release by Hamas amid a pause in fighting in Gaza, the Israeli military said, but there was no deal on a truce or hostage releases as monitors warned of famine in the devastated enclave.

Israel's military said it had received Edan Alexander after the International Committee of the Red Cross said it had facilitated his safe transfer from 19 months of captivity to Israeli authorities. Alexander was the last American held by Hamas and Israel's Channel 12 said his condition was "low", without citing a source. *Al Jazeera* TV showed a photograph



Palestinians at a school after an Israeli strike, in Jabalia refugee camp, in north Gaza on Monday. Reuters

of him standing next to masked fighters and a Red Cross official. Fighting halted at midday in

Gaza after Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu ensured pausing its operations to allow

AFTER OFFICIAL BAN ON AWAMI LEAGUE UNDER SAME LAW

Dhaka bars publicity for those charged under anti-terror law

PRESS TRUST OF INDIA
DHAKA, NEW DELHI, MAY 12

BANGLADESH HAS banned the publication or dissemination of statements and any other publicity of individuals or organisations charged under a revised terrorism law, a day after it disbanded deposed prime minister Sheikh Hasina-led Awami League's activities until the trial of its leaders under the same law.

President Mohammed Shahabuddin Sunday night promulgated an ordinance amending the Anti-Terrorism Act which prohibits such activities.

The President signed the draft hours after the Council of Advisers



Anti-Awami League protesters in Dhaka, Sunday

or the interim Cabinet led by Chief Advisor Muhammad Yunus approved the ordinance to amend the Anti-Terrorism Act-2009. The law ministry later pub-

lished the Anti-Terrorism (Amendment) Ordinance, 2025.

The Home Ministry Monday issued a gazette notification, officially banning all activities of deposed premier Sheikh Hasina's Awami League party under an overnight revised anti-terrorism law. According to the notification, Awami League and its affiliated organisations were banned under the Anti-Terrorism Act 2025 until Bangladesh's International Crimes Tribunal (ICT-BD) completed the trial of its leaders and activists, said a Home Ministry official.

Formed in 1949, the Awami League led the movement for the autonomy of Bengalis in the then East Pakistan for decades and eventually led the Liberation War in 1971.

CALLS FOR RELEASE OF REPORTERS JAILED FOR DOING THEIR JOBS

POPE LEO TELLS MEDIA TO SHUN DIVISIONS

Pope Leo XIV, in his first address to the media, urged journalists on Monday to focus on reporting the truth instead of engaging in partisan debates and called for the release of reporters jailed for doing their jobs. "The way we communicate is of fundamental importance: we must say 'no' to the war of words and images, we must reject the paradigm of war," Leo told journalists who covered his election. **REUTERS**



Mothers of young people who were allegedly recruited by the PKK in the southeastern city of Diyarbakir on Monday. Reuters

Kurdish militant group disbands, ending Turkey's 40-yr insurgency

Weapon handovers contingent on approach to Kurdish rights, says PKK

DAREN BUTLER & ECE TOKSABAY
ISTANBUL, MAY 12

THE KURDISTAN Workers Party (PKK) militant group, which has been locked in bloody conflict with Turkey for more than four decades, has decided to disband and end its armed struggle, group members and Turkish leaders said on Monday.

Since the PKK launched its insurgency in 1984 - originally with the aim of creating an independent Kurdish state - the conflict has killed more than 40,000 people.

The PKK's decision, at a congress last week, could boost Turkey's political and economic stability and encourage moves to ease tensions in neighbouring Iraq and Syria, where Kurdish forces are allied with US forces.

President Tayyip Erdogan said the decision was an important step, and labeled the move an "important threshold" towards Ankara's goal of a terrorism-free country. "the doors of a new era in every area, namely strengthening politics and democratic capacity, will be opened," he said.

"Our intelligence agency... will follow the upcoming process closely to... ensure the promises made are kept."

While Ankara welcomed the decision to dissolve, it does not guarantee peace. Rather it paves

EXPLAINED
Reverberations in Syria, Iraq

THE KURDISH group's decision to disband could have a ripple effect in neighbouring countries. It could further isolate the Kurdish militia in north-eastern Syria, the Syrian Democratic Forces, which faces pressure to integrate into Syria's new military after Assad regime collapse. Ending hostilities against Turkey removes a constant flash-point in Kurdish-run, oil-rich northern Iraq.

the way for agreeing a tricky legal framework for securely disarming the PKK, designated a terrorist group by Turkey and its allies.

APKK official said all military operations would cease "immediately", and weapon handovers were contingent on Ankara's response and approach to Kurdish rights, and the fate of PKK fighters and leaders. Kurds make up some 20% of Turkey's 86 million population. The PKK held the congress in response to a February call to disband from its jailed leader Abdullah Ocalan, who has been imprisoned since 1999. It said Monday that he would manage the process. **REUTERS**

First white South Africans land in US under Trump refugee plan

REUTERS
JOHANNESBURG, MAY 12

THE TRUMP administration on Monday welcomed 59 white South Africans it has granted refugee status in the U.S. for being deemed victims of racial discrimination, a move that has drawn criticism from Democrats and stirred confusion in South Africa.

US President Donald Trump has blocked mostly non-white refugee admissions from the rest of the world but in February offered to resettle Afrikaners, the descendants of mostly Dutch settlers, saying they faced discrimination. Asked on Monday why white South Africans were being prioritized above the victims of famine and war elsewhere in Africa, Trump said, without pro-



Afrikaners arrive at Dulles, Virginia on Monday. AP

viding evidence, that Afrikaners were being killed. "It's a genocide that's taking place," Trump told reporters at the White House, going further than he has previously in echoing right-wing tropes about

their alleged persecution.

He was not favoring Afrikaners because they are white, Trump said, adding that their race "makes no difference to me." South Africa maintains there is no evidence of persecution and that claims of a "white genocide" in the country have not been backed up by evidence.

Speaking at a conference in Ivory Coast, South African President Cyril Ramaphosa said the white Afrikaners had ostensibly left because they were opposed to policies aimed at addressing racial inequality persisting since apartheid, or white minority, rule ended three decades ago. "We think that the American government has got the wrong end of the stick here, but we'll continue talking to them," he said.

A NEW YORK COURT CASE OVER A BRONZE SCULPTURE SHINES RARE LIGHT ON MULTI-MILLION-DOLLAR HANDSHAKE DEALS & PERVERSIVE SECRECY

Billionaires' unusual public battle over a sculpture exposes a mysterious art market

EPHRAT LIVNI
MAY 12

BILLIONAIRE ART collectors rarely air their deals or dirty laundry out in public. But a battle between a pair of boldfaced names over a Giacometti sculpture is now playing out in the open, shining a rare light on a global market featuring unlicensed agents, multi-million-dollar handshake deals and pervasive secrecy.

The Chinese crypto entrepreneur Justin Sun and the American entertainment executive David Geffen are slinging written accu-

sations at each other in federal court in New York, each claiming to be the rightful owner of Alberto Giacometti's *Le Nez* ("The Nose"). Along a trail stretching from New York to Singapore to Paris and back to the U.S., Sun says the sculpture was secretly sold by a dishonest adviser and sued for its return from Geffen, who recently struck back, accusing Sun of devising an elaborate fraud because he regrets the sale. Adding to the tangle is an agent who might or might not be to blame, and might or might not be in a Chinese detention center.

At a 2021 auction in New York, Mr. Sun, who founded the crypto

platform Tron in Singapore, paid \$78.4 million for *Le Nez*, a mid-century work of bronze, steel and iron depicting a head, suspended in an open cage with a very long nose.

Geffen bought the sculpture last year while it was on loan to the Giacometti Institute in Paris.

But early this year, Sun sued, alleging that an adviser who sold it to Geffen, for \$10.5 million and two unnamed paintings, had done so without his permission, forging documents and inventing a nonexistent Chinese lawyer to make the deal. The accused adviser was publicly connected with Sun and his art purchases

Alberto Giacometti's *Le Nez* on display at Sotheby's in New York City in 2021. NYT

for years and spoke about advising him on his bid for the Giacometti and other pieces.

Last month, Geffen sued Sun, accusing him of concocting a "sham" story about his adviser making an illegitimate sale. In reality, he charged, Sun had "seller's remorse" after trying to sell the paintings included in the deal, but finding they did not fetch offers as high as he had hoped.

Sun's lawyers fired the latest salvo on Wednesday, telling the court that Geffen is "completely misguided" and should actually be suing the adviser, who they say has been detained in China

since February "in connection with her confessed fraud and theft" — a claim that could not be independently verified.

A lawyer for Sun, William Charron, said in an email that Mr. Geffen's claims are "desperate and bizarre" and that he is clinging to a "fiction" that the adviser is not a thief. Whether there was really a theft is crucial, but will not necessarily decide the case, art lawyers say. If the adviser transferred the sculpture without authority, Sun could be named the rightful owner. Or Geffen could keep the sculpture if his reliance on her representations was reasonable.

"I've been in the art world for decades and I've seen so many shady deals. It's a business like nothing else," said Joshua Kaufman, an art lawyer in Washington, D.C. There are many facts in dispute and Sun's case faces an "uphill battle," said Jana Farmer, an art lawyer in New York.

Practically the only thing they appear to agree on is that the paintings traded in the 2024 deal are not to be publicly identified. The secrecy is most likely to avoid tainting the paintings' value with the fight over the sculpture, experts say. **NYT**



There's something deeply personal about playing in whites. The quiet grind, the long days, the small moments that no one sees but that stay with you forever. I'm walking away with a heart full of gratitude... I'll always look back at my Test career with a smile. #269, signing off.

VIRAT KOHLI, ANNOUNCING HIS RETIREMENT FROM TESTS

WHITES LOSE COLOUR

Former captain leaves Test cricket as India's fourth-highest run-getter, deservedly mentioned in the same breath as Tendulkar, Dravid, Gavaskar

SANDIP G

NEW DELHI, MAY 12

FORTWELVE years, Virat Kohli filled the most unfillable void in Indian cricket. Of Sachin Tendulkar. Now, he leaves Indian cricket with a fresh vacuum. Of Virat Kohli. Across 123 Tests, 210 innings, 9230 runs, 30 hundreds, and numerous match-winning feats in an era when India became a force abroad, he was the soul and spine of India's batting, its sustainer and destroyer.

Those were the best days of his life and the lives of many others too, which gave them meaning. As with Tendulkar, he was a hero of the masses, the one who was more than a batsman or a sportsman; an idol and an emotional investment, the numbers next to his name capable of both captivating and crushing the nation. His legacy, as a Test batsman, is straightforward. He is one of the greatest that strode to bat for his country. A prolonged slump during the pandemic diminished his numbers, denying the once unstoppable fate of him conquering every batting peak in the game. But Kohli bids goodbye as his country's fourth-highest run-getter, behind Tendulkar, Rahul Dravid, and Sunil Gavaskar. The placing is a precise and hierarchical reflection of his stature in Indian cricket. Not the GOAT, but one of the GOATS.

A definite set of common virtues binds them all at this level—grandeur of stroke-making, firmness of technique, resolve of the

The phase from late 2014 to late 2019 was the milieu of Kohli. Everything could be measured in the Kohli timeline. Hundreds arrived everywhere and in every situation, against spin and seam.

ness; unlike Gavaskar, he didn't soar into cricket's collective consciousness in his first series; unlike Dravid, he didn't marvel with technical purity. Rather, he built his career in blocks, step by step, moving closer to the best version of himself he could be. First came Kohli of uncontainable enthusiasm but with glitches, then appeared Kohli of the shredded abs but not entirely condition-proof, and then sprung the world-beater who surmounted everything he could in a five-year phase of luminousness.

The phase from late 2014 to late 2019 was the milieu of Kohli. Everything could be measured in the Kohli timeline. In just 90 outings, he stroked 5347 runs, more than half his overall numbers, composed 21 of his 30 centuries and maintained an average of 63.65. Hundreds arrived everywhere and in every situation, against spin and seam. He defeated the devils of swing, reeled two hundreds against James Anderson and Co, repeatedly vanquished the Australian quicks and surfaces with five centuries and kept a 54-plus average in every country he had toured.

The upward curve, unavoidably, plateaued. There was no late-career rebirth like Tendulkar—which probably cost him the claim to be considered an all-era great—but the five-year period was the best phase of Indian cricket this century, the pinnacle being the first series win in Australia. Some of his finest knocks were etched during this time, like the 153 in Centurion, the twin hundreds in Adelaide, or the 149 in Birmingham. Australia and South Africa were his favourite

overseas locales. His average of 49.50 in the Rainbow Nation is better than Tendulkar and Dravid; he tops the tally of hundreds in Australia by his countrymen too. In the fixation with the overseas statistics, it's convenient to forget how exemplary he was in India, where he was infallible at times. He averaged 55.58 to Tendulkar's 52.67 and Dravid's 51.35. He was the axis of India's home invincibility from 2012 to 2024, a

period of utter supremacy when they brushed adversaries aside.

He was not quite Tendulkar, but he was the closest India got to Tendulkar after his adieu. The pair differed in a lot of aspects, Tendulkar was more perfect and classical, kept evolving through the years and refined his game to such a consummate level that he made batting look utterly frictionless and routine, creating a sort of humdrum perfection. With Kohli, it was always a battle between his quest for perfection and the flaws that refused to die, a fascinating tussle in itself. There were fundamental deficiencies that could have revolted against him, like the bottom-handed cover drives, uncertainty outside the off-stump against the moving ball. But through practice and purpose, he ironed out the cracks that would have shaken the foundations of his batting and shoved him to the realm of imposters.

The burden on his shoulders were different; Tendulkar was thrust with the expectations of a developing, aspirational cricketing nation; Kohli bore the brunt of a powerhouse that was mercilessly intolerant to setbacks and stumbles, when the sensibilities were more modern and dynamic.

In the end, it might have come to a point where he was not getting that vibe, the energy and the buzz that turbocharged his career. It was the way he played and the way he was, soaring and gliding and carrying you. The burden of being Tendulkar's heir could have been suffocating, just as the pressure of being Kohli's heir would be in the coming years.

And, he leaves Indian cricket with a void. The void of Kohli.



Virat Kohli ended his Test career with 9,230 runs and 30 Test centuries.

PTI

7

Virat Kohli has scored 7 centuries in 15 Tests in Australia, the most by any Indian. With his ton in Perth in December, he piped Sachin Tendulkar, who had 6 in 20 Tests. Sunil Gavaskar had 5 in 11.

55.58

Kohli's average of 55.58 in India is higher than that of even Tendulkar, who averaged 52.67 at home, while Rahul Dravid averaged 51.35 and Gavaskar 50.16. Kohli hit 14 hundreds on home soil.

In post Rohit-Virat era, onus on 'garden mein ghoomne wale'

SRIRAM VEERA

MUMBAI, MAY 12

COUPLE OF years ago Rohit Sharma snapped on the field during a Test match at the lack of intensity from his younger team-mates, "Yadi koi garden mey ghooma, toh sab ki..." It became an amusing viral meme, reenacted by him as a joke in talk shows and IPL franchise's social-media content at various points. But in the moment, when it was said, it wasn't a joke—he really was pissed off at the intensity. Now, with the Test retirements of both Rohit and Virat Kohli, Indian Test cricket is in the hands of those 'garden mey ghoomne wale' log'.

Rohit's retirement was nudged by selectors, but they weren't ready for Kohli's move, and suddenly Indian Test cricket is left with a highly inexperienced team and a novice captain in all likelihood.

This isn't just uncertainty left by the exit of two men whose auras were so big that they were the team's identity. That happens with many sporting teams. The uncertainty is about the readiness of the younger lot in the oldest format. They were lucky that they had Kohli and Rohit for a while to shape and mould them, and hopefully leave a lingering effect on their own cricket. But Indian cricket

Indian cricket certainly is in uncharted territory now: for the first time perhaps, they will largely be led by a generation who hasn't warmed up to the rigours of Test cricket.

reported then, there were a couple of players with ambitions of leading the team and during the Sydney Test, when he dropped himself, Rohit Sharma decided to let off some steam in front of the cameras.

When he was asked if any youngster is ready to lead the Test team, Rohit didn't hold back. "It is very difficult to say. There are many boys. But I want them to understand the importance of cricket first. Understand the importance of this place. They are new boys. I know they should be given responsibility. But let them earn it. Let them play some hard-fought cricket for the next few years or whatever it is. Let them earn it," Rohit told *Star Sports*.

"I am here now. Bumrah is here. Virat was here before him. MS Dhoni was here before him. Everyone has earned it. Kisi ne humko plate pe saja ke nahi dia (no one gave it to us on a plate). No one should get it like this. Let them work hard. There is a lot of talent in the boys. But at the same time, I also want to say that it is not easy to become the captain of India. There is pressure. But it is a great honour. Our history and the way we play cricket has a great responsibility on both shoulders. So let them earn it."

India have not played any Test after that series, and so Rohit's assessment is still valid. And it's likely to be led by players who in Rohit's words haven't earned it yet. That's the kind of high-stakes Indian Test cricket finds itself in. Jasprit Bumrah's body isn't trusted to last 5 Tests in a row, Mohammed Shami is just coming back after injury layoff, and KL Rahul, for all his cool-renaissance in IPL, has to prove that he can perform consistently



Shubman Gill, tipped to be the next India captain, will be expected to take the team into a new era.

Sportzpics/File

through a series, and not just a knock or two of substance.

Remarkably, Ravindra Jadeja has proved to be the Great Survivor of our time as he has not only outlasted R Ashwin in Test cricket but has also seen the exits of Kohli and Sharma. However, considering Gambhir had not played him in the initial part of the Australia series, the longevity of his Test career isn't clear. India's experienced pool is these four players but they have their own issues. Bumrah and Shami with their bodies, Jadeja with trust from the management, and Rahul with the pressure of repaying the trust in him.

Most important figure-head of this team in the new phase becomes Gautam Gambhir, the head

coach who has to steer India through this tricky phase. The rigours of Test cricket is quite severe to say the least, and the boys have to grow into men, as they say, having been thrown into the deep end. Their motivations, urges, discipline, and passion for that format will now be tested. It's one thing to mouth the cliché about Test cricket being ultimate, quite another thing to walk the talk. Over the last couple of years, Rohit has occasionally spoken on the sidelines that his effort to make the youngsters understand the nuance of Test cricket was mentally exhausting. Always protective about the young, he didn't name anyone but one could read his wariness about the impetuous players who need to be educated all the time.

When his struggles overwhelmed him during the latter part of the Australia series, Kohli had stepped in to take a bigger leadership role. There he was on the penultimate day of the Sydney Test, in the absence of Rohit and Bumrah, waving his hand regally, taking full control on the field. A scene from his pomp: the flailing arms, the clapping hands, the chattering mouth, the whipping of the Indian section of fans, the annoyance if any fielder wasn't clued in, and the involvement with his entire being.

Now, neither the elder-brotherly way of Rohit who can scold and cajole, or the passionate leader of Kohli who can scowl and push, will be seen. The boys will have to learn by themselves not to wander but to take care of the garden. And that will determine not just their own careers but define Indian cricket's immediate future.

'Should have retired post England tour'



DILIP VENGSAKAR

I'M SURPRISED with the decision of Virat Kohli to retire especially because the big England tour is coming up in June. I think he (Virat) should have played against England. It's a five-match Test series in their backyard, a big series. He could have played the entire series and then called it a day. But he decided not to - and it's his call.

He had a great, outstanding innings. He evolved as a player after each series and each

year, a true match-winner.

Rohit Sharma and Virat will leave a big void. I'm sure there are players in the team who would like to grab the opportunity on the England tour now because I believe there is quality in the squad. The flip side of the retirements of these two players is that others will get the opportunity to establish themselves. The contribution of Virat and Rohit towards Indian cricket is huge and will be remembered for a long time.

I picked both Rohit and Virat during my tenure as a selector. What really impressed me about Virat was his match-winning ability, not only scoring hundreds but his desire to play till the end. He looked to finish the game on his own. He raised his hand that 'I will do it for the team.' That really impressed me. His hunger was more and he wanted to score big.

We gave him the opportunity hoping that he will play for India for a long time. Nobody

can predict how long a player will play, or that he will become a star. Everything depends on how disciplined, passionate they are going ahead in their careers.

I was amazed with his ethics and dedication. His mental toughness set him apart, he was mature at an early age. At the higher level, mental toughness decides the future. Mental strength is the difference between good players and legends. He scored everywhere and always ensured that he finished the game by himself.

Now with two modern greats retired, it's a good chance for those on the bench. India's bench strength is strong with a good domestic structure, but it will be a tough call for selectors to find the men who can fill the shoes of Virat and Rohit.

Dilip Vengsarkar played 116 Tests for India and is a former chief selector. He picked a young Kohli. He spoke to Devendra Pandey.

"As you retire from Tests, I'm reminded of your thoughtful gesture 12 years ago, during my last Test. You offered to gift me a thread from your late father. It was something too personal for me to accept, but the gesture was heartwarming and has stayed with me ever since. While I may not have a thread to offer in return, please know that you carry my deepest admiration and very best wishes."

SACHIN TENDULKAR

"Can't believe you are done. You are a modern-day GIANT and were a fantastic ambassador for Test cricket in every way you played and captained. Thank you for the lasting memories you've given to everyone, and to me in particular. It's something I will cherish for life."

RAVI SHASTRI

'MODERN-DAY GIANT'

"Virat, we've shared that era... faced the grind together, lived the long days of Test cricket with pride. Your batting in whites is special - not just in numbers, but in intent, intensity, and inspiration."

HARBHAJAN SINGH

"From making my Test debut under your captaincy to reaching new heights together for our country, your passion and energy will be missed but the legacy you leave behind remains unmatched."

JASPRIT BUMRAH

"Congratulations on a phenomenal Test career. As captain, you didn't just win matches - you changed mindsets. You made fitness, aggression, and pride in whites the new standard. From the time I saw you, knew that you are special. The intensity that you brought and the sheer passion with which you played Test cricket was a joy to watch. You were a great ambassador of Test cricket and wish you the best in One Day Cricket."

VIRENDER SEHWAG

"Congratulations Virat on a Test career you can be incredibly proud of! Your passion for the format was inspiring... and it was an honour to share the crease with you over the years, in the heat of many a battle, grinding it out for the country! Will cherish the several memories and partnerships together"

CHETESHWAR PUJARA

BRIEFLY

Ayush, Unnati aim to continue strong show

Bangkok: Ayush Shetty and Unnati Hooda will look to build on their recent impressive run, while Lakshya Sen will be eager to regain his rhythm during the Thailand Open Super 500. Ayush, 20, and 17-year-old Unnati had reached the semifinals of the Taipei Open Super 300 last week, but they will have to navigate the qualifying rounds to make it to the main draw here. While Ayush will take on Finland's Joakim Olofsson in his opening qualifying match, Unnati faces Thailand's Thamonwan Nithittikrai in the women's singles qualifiers.

World squash: Indian campaign ends

Chicago: India's campaign ended in the prestigious World Squash Championships here with all the four players losing their respective singles matches in the second round. Lone Indian in the women's singles, Anahat Singh lost 1-3 to Fayrouz Aboelkheir of Egypt. Anahat was able to level the scores at the end of the second game but eventually lost the match 7-11, 11-8, 4-11, 3-11 in the second round match that lasted 28 minutes Sunday night. The 17-year-old Anahat, ranked 62nd in the world, had earlier beaten world No. 28 American Marina Stefanoni in the opening round.

Equestrian: Anush records personal best

Bielefeld: Asian Games double-medal winning Indian dressage rider Anush Agarwalla delivered a personal best score of 69.44% at the Holtkamper Dressurtag Grand Prix here, marking an impressive outing with his new horse, Etro. It was only their second Grand Prix appearance together. The event, known for attracting top international riders, on Sunday saw the Indian Olympian and Etro earn praise for their graceful and technically strong performance.

Bopanna-Pavlascek advance in Rome

Rome: Veteran Indian tennis star Rohan Bopanna and his Czech partner Adam Pavlascek on Monday advanced to the second round of the men's doubles event at the Rome Masters here. Bopanna and Pavlascek stunned sixth seeded pair of New Zealand's Michael Venus and Croatia's Nikola Pietrangeli 4-6 7-6 (5) 10-4 in super tie-breaker to progress to the next round. Bopanna and Pavlascek will next face Great Britain's Joe Salisbury and Neal Skupski in the next round.

Ishpreet beats Advani to win snooker title

Mumbai: In a marathon final which went on for nine hours, Ishpreet Chadha emerged a 10-7 winner over Pankaj Advani to clinch the NSCI Baulkline Snooker tournament here. Advani enjoyed a superior potting as he led 4-3 at one stage, but Chadha intensified his efforts and showed consistency to edge past his opponent 238-238 in terms of balls-potted score. The only century break in the final was a 122 in the 16th frame by Advani, after which Chadha closed out the final in the 17th. The win also marks an end to Chadha's wait for success against Advani, having lost 8-10 in the last year's final and also 6-8 in the CCI Snooker Classic in March.

PRESS TRUST OF INDIA

IPL to resume on May 17; matches at 6 venues, final on June 3

VENKATA KRISHNA B
CHENNAI, MAY 12

THE INDIAN Premier League is all set to resume on May 17 with the final to be played on June 3, the Board of Control for Cricket in India (BCCI) announced on Monday. The IPL, which was suspended last Friday following hostilities between India and Pakistan, will now take place at six venues with those for the play-offs still to be decided.

Ever since India and Pakistan announced a ceasefire, the BCCI has been in a huddle to restart the league. After consultation with the government, the Board released the revised schedule which sees the tournament resuming in Bengaluru on Saturday with Royal Challengers Bengaluru taking on Kolkata Knight Riders. It will be followed by a double header on Sunday in Jaipur and Delhi as Rajasthan Royals take on Punjab Kings in the afternoon, followed by the evening clash between Delhi Capitals and Gujarat Titans.

Apart from these three venues,

Lucknow, Ahmedabad and Mumbai will see the remaining league fixtures being played. The Punjab Kings vs Delhi Capitals match, which was called-off mid-way on May 8, would now take place in Jaipur on May 24.

One of the options available to the BCCI as it finalised the revised schedule was to keep all the remaining matches in Chennai, Bengaluru and Hyderabad, far from the Pakistan border and the Line of Control. However, Chennai and Hyderabad won't witness any more action in the league stages, and it remains to be seen whether they get any play-off fixtures. Kolkata also misses out with sources in the BCCI saying a forecast of rain in the coming days was the primary reason.

Among the teams in play-off contention, the only team that will lose out on home advantage in the revised schedule is Punjab Kings. The franchise was supposed to play two of its remaining home matches (including the called-off one vs Delhi Capitals) at Dharamsala. Instead, they will now play both those games at the Saiwaj Man Singh Stadium in Jaipur.

REVISED SCHEDULE

May 17	7.30 pm	RCB vs KKR	Bengaluru
May 18	3.30 pm	RR vs PBKS	Jaipur
May 18	7.30 pm	DC vs GT	Delhi
May 19	7.30 pm	LSG vs SRH	Lucknow
May 20	7.30 pm	CSK vs RR	Delhi
May 21	7.30 pm	MI vs DC	Mumbai
May 22	7.30 pm	GT vs LSG	A'bad
May 23	7.30 pm	RCB vs SRH	Bengaluru
May 24	7.30 pm	PBKS vs DC	Jaipur
May 25	3.30 pm	GT vs CSK	A'bad
May 25	7.30 pm	SRH vs KKR	Delhi
May 26	7.30 pm	PBKS vs MI	Jaipur
May 27	7.30 pm	LSG vs RCB	Lucknow
May 29	7.30 pm	Qualifier 1	TBC
May 30	7.30 pm	Eliminator	TBC
June 1	7.30 pm	Qualifier 2	TBC
June 3	7.30 pm	Final	TBC

While the initial plan was to finish the IPL by May 31, the BCCI has now extended it by three days with the final now slated for June 3. It is understood that with the summer picking up, the BCCI wasn't keen on more double-headers as it would have increased the workload of the players. There are only two double-headers (May 18 and May 25) on successive Sundays.

Minor tweaks

There are other minor tweaks as well, where Royal Challengers Bengaluru, which were set to finish their league campaign at home will now play their last game at the Ekana Stadium against Lucknow Super Giants. With regards to the play-offs and final which Hyderabad and Kolkata were originally scheduled to host, sources in the board revealed that they are not ruled out, and a final call would be taken in the coming days. In case both are ruled out, Ahmedabad stands a strong chance to host the four games, but sources revealed that another venue could share the load.

Last Thursday, despite the rising tensions, the IPL went ahead with a game in

Dharamsala before the match was called off mid-way. Around the same time, there was a total blackout in Pathankot – only 80km away – because of a drone strike. Following a phone call from a top BCCI official, the match was called off and on Friday, the BCCI officially suspended the league for a week. But after the ceasefire was announced on Saturday, the Board asked the franchises to assemble back their players by Tuesday.

Gujarat Titans and Mumbai Indians have already resumed training with the other teams expected to begin by Wednesday.

With a majority of the overseas players already back in their respective countries, franchises have expressed concerns about their availability. Whether all of them will rejoin the squads remains the big question among the franchises. There are indications that Australia pacers Josh Hazlewood and Mitchell Starc may not rejoin RCB and Delhi Capitals for the remaining matches because of niggles. The duo are in line to play the World Test Championship final against South Africa beginning June 11.

Sprinting for a World Cup spot

In first full training camp since Olympics, Craig Fulton lays emphasis on improving fitness ahead of gruelling European leg of Pro League

MIHIR VASAVDA
MUMBAI, MAY 12

BY THEIR own admission, Craig Fulton has made his players do 'crazy' things. They've climbed Table Mountain and rappelled in the Swiss Alps. Yet, when they returned to the team's base in Bengaluru late April, the back-to-back Olympic medalists were already 'questioning' their 'life choices'.

Sharpening skills and learning new tactics weren't the only items on the to-do list of the 55 players, now pruned to 40, who reported for the national camp. What awaited them were 400m sprints, middle-distance runs, mile-long endurance drills, galloping down the hills and intense gym workouts. On top of all that were routine – and unrelenting – turf sessions, rehearsing penalty corners (attack and defence) and shooting skills.

"Camp mode: Dead," vice-captain Hardik Singh wrote, in jest, on his social media page, after just the second day of the camp.

Scroll down the timeline of any player, and all one sees is him on the running track, on mountain slopes, or at the gym. "This is the most intense training block we have had since the Paris Olympics," says Hardik.

For a good part of the last 15 years, India has consistently been one of the fittest units in world hockey. Yet, Fulton doubled down on this aspect with a singular goal: to get them back to the levels shown in Paris last summer.

A bunch of 'red sessions', perhaps, were also to lay down benchmarks for the newcomers into the system in the new Olympic cycle. And because of what Fulton saw during the FIH Pro League home leg in February. Back then, his players – without having much rest or an off-season – looked jaded, their bodies broken and performances flat.

Eyes on World Cup berth

With the away leg of the Pro League, where a World Cup spot awaits the winners, less than a month away, Fulton is not taking any chances.

"Iron sharpens iron," the chief coach tells The Indian Express. "As the cliché goes, the harder you work, the harder it is to surrender. So, we're working hard on our fitness and hopefully, it translates on the field, off-ball, and on-ball."

The second half of the Pro League will be in Amstelveen and Antwerp, from June 7 to 22, when India will face the



India, placed third at the moment, will hope to win the Pro League and seal the 2026 World Cup berth. Hockey India

Netherlands, Argentina, Belgium and Australia. With 15 points from eight games, India are third behind England and Belgium, and winners of the league will be rewarded with a direct spot at next year's World Cup.

"The bottom line is that we have the opportunity to qualify for the World Cup through the Pro League. So, we are pushing hard to see how far we can go, and it would be nice if we could win the Pro League," Fulton says. "At the same time, Belgium has qualified, Holland has qualified (for the World Cup, as hosts), Australia has qualified, they're defending champions. So, we want to be really well prepared for that mega performance."

This is the first full training camp the team has had since the Paris Olympics; an uncommon occurrence for a squad that otherwise

spends more than half the year in camps.

Increasing endurance

However, since last August, one event has rolled into another, giving the team management very little time to condition the players for matches. It started with the prolonged post-Olympic celebrations, which were interrupted only for the Asian Champions Trophy. The Hockey India League ate into the only clear off-season window, and a week after its conclusion, the new international season began with the India leg of the Pro League. Weeks later, all

players turned up for their states and departments in the National Championships. Individually, the players did their thing – former captain Manpreet Singh, for instance, shed six kilos to get in shape for the

World Cup.

Yet, so concerned was Hockey India about the players' well-being that they dispatched the national team medical and strength and conditioning staff to monitor their fitness. The team's scientific advisor Alan Tan, Hardik says, 'trusts the track' to improve the players' endurance.

"You run 400m, 1,600m, on the hills... and you get to know how much you can push yourselves. You are testing your limits. The body gets exhausted, but you still have to push, stay fit. What goes on behind the scenes... that's the hardest thing to do," Hardik says.

India will play six matches in nine days in the Netherlands and Belgium, followed by a week-long break before the last two games. Fulton said the increased focus on improving the team's fitness is to ensure the players are conditioned for a 'really tough and heavy schedule.'

"You need to have the ability to play out games; to start strong, and also to manage when a team is down 1-2 at half-time or 0-2 with the fourth quarter to go... Can you sustain the last 15 minutes? You have to

build that stamina," he says.

The ability to play all four quarters with high intensity is what helped India navigate a tricky draw at the Paris Olympics and finish on the podium. Breaking the stereotype of conceding late goals, India remained vigilant and didn't let their levels drop against Australia, Great Britain and Spain, while pushing Germany till the final second in the semifinals.

Fulton says improved endurance levels help his players to execute their skills better, making them even more dangerous.

"We can control our level of fitness, and if we do a good job with that, everything else falls into place because we have nice attacking players, we have a real focus on defence. (If) We get the defence right, we can attack more, but if you want to attack more, you need to be fitter, else you can't sustain it," he says.

"Everything links back to conditioning, and the level of your conditioning literally gives you the level of your skill. It releases the potential of the skill-set that you have, because you can do it and repeatedly do it. So that's what we're trying to improve."

FOREIGN HAND

Serial-winner Ancelotti's new task: Make Brazil world champions again

REUTERS
MADRID, MAY 12

ITALIAN CARLO Ancelotti, one of the most decorated managers in world football, will become Brazil coach after leaving Real Madrid at the end of the season, the Brazilian FA (CBF) said on Monday after finally landing their first-choice candidate.

The 65-year-old Ancelotti has enjoyed four hugely successful years in his second tenure at the Spanish giants but they are set to finish this season without a trophy.

He is set to be replaced at the Bernabeu by former Real midfielder Xabi Alonso, with sources close to the 41-year-old former Spain international saying he has agreed a two-year deal with the option to extend it by an extra year.

"Ancelotti begins his mission next week," the CBF said in a statement. "He will meet with CBF officials to finalise the preliminary list of players called up for the World Cup qualifiers against Ecuador and Paraguay next month. On the 26th, in Brazil, the coach will announce the final squad."

Brazilian football sources said Ancelotti will sign a one-year deal to become the

world's highest-paid national team coach ahead of the 2026 World Cup, with the option to extend his contract. Real have yet to announce Ancelotti's departure.

"Bringing Carlo Ancelotti to coach Brazil is more than a strategic move. It is a statement to the world that we are determined to regain football's top spot," CBF President Ednaldo Rodrigues said in the statement.

"He is the greatest coach in history and now he is at the helm of the greatest national team on the planet. Together, we will write new chapters in the glorious history of Brazilian football."

'No-brainer'

The CBF's announcement confirms a highly anticipated move, ending a saga that has rumbled on for years.

Rodrigues first acknowledged in an exclusive interview with Reuters more than two years ago that he intended to sign Ancelotti, saying 'it would be a no-brainer' having him in charge after coach Tite left following a heartbreaking loss on penalties to Croatia in the 2022 World Cup quarter-finals.

Rodrigues was unable to lure Ancelotti away from Real then and when the Italian extended his Real contract for two more

EXPLAINED
E Why naming foreigner as coach is a big deal

THERE HAS been staunch opposition in Brazil to a foreigner becoming the coach. Rivaldo, the 2002 World Cup winner, once said: "The Selecao is ours and has to be managed by someone who has Brazilian blood running through his veins." In Carlo Ancelotti, Brazil have a coach who has won everything at club level. Nothing less than a World Cup win next year will be considered success for the Italian.

years in December 2023 it appeared to end any chances of him taking over the five-times world champions any time soon. However, after Brazil's new manager Dorival Jr was fired in March after just over a year in the job due to a series of bad results, Rodrigues turned to Ancelotti again. The Italian had a year remaining on his

contract but Real's underwhelming season and his desire to coach Brazil have led to a mutual agreement to part ways, soccer sources added.

Alonso set to join Real Madrid

An official announcement regarding a managerial change is expected before Real's last game of the season at home to Real Sociedad on May 25, when Ancelotti should receive a fitting farewell to recognise his great success with the club. His replacement Alonso, 43, who said on Friday that he was leaving Bayer Leverkusen after guiding them to a domestic double last term, will join Real before the inaugural Club World Cup in the United States from June 14 to July 14, club sources said.

When Ancelotti was lured back to Madrid for a second spell three years ago, following the departure of club great Zinedine Zidane, the Italian knew that his only mission was to increase Real's trophy haul and he did not disappoint. He became the first manager to capture titles in each of Europe's top five leagues – England, Spain, Germany, Italy and France – and has guided Real to two Champions League and LaLiga doubles in three seasons.



Carlo Ancelotti, who managed Vinicius Jr. at Real Madrid, will be reunited with the forward as the coach of Brazil. He will take charge on May 26. Reuters

दैनिक नवज्योति

सफलता, निष्पक्ष और
विश्वसनीयता के



राष्ट्रीय

वर्ष 89 | अंक 130 मूल्य 4.50 (पृष्ठ संख्या 12)

RNI No. - RJHIN/25/RAA27

ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा, संवत् 2082

Since 1936

अजमेर, मंगलवार
13 मई, 2025



SBI MUTUAL FUND
A PARTNER FOR LIFE

हर भारतीय के लिए, हर जगह

भारत के 95% पिनकोड में हमारी पहुंच के साथ हम हर भारतीय के निवेश के सफर में उनके पार्टनर बनते आए हैं।

हम सबका म्युचुअल फंड



हमारे सोल्यूशन्स के बारे में जानने के लिए, अपने MFD/RIA से संपर्क करें | हमारा invesTap डाउनलोड करें Android और iOS पर | हमें फॉलो करें: [f](#) [X](#) [v](#) [i](#) [n](#) [w](#)

म्युचुअल फंड निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन हैं, योजना से जुड़े सभी दस्तावेज़ ध्यान से पढ़ें ।

सफलता, निष्पक्ष और
विश्वसनीयता के



दैनिक नवज्योति

राष्ट्रीय

ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा, संवत 2082

Since 1936

अजमेर, मंगलवार

13 मई, 2025

32 नागरिक हवाई अड्डों पर विमान संचालन शुरू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने हिंडन, श्रीनगर, चंडीगढ़, जोधपुर, राजकोट और भुज समेत देश के 32 हवाई अड्डों को नागरिक विमान परिचालन के लिए फिर से खोल दिया है।

सरकार ने पाकिस्तान के साथ सैन्य कार्रवाई के मद्देनजर इन हवाई अड्डों पर संचालन 15 मई, 2025 को सुबह पांच बजकर 29 मिनट तक के लिए अस्थायी रूप बंद कर दिया था। अब इस पाबंदी को अब हटा लिया है।

ये हवाई अड्डे अब तत्काल प्रभाव से नागरिक विमान परिचालन के लिए उपलब्ध हैं।

व्हाट्सअप पर खूब चला

फाइनल मैच चल रहा था हम जीत के करीब थे अचानक रेफरी यानी तीसरे अम्पायर अमेरिका ने बीच मैदान में आकर अपने विटों पाँच का पूरा यूज कर मैच बीच में ही रद्द करने की घोषणा कर हमें विजेता होने से रोक दिया।

सवाल तो पूछे जायेंगे: संसद का विशेष सत्र और सर्वदलीय बैठक कब होगी? क्या प्रधान जी उनमें शामिल होंगे?

क्या सीजफायर पर कैबिनेट से सहमति ली गई या ये अकेले मुखिया जी का फैसला है?

क्या सीजफायर की निर्णय प्रक्रिया में विपक्ष को शामिल किया गया, सहमति ली गई?

क्या तीनों सेनाओं के मुखिया और CDS इस समय सीजफायर पर सहमत थे?

पहलगाम के मृतकों और बाद के संघर्ष में शहीद किसी जवान के घर आंसू पोंछने कब जायेंगे? और दूसरे देश क्यों देश के निर्णयों के बीच में आया।

संकलन: कोसिनोक जैन

पीएम ने देश को किया संबोधित

पाकिस्तान को दी खुली चेतावनी

दुनिया ने देख लिया हमारी बहन-बेटियों के माथे से सिंदूर हटाने का अंजाम क्या होता है?

घबराए पाकिस्तान ने गुहार लगाई तो युद्धविराम किया

पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते

अब बात सिर्फ आतंकवाद और पीओके पर होगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार रात 8 बजे देश को संबोधित किया। अपने 22 मिनट के भाषण में प्रधानमंत्री ने पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर, सीजफायर, आतंकवाद, सिंधु जल समझौते और पीओक पर बात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन आतंकियों ने हमारी मां-बहनों का सिंदूर मिटाया, हमने उन्हें मिटा दिया। हमारे ऑपरेशन में 100 से ज्यादा खूंखार आतंकवादी मारे गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान की गुहार पर भारत ने संघर्ष रोकने की सहमति दी है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ मिलिट्री एक्शन को केवल स्थगित किया है। पाकिस्तान का रवैया देखकर आगे का एक्शन तय करेंगे।

आतंकियों ने निर्दोष लोगों को उनके परिवार के सामने मारा

मोदी ने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने जो बर्बरता दिखाई, उसने देश और दुनिया को झकझोर दिया था। छुट्टियां मना रहे निर्दोष मासुखों को उनके परिवार के सामने, बच्चों के सामने बेरहमी से मार डालना ये आतंक का बहुत वीभत्स चेहरा है। यह देश के सद्भाव को तोड़ने की घिनौनी कोशिश भी थी।

हमने सेनाओं को पूरी छूट दी

मोदी ने कहा कि इस आतंकी हमले के बाद सारा राष्ट्र, हर नागरिक, हर समाज हर वर्ग हर राजनीतिक दल एक स्वर में आतंक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए उठ खड़ा हुआ। हमने आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने के लिए भारत की सेनाओं को पूरी छूट दे दी। आज हर आतंकी आतंक का हर संगठन जान चुका है कि हमारी बहनों बेटियों के माथे से सिंदूर हटाने का अंजाम क्या होता है।

हमने कार्रवाई सिर्फ स्थगित की है, फिर हिमाकत की तो मुंहतोड़ जवाब देंगे

पाक ने बौखलाहट में हमला किया

आतंक के बहुत सारे आका बीते ढाई तीन दशकों से खुलेआम पाकिस्तान में घूम रहे थे। जो भारत के खिलाफ साजिशें करते थे। उन्हें भारत ने एक झटके में खत्म कर दिया। इस कार्रवाई से पाकिस्तान हताशा में धिर गया था। बौखला गया था। इसी बौखलाहट में उसने एक और दुस्साहस किया, आतंक पर भारत की कार्रवाई का साथ देने की बजाय पाकिस्तान ने भारत पर ही हमला करना शुरू कर दिया।



सिंदूर लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ नाम नहीं, देश के कोटि-कोटि लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब है। ऑपरेशन सिंदूर न्याय की अखंड प्रतिज्ञा है। 6 मई की देर रहा 7 मई की सुबह पूरी दुनिया ने इस प्रतिज्ञा को परिणाम में

भारत ने आतंक के हेडक्वार्टर्स उजाड़ दिए

जब पाकिस्तान में आतंक के अड्डों पर भारत की मिसाइलों ने हमला बोला, भारत के ड्रोंस ने हमला बोला तो आतंकी संगठनों की इमारतें ही नहीं, हौसला भी धरंर गया। बहालपुर और मुरीदके जैसे आतंकी ठिकाने एक प्रकार से ग्लोबल

बदलते देखा है। भारत की सेनाओं ने पाकिस्तान में आतंक के ठिकानों, ट्रेनिंग सेंटर पर सटीक प्रहार किया। आतंकवादियों ने सपने में भी नहीं सोचा था कि भारत इतना बड़ा फैसला ले सकता है।

टैरिज्म की यूनिवर्सिटीज रही हैं। आतंकियों ने हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था, इसलिए भारत ने आतंक के ये हेडक्वार्टर्स उजाड़ दिए। इन हमलों के ये हेडक्वार्टर्स उजाड़ दिए। इन हमलों में 100 से ज्यादा खूंखार आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा गया है।

पाकिस्तानी वायुसेना के एयरबेस को नुकसान पहुंचाया

मोदी ने कहा कि पाकिस्तान ने हमारे गुरुद्वारों, घरों, मंदिरों और स्कूलों को निशाना बनाया। पाकिस्तान ने सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया लेकिन इसमें भी पाकिस्तान खुद बेनकाब हो गया। दुनिया ने देखा कैसे पाकिस्तान के ड्रोन, मिसाइलें भारत के सामने तिनके की तरह बिखर गईं। भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने उन्हें आसमान में ही नष्ट कर दिया। पाकिस्तान की तैयारी सीमा पर वार की थी, लेकिन भारत ने पाकिस्तान के सीने पर वार कर दिया। भारत के ड्रोंस, मिसाइलों ने सटीकता के साथ हमला किया। पाकिस्तानी वायुसेना के एयरबेस को नुकसान पहुंचाया, जिस पर बहुत घर्मंड था। पहले तीन दिनों में ही पाकिस्तान को इतना तबाह कर दिया जिसका उसे अंदाजा भी नहीं था।

सीज फायर की गुहार लगाने लगा पाक : मोदी ने कहा कि जब पाकिस्तान की तरफ से गुहार लगाई गईए जब ये कहा गया कि उसकी ओर से आगे कोई आतंकी गतिविधि और सैन्य दुस्साहस नहीं दिखाया जाएगा, जब भारत ने उस पर विचार किया। मैं फिर दोहरा रहा हूं हमने पाकिस्तान के आतंकी और सैन्य ठिकानों को जवाबी कार्रवाई को सिर्फ स्थगित किया है, आने वाले दिनों में हम पाकिस्तान के हर कदम को इस कसौटी पर मापेंगे कि वो आगे क्या रवैया अपनाता है।

जयपुर सहित कई जिलों में शाम को अचानक पलटा मौसम, कहीं बारिश तो कहीं गिरे ओले

कोटा, उदयपुर, जयपुर, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में आज भी आंधी-बारिश के आसार



ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित कई जिलों में सोमवार शाम को अचानक मौसम पलट गया। जयपुर समेत कई जिलों में तेज बारिश हुई। जयपुर में शाम को अचानक शहर के कई इलाकों में बादल छापे और फिर कुछ देर बारिश हुई। वहीं बुंदालाबांदा का दौर रुक रुक कर चलता रहा। केकड़ी में ओले गिरे। टोंक, अजमेर, हनुमानगढ़, नागौर, सीकर समेत कई शहरों में दोपहर बाद बादल छापे और कहीं बुंदालाबांदा तो कहीं बारिश हुई। इससे पहले राजस्थान के कई शहरों में सोमवार को तापमान में बढ़ोतरी हुई और गर्मी तेज रही। सीमावर्ती जिलों में तापमान 40 से 42 डिग्री के बीच दर्ज होने व कहीं-कहीं हीटवेव का नया दौर शुरू होने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान के कोटा, उदयपुर, जयपुर, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में 13 मई को भी कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है।

तापमान में दो-तीन डिग्री का होगा इजाफा

मौसम विभाग केन्द्र जयपुर से मिली जानकारी के अनुसार 13 मई से पश्चिमी राजस्थान के कुछ भागों से आंधी-बारिश की गतिविधियों में कमी होने और तापमान में 2-3 डिग्री बढ़ोतरी होने की संभावना है। जोधपुर, बीकानेर संभाग के सीमावर्ती क्षेत्रों में 14 मई से अधिकतम तापमान 44-45 डिग्री दर्ज होने व कहीं-कहीं हीटवेव का नया दौर शुरू होने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान के कोटा, उदयपुर, जयपुर, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में 13 मई को भी कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है।



ALWAYS FORWARD



BHIM पेमेंट्स ऐप का उपयोग करें और पाएं

₹30 तक का कैशबैक* हर दिन 30 दिन तक।

ऑफर आपके नज़दीकी किराना स्टोर्स, ऑनलाइन फूड एंड ग्रासरी ऑर्डर्स, सुपरमार्केट्स और रेस्टोरेंट्स में भी लागू।

ऑफर वैधता May 13, 2025 - June 13, 2025



*अन्य नियम व शर्तें लागू। अधिक जानकारी के लिए, <https://www.bhimupi.org.in/offers> पर जाएं



अगले मिशन की तैयारी

भा रत ने पाकिस्तान को अंततः स्पष्ट कर दिया है कि उसकी लड़ाई आतंकवाद के खिलाफ है। इसके लिए ही ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जो आगे भी जारी रहेगा। सोमवार को सेना के डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव शर्मा, नेवी के वाइस एडमिरल एमए प्रभोदी और एयरफोर्स के एअर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जरूरत पड़ने पर सेनाएं अगले मिशन के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान अब जैसा करेगा, उसे वैसा ही जवाब मिलेगा। यह एक अलग तरह की जंग थी। हर लड़ाई अलग होती है उसका जवाब भी अलग तरीके से दिया जाता है। फिर यह भी सत्य है कि भय के बिना प्रीत नहीं होती। यह वक्तव्य हमारी सेना के साहस, दृढ़ संकल्प और विजयी भाव की झलक दिखा रहा है, स्वागत योग्य है। पिछले चौबीस घंटों में देश के सीमाई क्षेत्रों और नियंत्रण रेखा के बीच किसी तरह के संघर्ष को खोई चुकना भी नहीं मिला है। यह संतोष की बात है। यह तथ्य स्वीकारना होगा कि भारत ने पाकिस्तान की हर सैन्य कार्यवाही पर तगड़ा प्रहार किया है। भारत की सुरक्षा प्रणाली अभेद्य रही। प्रहार सटीक, संतुलित और लक्ष्य भेदी रहे। आतंकवादियों के अड्डों को उड़ाने के बाद उसे प्रथम देने वाली पाकिस्तानी सेना के सैन्य दिक्कानों को भी तहस-नहस करने में कामयाबी पाई। जिनमें सौ आतंकी और पैरासो से चालीस पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। भारत ने पूरी दुनिया को ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से अपनी मजबूत सैन्य शक्ति का जलवा दिखा दिया है। पाकिस्तान को भी यह अहसास करा दिया गया है कि अब आगे उसकी ऐसी चालें नहीं चलेंगी। उसके हर हिस्से तक पहुंचने या प्रहार करने में भारत सक्षम है। पाकिस्तान के शासन और सैन्य प्रशासन पर राजनीतिक, कूटनीतिक, सैन्य और मनोवैज्ञानिक प्रभाव डालने में सक्षम रहा। सिंधु जल संधि को स्थगित कर आर्थिक प्रहार किया सो अलग। यह चेतावनी भी दी गई है कि आतंकवाद के हर कृत्तक को वह अब युद्ध की कार्यवाही मानेगा। इस पूरी प्रक्रण में भारत ने अपनी संयम और परिपक्व देश की छवि की छाप छोड़ी है। प्रथमदर्शिन नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मुख्य सुरक्षा सलाहकार, सीडीएस अनिल चौहान सहित तीनों सेनाध्यक्षों की उच्च स्तरीय बैठक भी हुई। वहीं, पाटी स्तर पर भाजपा के सांसद सिंबल पात्रा ने भी एक प्रवक्ता सम्मेलन को संबोधित किया। सघर्ष विषय के बाद अब पाकिस्तान की चाहिए कि यह केवल पहला कदम है। उसे इस अवसर को व्यर्थ नहीं करना चाहिए। भारत से नानाक मत करे हुए स्थानीय शांति के प्रयास करने चाहिए। टकराव की बजाय उसे देश के विकास के साथ जनता की भलाई का सोचना चाहिए। वहीं, भारत को अपनी रक्षा क्षमताओं की समीक्षा करते हुए अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने के लिए अन्यायों से लेकर निवेश के जपन करने होंगे। पाकिस्तान के चीन, तुर्किए के साथ संबंधों को ध्यान में रखते हुए। वहीं, आतंकवाद के बदले स्वल्प, और पाकिस्तान की ओर से कर्मचारी समस्या के समाधान के लिए तीसरे देश की मध्यस्थता के प्रयासों के प्रति संतुष्ट रहना होगा।

हेल्थ इज वेल्थ

अस्थमा फेफड़ों की एक बीमारी है, जिसके कारण सांस लेने में कठिनाई होती है। अस्थमा होने पर श्वास नलियों में सूजन आ जाती है, जिस कारण श्वसन मार्ग सिकुड़ जाता है।

1. अस्थमा में बलगत वाली खांसी या सूखी खांसी होती है।
2. सीने में जकड़न जैसा महसूस होता है।
3. सांस लेने में कठिनाई होती है।
4. सांस लेते समय घरघराहट की आवाज आती है।
5. रात में या सुबह के समय स्थिति और गंभीर हो जाती है।
6. अस्थमा का सबसे बड़ा कारण है प्रदूषण।
7. सर्दी, फ्लू, धूम्रपान, मौसम में बदलाव के कारण भी लोग अस्थमा से ग्रसित हो रहे हैं।

आज का विचार



मेहनत और लगातार अभ्यास एक ऐसी चाबी है, जो भाग्य के बंद दरवाजे को भी खोल देती है। हमारी कमजोरी बीच में हार मान लेना है। सफल होने का मंत्र हमेशा एक बार और प्रयास करना है।

-श्री चन्द्रप्रभ जी

अपनों से अपनी सी बात

कार्य को बनाएं हस्ताक्षर

आपके हस्ताक्षर बड़े कीमती होते हैं। आप कहीं पर हस्ताक्षर नहीं करते, तो उसका मतलब है कि अमुक कार्य के लिए आप निर्दिष्ट हैं। आप किसी काजग पर हस्ताक्षर करके अपने सम्पत्ति किसी के नाम कर सकते हैं। तो मालूम क्या पड़ा कि हमारे हस्ताक्षर बड़े कीमती हैं। अपने हर कार्य के लिए हम हस्ताक्षर बनाइए, उसने इतनी कुशलता से कीजिए कि लोगों को पता लग जाए कि ये काम अमुक व्यक्ति ने किया है। काम छोटा हो या बड़ा उसने अपनी पूरी ईमानदारी व प्राणपण से किया। अकार्य विनोबा भावे सड़क पर झाड़ू लगाने का कार्य कर रहे थे। किसी ने टोका, महाराज ! सड़क पर झाड़ू रहे तो लगा रहे हैं, इतनी सफाई से लगाने की क्या जरूरत है। इतना समय क्यों लगा रहे हैं, ये तो सड़क है फिर गन्दी है। जमाना जमाना भावे ने कहा-अपका हर कार्य आपको हस्ताक्षर बन जाना चाहिए। लोगों को मालूम पड़ जाना चाहिए कि फलां कार्य फलां व्यक्ति ने किया है। अगर हम हमारे हर कार्य को अपना हस्ताक्षर समझकर करेंगे तो वह कीमती बनेगा। एक महात्मा जी किसी के घर में ठहरे हुए थे। उन्होंने घरावालों से कहा कि मैं सुबह चार बजे चला जाऊंगा अपने आप, किसी को परेशान होने की जरूरत नहीं है। सुबह चार बजे लोगों ने कमरे में जाकर देखा, जहां महात्माजी सोए थे उठने-पाया कि महात्माजी अपने बिस्तर को अच्छी तरह से झाड़ू-फटकार कर गए हैं। और उस कमरे को धो-पूछ कर गए हैं। घर के लोग हैरान थे इतनी सुबह ये सब काम इतने बड़े महात्माजी करके गए हैं। आपका कार्य ही आपको महान बनाता है, आपके पूजनीय व आदरणीय बनाता है, आपके सफल बनाता है।

-ललित अकिंचन

Feedback@dainiknavajyoti.com

जाति जनगणना : सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम

मंथन



जाति भारतीय समाज के कई पहलुओं को आकार देने के लिए एक पहचान बनी हुई है। समाजशास्त्रियों ने जाति व्यवस्था की कई प्रमुख विशेषताओं की पहचान की है। उनमें पारंपरिक पदानुक्रमिक संरचना, अंतर्जातीय विवाह, अंतरजातीय विवाह का प्रतिरोध, सामाजिक संपर्क पर प्रतिबंध, पारंपरिक व्यावसायिक विशेषज्ञता, जाति पंचायतें, शारीरिक और सामाजिक अलगाव और भेदभाव, सीमित सामाजिक और व्यावसायिक गतिशीलता शामिल हैं।

जल तरंगा

जब वह पानी-पानी हो गया

पानी-पानी तो उसे होना ही था, जब वह रश्मि ख़ा गया और मेरा काम नहीं कर पाया। मैं उसे रश्मि ख़ा कब देना चाहता था, लेकिन उसने मुझे मजबूर कर दिया तथा बेवसी में मुझे काम के बदले रश्मि देनी पड़ी थी। लेकिन वह दूट था, चिकने घड़े की तरह, उस पर पानी नहीं ठहरता था। मुझे से बोला कि घबराओ मत, मैं तुम्हारा काम अवश्य कर दूंगा। मैं बोला कि मुझे बेवकूफ़ मत बनाओ, तुमने मेरी विवशता का लाभ उठाया है, वैसे मेरा काम नहीं चलत भी नहीं है, सर्वथा नियमानुसार है, मुझे से रश्मि लेने की क्या जरूरत थी तुम्हें क्या तुम्हें वेतन नहीं मिलता। उसने बत्तीसी निकाली और बोला-मिलने को तो वेतन के साथ नोबेस भी मिलता है, इसका मतलब यह तो नहीं कि मैं इस नए सिंघाचार शुल्क को त्याग दूं। यह मेरे जीवन का आधार है तथा भौतिकता का मूलाधार है। रही काम करने की बात मैं इंकार कब कर रहा हूँ, कार्य अवश्य करूँ मैंने किसी का काम कराना का ठेका लिया है, तो उसे किया करूँ है, मैं काम में हो रहे विलम्ब के लिए अवश्य दोषी हूँ। लेकिन पूरा साल गुजर गया, मुझे लगता है एक दिन मैं भी गुजर ही जाऊँगा और तुम मेरा कार्य नहीं कर पाओगे। वह बोला-ऐसा मत सोचो, मैं निश्चित रूप से तुम्हारा कार्य कराने की दिशा में ही सक्रिय हूँ, ऐसा कर, तुम अगले सप्ताह में मिलो, उम्मीद है काम हो जाए। मैंने कहा क्या तुम जब वह पानी-पानी हो गया, मुखबार जानते हो। क्यों नहीं, तो बताओ इसका अर्थ उसने कहा शर्म से डूब जाना। तुम में थोड़ी बहुत शर्म-हवा और गैरत हो तो मेरा कार्य करवा दो अन्यथा मेरी हाथ तुम्हारे बुरे के लिए निकल पड़ेगी। वह हंसा-फिर बेहदगी से बोला अभी दुराशीषों को रहने दो भीतर-मुझे मौका दो, काम तुम्हारा होगा दर या सबेर देखो तोपी मैं भी हूँ कि मैं तुम्हें रश्मि ख़ा दूँ, लेकिन मैंने कहा नर कि मैं साठ साल का बूढ़ा, निर्वल काया वाला आदमी हूँ, चाहता हूँ कि सेवानिवृत्ति का पैसा मिल जाए, तो छोटी बेटी का विवाह करके अपने दायित्वों से मुक्ति पा लूँगा। मैंने कहा। वह एक क्षण को चुप हो गया और मैंने उस गौर से देखा कहीं वह शर्म से पानी-पानी तो नहीं हो गया है, लेकिन वह तटस्थ और इत्मीनान भाव से आकाश को देखकर बगल में खड़े नीम के पेड़ को देखने लगा था, मुझे लगा मेरे सिर पर उसीने की बूँदें उभर आई हैं। मैंने उन्हें पोंछा और कहा-क्या सोचने लगे, क्या तुम पानी-पानी हो गए हो। वह बोला नहीं, तो फिर क्या संचेने लगे। यही कि तुम्हारा काम हो जाए, तो ठीक रहे, यह गलत है कि मैं रश्मि ख़ा लेकर भी तुम्हारा काम नहीं कर सकूँ। इसका मतलब तुम्हें अपने किए पर अफ़सोस है। वह फिर बोला नहीं तो फिर यही कि तुम्हारा काम हो जाए, तो तुम्हारी पत्नी के हाथ पीले हो जाएं और उसका प्रणय मुझे भी मिल जाए, वह बोला।

-पूरन सरमा

यह लेखक के अपने विचार हैं।

सामयिक

ट्रंप की नीतियां बनी अल्बनीज के लिए वरदान

ऑस्ट्रेलिया के आम चुनावों में मध्यममार्गीय वामपंथी लेबर पार्टी ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है। मौजूदा प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानी ने कहा कि लिए यह किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है। वह वे दो दशक में दूसरी बार प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी वहन कर रहे हैं। दूसरी ओर प्रमुख विपक्षी जीत लबरल पार्टी को इस चुनावों में जबरदस्त शिकस्त मिली। यहां तक कि उसके नेतृत्व पीटर डटन अपनी सीट से चुनाव हार गए हैं। अल्बानी जीत की दूसरी जीत है। इसलिए श्री मायने रखती है, क्योंकि उनका पिछला तीन साल का कार्यकाल अर्थव्यवस्था, मुद्रास्फीति और आब्रजन जैसे मुद्दों पर खराब रेटिंग का सामना कर रहा था। एक्सेल सर्वेक्षण में तो उनके बारे में यहां तक कहा जा सकता है कि उन्होंने लाम्हा गया था कि वे बिल्कुल हार जा रहे थे। फिर उन्होंने विपक्ष

संसद का सामना करना पड़ सकता है। अल्बनीज जिन्हा अमेरिका का कट्टर सहयोगी माना जाता है। लेकिन उन्होंने टोंग पर अमेरिका पर विरोधी रुख अपनाया। जो मतदाताओं को पसंद आया। उनकी जीती कनाडा के चुनावी वोटों जैसे ही वहां मार्क कॉर्नी ने ट्रंप की टैरिफनीती को चुनावी मुद्दा बनाकर मतदाताओं में राष्ट्रवाद की भावना जगा दी थी। कनाडा के केंजर्टोडे नेतृत्व की तरह ही ऑस्ट्रेलिया के लिबरल नेतृत्व पीटर डउन ने ट्रंप की नीतियों को तारीफ़क़रते हुए ऑस्ट्रेलिया फ़र्स्ट का नारा बुलंद किया था। जो चुनाव में मतदाताओं को रास नहीं आया। वूडन ने चुनाव में मुद्रास्थिति को बढ़ावा देना और स्वायत्तारी में उन्नति के लिए सकारी अपयुक्त को दोषारोपित कर दिया। सकारों खूबों को कम करने के लिए पांच में से एक से अधिक सार्वजनिक सेवा नौकरियों को समाप्त करने के

आ गामी जनगणना में जाति विवरण शामिल करने का सरकार का निर्णय एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है, क्योंकि 1931 के बाद से व्यापक जाति आधारित आंकड़े एकत्र नहीं किया गया है। समर्थकों का तर्क है कि सामाजिक न्याय कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने और समाजसमूह वितरण सुनिश्चित करने के लिए अद्वान सूचना आवश्यक है। हालांकि, विरोधियों का तर्क है कि इस तरह की जनगणना जाति चेतना को बढ़ा सकती है और सामाजिक विभाजन को गहरा कर सकती है जाति व्यवस्था, एक रूपी सामाजिक व्यवस्था है, जो ऐतिहासिक रूप से व्यक्तियों के सामाजिक-आर्थिक स्थिति और अवसरों तक पहुंच को निर्धारित करती है। जाति भारतीय समाज के कई पहलुओं को आकार देने के लिए एक पहचान बनी हुई है। समाजशास्त्रियों ने जाति व्यवस्था के कई प्रमुख विशेषताओं को पहचाना है। उनमें पारंपरिक पदानुक्रमिक व्यवस्था, अंतरजातीय विवाह, अंतरजातीय विवाह का प्रतिरोध, सामाजिक संपर्क प्रतिबंध, जाति पंचायतें, और सामाजिक अलगाव और भेदभाव, सीमित सामाजिक और व्यावसायिक गतिशीलता शामिल हैं। स्वतंत्रता के बाद जाति कारक ने चुनावी राजनीति, सार्वजनिक वस्तुओं पर पहुंच और प्रतिनिधित्व को प्रभावित किया है। राजनीति लाभ के लिए जातिगत पहचान को स्पष्ट रूप से लामबंद किया गया है। सदियों से चले आ रहे प्रणालीगत भेदभाव के जवाब में सरकार ने हाशिए पर रहे समुदायों के उत्थान के लिए सकारात्मक नीतियों, विशेष रूप से शिक्षा और

रोजगार में आदाना लागू किया। हालांकि इन उपायों का जगह उद्देश्य सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना है, लेकिन योग्यता और सामाजिक समन्वय पर उनके प्रभाव को लेकर बचसात जाजरी है। व्यापक जाति जनगणना कराने के हाल के फैसलेलेन के न इन चर्चाओं को और तेज कर दिया है, जिससे समानता और उत्कृष्टता के बीच संतुलन को फिर से जगमगा करने की जरूरत महसूस हो रही है। ऐतिहासिक संदर्भ में, स्वतंत्रतावादी जल्द ही के बाद भारत ने अनुसूचित जातियों और अनुसूचितकर जातियों द्वारा समाप्त किए गए ऐतिहासिक अन्याय को दूर करने की आवश्यकता को पहचाना। संविधान ने उनकेलेन प्रतियोगिता के सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा और पदों में रोजगार में और आश्रण की सुविधा प्रदान की। 1980 में मंडल आयोग ने 1931 की जनगणना के आधारों के आधार पर 27 प्रतिशत आश्रण की सिफारिश की। करते हुए इन लाभों को अन्य पिछड़ा वर्ग तक बढ़ा दिया। 2019 में, साक्षात्कार में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 10 प्रतिशत आश्रण लागू किया गया, जिससे कुल आश्रण पहले से निर्धारित 50 प्रतिशत को सीमा से अधिककर हो गया। योग्यता बनाम सामाजिक न्याय एक निरंतर बहस का विषय रहा है। आश्रण नीति के समर्थकों ने तर्क दिया है कि आश्रण आश्रण सदियों से चले आ रहे उसीन को ठीक करने और हाशिए पर पड़े समुदायों को उन अवसरों तक पहुंचकर प्रदान करने के साधन के रूप में काम करता है, जो पहले उनके नहीं दिए गए थे। सरकारलाकर संविधान और समावेशन को बढ़ावा देती है और शैक्षिक स्थितियों और कार्यशालाओं में अधिक विविधता प्रदान करती है, जिससे अनुसूचित और वृद्धिगण की सुविधा प्रदान करती है, जिससे आलोचकों का तर्क है कि आश्रण में योग्यता को खत्म करने की क्षमता है। यह योग्यता-आधारित जातिगत पहचान को कायम रखती है। जाति श्रेणियों को संरक्षण बनाकर आश्रण यह सही है। जाति श्रेणियों को संरक्षण बनाकर आश्रण सही है। जाति श्रेणियों को संरक्षण बनाकर आश्रण सही है।

[illegible]

यह लेखक के अपने विचार हैं

जीवन बोध

शरीर तो उतने ही आहार का शक्ति ग्रहण करेगा, जितनी की उसे अपेक्षा है। वह भोजन चातक है, जो उसे जना जगाए या प्रमाद पैदा करे। यदि स्वस्थ भोजन करने के बावजूद शरीर में कमजोरी रहती है, शक्ति कमिष्ठ रहती है, तो इसका अर्थ है कि शरीर के ऊर्जा स्रोतों में कहीं कोई रुकावट आई है। तब हमें किसा स्वस्थ-नित्यकिस स्वस्थ अवस्था लाने लेंगी चाहिए। भोजन की सात्विकता के साथ हम शरीर के विभिन्न अवयवों के स्वस्थ संतुलन हेतु थोड़ा-बहुत व्यायाम भी अवश्य करना चाहिए। इसके लिए हमें सूर्योदय से पहले दो किलोमीटर तक लंबी सफर लेंते हुए टहल लेना चाहिए, सुबह दस-पंद्रह मिनट तक कुछ योगासन करने लेंते चाहिए। यदि समय और स्थान की सुविधा न हो, तो एक ही जगह पर दो-तीन मिनट की शिराण/स्मिर-दौड़, कर लें। इससे हमारे शरीर के जीवांत कोष्ट सक्रिय होते हैं, शरीर की जो कोशिकाएं सुप्त या शिथिल पड़ी हैं, वे भी सक्रिय होकर हमारे लिए सहभागी बन जाती हैं। हम अपने किसी भी कार्य को करने से पहले उसके बारे में थोड़ा-सा मनन कर लें। सोच-समझकर किया गया कार्य हमेशा वांछित परिणाम देता है। बिना सोचे-समझे किए गए कार्य पर अन्ततः पछताना पड़ता है। हर कार्य को उत्साह से करना चाहिए, पर इसका मलाल यह नहीं कि उसे जल्दबाजी में निपटाने की कोशिश की जाए।

-श्री चन्द्रप्रभ जी



विंडो टू द वर्ल्ड

ब्लॉसम पार्क, केरल



ब्लॉसम पार्क एक खूबसूरत पार्क है, जो केरल के मुन्नार टाउन से लगभग 3 किलोमीटर दूर स्थित है। यह 16 एकड़ भूमि में फैला हुआ है। यहाँ आप आकर्षक पौधे और वनस्पतियाँ देख सकते हैं। पार्क के भीतर और आसपास काफी हरियाली है। यहाँ बर्ड-वॉचिंग, साइकलिंग, बोटिंग, स्प्रिंकल, स्केटिंग और वॉकिंग भी कर सकते हैं। पार्क में ट्री हाउस, रोपवे और कृत्रिम झरने भी हैं।

सहयोग को आग बढ़ाने के प्रति प्रतिक्रिया जताई। दोनों देशों ने वर्ष 2022 में आंतक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस साल के अंत तक एक व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते को पूरा करने पर सहमतियाँ की हैं। खेर, दुहाड़ा प्रधानमंत्री ब्रज राहें अल्वनीज के सामने चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। देश की औद्योगिक, जर्नलीज्म और रणनीतिक स्थिरता को निर्णायक रूप से परी पर लाना होगा। अगले चार वर्षों में अनुमानित 178 बिलियन डॉलर/रुपय में डॉलर के बजट घाटे की पूर्ति करनी होगी। इसके साथ ही रक्षा खर्च में वृद्धि और कर्ज सेना लाना बढ़ने से उनकी सरकार को वित्तीय दबाव झेलना पड़ सकता है। अन्धक विश्वासों को मिलाव है कि यदि सरकार को आर्थिक नीतियों में साहसिक,

अल्बनीज जिन्हें अमेरिका का कट्टर सहयोगी माना जाता है, लेकिन उन्होंने ट्रंप की टैरिफ नीति पर विरोधी रुख अपनाया। जो मतदाताओं को पसंद आया। उनकी जीत कनाडा के चुनावी नतीजों जैसे रही।

दीर्घकालिक सुधार नहीं ला पाती है, तो देश को गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि लेबर पार्टी ने संसद में बहुमत प्राप्त किया है, लेकिन उसे पार्टी को अपने भीतर वामपंथी और यूनियन समर्थित धड़ों के बीच मतभेदों को दूर करने के प्रयास करने होंगे। वहीं, कैबिनेट में

परबल से पार्टी को असंतोष से भी जूझना पड़ सकता है। विदेश नीति और रणनीतिक मोर्चे पर अमेरिका और चीन के साथ जटिल संबंधों को संतुलित करना होगा। यूरोप और एशिया में अपने संबंधों को मजबूत करना भी जरूरी होगा। छात्र हड़त में वृद्धि की संभावना है। चुनाव में मिलात की प्रमुख प्रविधि दल लिबरल पार्टी में नेतृत्व परिवर्तन और संतुलन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यदि विपक्ष अपने मूल्यांकन और नीतियों को पुनः परिभाषित कर जनता का विश्वास बहाल करने में सफल होता है, तो परिण्य में सरकार को मजबूत विपक्षीय चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। युवा मतदाताओं की अपेक्षाएं इस चुनाव में पहली बार युवा मतदाताओं की संख्या बेबी बूमर्स से अधिक रही है। अल्पवयवी सरकार ने छात्र ऋण में 20 फीसदी की कटौती को अल्पवयवी प्राथमिकता बताया है। युवाओं की अपेक्षा शिक्षा, आवास और रोजगार के क्षेत्रों में और अधिक सुधार की रही है। इसमें कोई दोष्य नहीं है कि अस्ट्रेलिया में किसानों की विपक्ष की कमी लगातार बढ़ती जा रही है। आप्रवासन में विपक्ष से अंतरराष्ट्रीय छात्रों के बीच आवास का संकेत मुख्य कारण रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 60 फीसदी अंतरराष्ट्रीय छात्र अपार्टमेंट्स में रहते हैं। 26 फीसदी छात्र गैर-अलग घरों में और बाकी छात्र, छात्रावासों में रहते हैं। लेबर पार्टी ने एक गैर-अलग घर बनाने के लिए एस कोलियन अस्ट्रेलियन गैर-अलग घर बनाने के चुनावी वादा किया है। कोलिया निर्यात नीति में कोई बदलाव लाया जाएगा? कुल मिलाकर प्रधानमंत्री एल्विनो अल्बनीनो को अपनी दूसरी पारी में आर्थिक सुधार, विपक्षीय पार्टी में एकता, विदेशी नीति में संतुलन, विपक्षीय चुनौतियों और युवा मतदाताओं की आकांक्षाओं की पूर्ति में संतुलन बनाकर चलना होगा।

यह लेखक के अपने विचार हैं।

बाउण्ड्री ब्रेकर एकेडमी की जीत में साहिल का ऑलराउण्ड प्रदर्शन

खेप्र/नवज्योति, जयपुर। साहिल दीवान (34 रन और 3 विकेट) के ऑलराउण्ड प्रदर्शन और आकिबी खान (8 पर 3 विकेट) की शानदार गेंदबाजी को बढौलत अजमेर की बाउण्ड्री ब्रेकर क्रिकेट एकेडमी ने सोमवार को नवीन-नफीस क्रिकेट टूर्नामेंट के सोनी क्रिकेट स्टेडियममें खेले मैच में किया क्रिकेट एकेडमी को आठ विकेट से पराजित कर दिया। पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी कियान एकेडमी की टीम 18.1 ओवर में 75 रनों पर सिमट गई। शेर सिंह ने सबसे ज्यादा 27 रन बनाए। अजमेर एकेडमी की ओर से साहिल दीवान ने 13 रन देकर 3 और आकिब खान ने 8 रन देकर 3 विकेट लिए। जवाब में अजमेर टीम ने साहिल दीवान (34 रन, 11 गेंद, 2 चौके, 4 छक्के) और मिरान खान (नाबाद 26) की बढौलत 7.5 ओवर में ही दो विकेट पर 80 रन बना जीत हासिल कर ली। साहिल दीवान को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

टीपीएल क्रिकेट में अजय, अनुष्का और आरव की टीमों जीतीं



खेप्र/नवज्योति, जयपुर। जेएसजी टोपाज द्वारा आयोजित टीपीएल-15 क्रिकेट प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में अजय पालेचा, महिला वर्ग में अनुष्का जैन और किड्स कैटेगरी में आरव लोढ़ा की टीमों विजयी रहीं। जेएसजी टोपाज अध्यक्ष राजीव मूसल ने बताया कि 7 से 10 चली स्पोर्ट्स इवेंट में 140 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। स्पोर्ट्स इवेंट के प्रमुख सुरेश मेहता ने सफल आयोजन पर सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

उंगली की चोट से उबर रहे हैं आरसीबी कप्तान रजत पाटीदार



बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार इस समय उंगली की चोट से उबर रहे हैं। अगर आईपीएल 2025 को अस्थायी रूप से निलंबित न किया गया होता, तो वह कम से कम दो मैचों से बाहर रहते। टूर्नामेंट के अस्थायी रूप से निलंबित होने के कारण उन्हें बिना कोई मैच गंवाए कम से कम एक सप्ताह का समय मिल गया है। पाटीदार को 3 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आरसीबी के घरेलू मैच के दौरान फील्डिंग करते समय चोट लगी थी। डॉक्टरों ने उन्हें कम से कम दस दिन तक अभ्यास न करने की सलाह दी थी। आरसीबी उनकी रिकवरी को लेकर सतर्क है ताकि वह आईपीएल के प्लेऑफ के लिए उपलब्ध रह सकें और साथ ही इंग्लैंड के आगामी इंडिया ए ट्वेंटी के लिए उनके संभावित चयन को ध्यान में रखा जा सके। इस दौर के लिए टीम की घोषणा आने वाले दिनों में होने की संभावना है। पाटीदार के चोटिल होने के कारण जितेश शर्मा की शुरुवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आरसीबी की कप्तानी मिलने की संभावना थी, लेकिन 8 मई को बीसीसीआई ने आईपीएल को एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया। जितेश ने आरसीबी बोर्ड डायरीज में कहा कि मैं उस मौके के लिए बहुत आभारी हूँ। ये मुझे आरसीबी की कप्तानी का मौका दे रहे थे और यह मेरे व मेरे परिवार के लिए बहुत बड़ी बात थी। मैं सोच रहा था कि सही संयोजन क्या होगा क्योंकि देवदत्त पडिकल और रजत दोनों उपलब्ध नहीं थे और उनकी जगह लेना एक बड़ी जिम्मेदारी थी। ये सब बातें मेरे दिमाग में चल रही थीं और पिछले दो-तीन दिनों में कोचों और खिलाड़ियों के साथ सभी मीटिंग्स, बैठिंग ऑर्डर, गेंदबाजों से चर्चा भी हुई थी। मुझे अच्छा अनुभव मिला।

अमन, भानु और मोहम्मद रजा का भारतीय टीम के कैंप में चयन

खेप्र/नवज्योति, जयपुर। राजस्थान के युवा बास्केटबाल खिलाड़ी अमन मटोरिया, भानुप्रताप सिंह और मोहम्मद रजा का अंडर-16 भारतीय बास्केटबाल टीम के प्रशिक्षण शिविर के लिए चयन किया गया है। ये प्रशिक्षण शिविर इन्दौर में 18 मई से 11 जून तक आयोजित किया जाएगा। राजस्थान बास्केटबाल एसोसिएशन के सचिव देवेन्द्र सिंह शेखावत के अनुसार चयनित खिलाड़ी इन्दौर में प्रशिक्षण शिविर के दौरान मालदीव में होने वाले साउथ एशियन बास्केटबाल कप के लिए तैयारी करेंगे। इसका आयोजन मालदीव में 12 से 15 जून तक किया जाएगा। राजस्थान बास्केटबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीत सिंह शेखावत ने राज्य के खिलाड़ियों के भारतीय टीम में चयन पर बधाई दी।



एमबापे की हैट्रिक के बावजूद हारी रियल मैड्रिड ला लिगा एल-क्लासिको में बार्सिलोना ने 4-3 से हराया

बार्सिलोना। किलियन एम्बापे की शानदार हैट्रिक के बावजूद रियल मैड्रिड को ला लिगा के एल-क्लासिको में हार का सामना करना पड़ा। टीम को बार्सिलोना ने 4-3 से हराया। विजेता टीम के लिए राफिन्हा ने 2 गोल दागे। वहीं एरिक गासिया और लामिन यमान ने 1-1 गोल किया। एल-क्लासिको में जीत के साथ बार्सिलोना ने ला लिगा पॉइंट्स टेबल में अपनी टॉप पोजीशन मजबूत कर ली। दूसरे नंबर पर मौजूद रियल मैड्रिड अब बार्सिलोना से 7 पॉइंट्स पीछे हो गई।

एमबापे ने दिलाई शुरुआती बढ़त

बार्सिलोना के लुईस कम्पनी ओलिंपिक स्टेडियम में मैड्रिड ने मजबूत शुरुआत की। 5वें ही मिनट में एम्बापे ने पेनल्टी को गोल में बदला और अपनी टीम को बढ़त दिला दी। उन्होंने फिर 14वें मिनट में भी गोल किया और रियल मैड्रिड को 2-0 से आगे कर दिया।

पहले हाफ में बार्सिलोना का कमबैक

0-2 से पिछड़ने के बाद बार्सिलोना ने कमबैक किया। 19वें मिनट में एरिक गासिया ने गोल दागा और टीम का खाता खोला। 32वें मिनट में लामिन यमाल ने स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। बार्सिलोना ने फर्स्ट हाफ में लगातार अटैक करना ही जारी रखा, जिसका फायदा राफिन्हा ने उठाया। उन्होंने 34वें मिनट में गोल किया और टीम को 3-2 से बढ़त दिला दी। राफिन्हा ने फिर फर्स्ट हाफ के आखिरी मिनट में भी गोल दागा और बार्सिलोना को 4-2 से आगे कर दिया।



दूसरे हाफ में बार्सिलोना ने डिफेंसिव गेम खेला। टीम ने मैड्रिड के अटैक को रोकने पर ही ध्यान दिया, इसके बावजूद एम्बापे ने मौका बनाया और

एफआईएच प्रो लीग के लिए महिला टीम घोषित

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने 14 से 29 जून तक होने वाली एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में प्रतिस्पर्धा करने के लिए 24 सदस्यीय महिला हॉकी टीम घोषणा की। एफआईएच प्रो लीग का यह चरण 14 से 29 जून तक लंदन, एंटवर्प और बर्लिन में खेला जाएगा। इस लीग में भारत, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम और चीन के बीच दो-दो मैच खेले जाएंगे।



दैनिक नवज्योति

आपके लिए, आपके साथ
dainiknavajyoti.com

अजमेर, मंगलवार, 13 मई 2025

6



सफलता, निष्पक्ष और विश्वसनीयता के

विराट ने टेस्ट क्रिकेट को कहा अलविदा

बीसीसीआई ने कहा- थैंक यू विराट, टेस्ट क्रिकेट का एक युग समाप्त हो गया

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 14 साल तक लाल गेंद के खेल में अपना जलवा दिखाने के बाद अंततः सोमवार को टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। अब केवल कोहली एकदिवसीय प्रारूप में भारत के लिए खेलते नजर आएंगे। कोहली ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर लिखा कि टेस्ट क्रिकेट में पहली बार बैंगी ब्लू पहनने को 14 साल हो गए। सच कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह प्रारूप मुझे ऐसी यात्रा पर ले जाएगा। इसने मुझे परखा, गढ़ा। मैं इसे जिंदगी भर याद रखूंगा। उन्होंने कहा इस प्रारूप से दूर जाना आसान नहीं है, लेकिन यह सही लगता है।

‘269’ ‘साइनिंग ऑफ’

कोहली ने जून 2011 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। उनकी शानदार बल्लेबाजी के दम पर भारतीय टीम ने कई महत्वपूर्ण जीत हासिल की और भारत को आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचाया। उन्होंने कहा कि मैंने अपना सबकुछ झोंक दिया है और इसने मुझे मेरी उम्मीद से कहीं अधिक लौटाया है। उन्होंने अपनी जर्सी का नंबर ‘269’ लिखा और लिखा ‘साइनिंग ऑफ’।

टेस्ट क्रिकेट में एक युग समाप्त हो गया: बीसीसीआई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोहली को धन्यवाद कहा। बोर्ड ने लिखा टेस्ट क्रिकेट में एक युग समाप्त हो गया है, लेकिन विरासत जारी रहेगी। भारतीय टीम में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

टेस्ट क्रिकेट में लगाए 30 शतक

कोहली ने अपने टेस्ट करियर में 30 शतक, 31 अर्धशतक और सात दोहरे शतक बनाए। उन्होंने 123 टेस्ट मैच की 210 पारियों में 46.85 की औसत से की मदद से 9230 रन बनाए। इस दौरान नाबाद 254 उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। उन्होंने 68 मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी भी की, जिसमें 40 में भारत की जीत और 17 में हार का स्वाद चखने को मिला, जबकि 11 मैच ड्रा भी हुए।

2017 और 2018 में चुना गया टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर

कोहली ने 2016 और 2019 के बीच शानदार प्रदर्शन किया और उस दौर के सबसे प्रभावशाली बल्लेबाज उभरकर सामने आए। उन्हें टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के लिए वर्ष 2017 और 2018 में टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया। हालांकि 2020 की शुरुआत में उनका फॉर्म कमजोर हुआ, लेकिन उन्होंने 2023 में फिर से वापसी की। सफेद जर्सी में उन्होंने आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खेला था। इस सीरीज में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था।

सभी का शुक्रिया अदा किया

कोहली ने मुस्कुराते हुए कहा कि मैं इस खेल का, अपने साथ खेलने वाले हर साथी का और हर उस व्यक्तित्व का दिल से शुक्रगुजार हूँ, जिसने इस सफर में मुझे सहाया। मैं हमेशा अपनी टेस्ट करियर की ओर मुस्कान के साथ देखूंगा। उल्लेखनीय है कि कोहली ने 10 मई को बीसीसीआई से कहा था कि मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहता हूँ। बोर्ड ने कोहली को अपने फैसले पर फिर विचार करने को कहा था। 11 मई को बोर्ड के एक अधिकारी ने उनसे बात भी की थी।

सीज फायर के बाद गुजरात टाइटंस ने शुरू किया अभ्यास

अहमदाबाद। आईपीएल 2025 के

फिर से शुरू होने को लेकर अतिस्थितिता के बावजूद गुजरात टाइटंस अकेली टीम है जो अपने काम पर लौट आई है। आईपीएल के मौजूदा सीजन के 58 मैच होने के बाद अंक तालिका में शीर्ष पर स्थित गुजरात टाइटंस ने नौ मई को भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव के बीच एक सप्ताह के लिए निलंबित हुए आईपीएल के बीच अभ्यास शुरू कर दिया है।

लीग के निलंबित होने के बाद कई विदेशी खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ ने अगले 24 घंटे के अंदर भारत को छोड़ना शुरू कर दिया था। गुजरात ही एक ऐसी टीम थी जिसको अधिक फर्क नहीं पड़ा था, उनके केवल दो खिलाड़ी जॉस बटलर और जेराल्ड कोएटजी इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका लौट गए हैं। उनके दल के अधिकतर खिलाड़ी और सहायक



स्टाफ अहमदाबाद में अपने घरेलू मैदान नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अभ्यास के लिए वापस लौट आए हैं।

संघर्ष विराम की घोषणा शनिवार शाम को की गई और बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने रविवार को कहा कि बोर्ड सभी हितधारकों और संबंधित सरकारी अधिकारियों से परामर्श करने के बाद आईपीएल को फिर से शुरू करने की तारीख की समय आने पर घोषणा करेगा।

गुजरात टाइटंस

फिलहाल अंक तालिका के शीर्ष पर है। उन्होंने 11 में से आठ मैच जीते हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने भी इतने ही मैच जीते हैं लेकिन उनका नेट रन रेट बेहतर है। गुजरात को अपने बचने में से दो मैच लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर

करिश्मा सानिल ने भाला फेंक स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

दुबई। भारत की करिश्मा सानिल ने एथलेटिक्स वूमंस गाला 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

वर्षा करिश्मा सानिल ने 53.33 मीटर के प्रयास के साथ तीन एथलीट में शीर्ष स्थान हासिल किया। यूएई की अलियाज्या तारेक (31.04 मीटर) श्रो के साथ दूसरे और भारत की हर्षिता सेहरावत की (16.77 मीटर) श्रो के साथ तीसरे स्थान पर रही।

वूमंस लंबी कूद में एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता भारतीय एथलीट एंसी सोजन 6.54 मीटर के सीजन के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। भारत की शैली सिंह 6.48 मीटर की लम्बी कूद लगाकर तीसरे स्थान के साथ कांस्य पदक हासिल किया। इस प्रतिस्पर्धा में अरब गेम्स की चैंपियन एमरा ओविस ने 6.66 मीटर की लम्बी कूद लगाकर स्वर्ण पदक जीता।

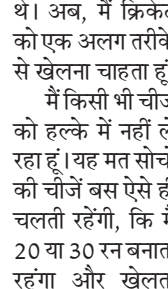
वनडे करियर को लेकर बोले रोहित

टीम की मदद न कर पाने पर संन्यास ले लूंगा

नई दिल्ली। हाल ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने वाले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि टीम की मदद नहीं कर पाने की सूरत में वे वनडे को भी अलविदा कह देंगे। रोहित ने कहा है कि उनका क्रिकेट करियर समाप्त नहीं हुआ है। उन्हें पता है कि कब खेल छोड़ना है। रोहित ने 7 मई को टेस्ट से रिटायरमेंट की घोषणा कर दी थी। उसके बाद से वनडे क्रिकेट में उनके भविष्य

को लेकर सवाल उठ रहे थे रोहित ने कहा कि उन्हें इस बात का पूरा एहसास है कि कब उन्हें खेल से हटना है। हालांकि, हिटमैन ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप में खेलेंगे या नहीं, इसको लेकर उन्होंने कोई दावा नहीं किया। उन्होंने कहा कि जिस दिन लगेगा टीम को मदद नहीं कर रहा, संन्यास ले लूंगा।

रोहित ने वनडे क्रिकेट में अपने खेलने के अंदाज पर कहा कि मैं पहले 10 ओवर में 30 गेंदें खेलता था और सिर्फ 10 रन बनाता था, लेकिन अगर मैं अब 20 गेंदें खेलता हूँ, तो मैं 30, 50 रन नहीं बना सकता? मैंने यह कर दिखाया है, मैंने वो रन बनाए हैं जो मुझे बनाए थे। अब, मैं क्रिकेट को एक अलग तरीके से खेलना चाहता हूँ। मैं किसी भी चीज को हल्के में नहीं ले रहा हूँ। यह मत सोचो कि चीजें बस ऐसे ही चलती रहेंगी, कि मैं 20 या 30 रन बनाता रहूंगा और खेलता रहूंगा। जिस दिन मुझे लगेगा कि मैं मैदान पर वो नहीं कर पा रहा हूँ, जो मैं करना चाहता हूँ, मैं खेलना बंद कर दूंगा। यह पक्का है, लेकिन अभी, मैं जानता हूँ कि मैं जो कर रहा हूँ, उससे अभी भी टीम को मदद मिल रही है। रोहित ने कहा कि अगर टी-20 वर्ल्ड नहीं जीतता तब भी मैं संन्यास लेता, क्योंकि मैंने बहुत कोशिश कर ली थी और मेरे लिए टी-20 वर्ल्ड के बाद जारी रखना ठीक नहीं था।



दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे नीरज समेत 4 भारतीय एथलीट

नई दिल्ली। भारत के स्टार जेवॉलिन श्रोअर नीरज चोपड़ा 16 मई को दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे। नीरज के अलावा तीन अन्य भारतीय एथलीट्स भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। यह भारत की ओर से किसी डायमंड लीग प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों की सबसे बड़ी संख्या है। दोहा डायमंड लीग में 2023 (88.67 मीटर) में खिताब जीतने और 2024 (88.36 मीटर) में दूसरे स्थान पर रहे नीरज पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में किशोर जेना के साथ हिस्सा लेंगे। जेना ने 2024 में भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा

लिया था और 76.31 मीटर के श्रो के साथ नौवें स्थान पर रहे थे। नीरज चोपड़ा 2024 के डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे थे। उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में 87.86 मीटर का बेस्ट श्रो फेंका थे, लेकिन चैंपियन बनने से 0.01 मीटर दूर रहे। ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स ने अपने पहले अटेम्प्ट में 87.87 मीटर का बेस्ट श्रो फेंक कर पहला स्थान हासिल किया था। मैस जेवॉलिन श्रो इवेंट में नीरज का सामना दो बार के वर्ल्ड चैंपियन और पेरिस एथलेटिक के कांस्य विजेता ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स से होगा। पीटर्स के अलावा, डिफेंडिंग

चैंपियन जेकब वाडलेच (चेक गणराज्य), जूलियन वेबर (जर्मनी), मैक्स डेहनिंग (जर्मनी), जूलियस येगो (कोरिया) और रोडरिक जेनकी डीन (जापान) जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

दोहा डायमंड लीग 2025 में भारतीय

नीरज चोपड़ा : डबल ओलिंपिक में डबलस्ट नीरज चोपड़ा जेवॉलिन श्रो इवेंट में हिस्सा लेंगे।

किशोर जेना : दूसरी बार इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। पिछली बार 9वें स्थान पर रहे थे।

डिस्कस थ्रो में हंसराज को गोल्ड, विशाल को सिल्वर

खेप्र/नवज्योति, जयपुर। बिहार में चल रहे खेलों इंडिया यूथ गेम्स में सोमवार को राजस्थान के हंसराज धायल ने बालकों की डिस्कस थ्रो स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। राजस्थान के ही विशाल कुमार ने स्पर्धा का रजत पदक अपने नाम किया। हंसराज ने अपने पांचवें प्रयास में 63.18 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। हंसराज ने पहले प्रयास में 46.32 मीटर और दूसरे प्रयास में 58.39 मीटर की दूरी तय की लेकिन उनका तीसरा प्रयास नाकाम रहा। हंसराज ने फिर चौथे प्रयास में 61.77 मीटर दूर डिस्कस फेंका और उसके बाद पांचवें प्रयास में 63.18 मीटर दूरी तय करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया।

इस स्पर्धा का रजत पदक भी राजस्थान के विशाल कुमार के नाम रहा। विशाल ने अपने तीसरे प्रयास में 57.69 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। हरियाणा के निश्चय (57.60 मीटर) ने स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। प्रतियोगिता में राजस्थान का एक अन्य प्रतिभागी रवि 55.28 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहा।



योगासन में जीता पहला गोल्ड

ऋतिका बिश्नोई और उज्जवल ने योगासन में राजस्थान के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता। इन दोनों ने आर्टिस्टिक पेयर स्पर्धा में 126.09 अंकों के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। महाराष्ट्र 125.79 और मेजबान बिहार 124.01 अंकों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।



जयपुर की बेटी ने तलवारबाजी में जीता सोना

राजस्थान की प्रकृति शर्मा ने तलवारबाजी में स्वर्ण पदक जीता। जयपुर की प्रकृति ने तलवारबाजी के सेबर स्पर्धा में यह सफलता हासिल की। राजस्थान फेंसिंग एसोसिएशन के सीईओ दाउद खान ने बताया कि प्रकृति ने व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में कर्नाटक की तनवी एस. को 15-12 से पराजित किया।



छत्तीसगढ़ ने कलारीपयट्ट में जीता स्वर्ण पदक

गया (बिहार)। खेलों इंडिया यूथ गेम्स 2025 में अर्जुन कुमार चंद्रा और अनंत स्वर्णकार ने पारंपरिक भारतीय मार्शल आर्ट कलारीपयट्ट प्रतियोगिता में सोमवार को छत्तीसगढ़ के लिए स्वर्ण पदक जीता। आज यहां आईआईएम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुई कलारीपयट्ट प्रतियोगिता में अर्जुन कुमार चंद्रा और अनंत स्वर्णकार ने कलारीपयट्ट में अकल्पनीय प्रदर्शन किया। झारखंड के खिलाड़ियों की सहज गति, निर्वंत्रण और अभिव्यक्ति ने उन्हें फाइनल में दिल्ली और केरल से अधिक अंक दिलाए।

स्वर्ण पदक जीतने के बाद अर्जुन कुमार चंद्रा ने कहा कि हमने कड़ी मेहनत की और पदक की उम्मीद की। लेकिन हमें विश्वास नहीं था कि हम स्वर्ण पदक जीत पाएंगे। किसी भी चीज से अधिक, हमें इस बात की खुशी है कि हम स्वर्ण पदक जीतकर अपनी बात साबित कर पाए।

स्टार्टअप, एमएसएमई और उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए डीपीआईआईटी ने किसके साथ समझौता किया ?

- हाफेल इंडिया

सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल अब तक के लिए बढ़ाया गया है ?

- मई 2026

भारतीय नौसेना में शामिल किया गया एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट का पहला जहाज कौन-सा है ?

- अर्नाला

क्लासिकल और क्वॉंटम संचार में सहयोगी अनुसंधान के लिए सी-डॉट ने किसके साथ समझौता किया ?

- सीएसआईआर-एनपीएल

हाल ही में किस मंत्रालय ने राज्यों को नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल आयोजित करने का निर्देश दिया ?

- केंद्रीय गृह मंत्रालय

भारतीय नौसेना ने किस के साथ मल्टी-डिम्पलुएस ग्राउंड माइन का सफल परीक्षण किया ?

- डीआरडीओ

किसे हाल ही में एनएफडीसी के प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया ?

- प्रकाश मगदुम

1. द, 2. ब, 3. ब, 4. द, 5. ब, 6. स, 7.
द, 8. अ, 9. स, 10. अ।

જાંબ અલર્ટ

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने सर्किल बेस्ड ऑफिसर के पदों पर भर्ती

पदों की संख्या: 2600
शैक्षणिक योग्यता: ग्रेजुएशन की डिग्री।
ऑफिशियल वेबसाइट: www.rrcrrb.in
अंतिम तिथि: 29 मई 2025।

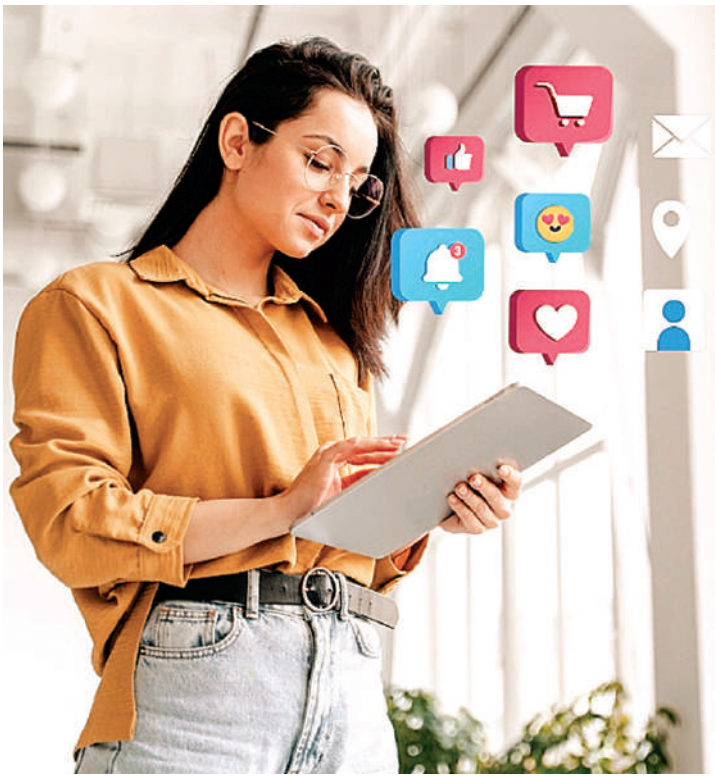
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने साइंटिस्ट/इंजीनियर के पदों पर भर्ती

शैक्षणिक योग्यता: बॉटनी, गार्डनिंग में बीएससी, जियोइन्फॉर्मेटिक्स में एम.एस.सी. या समकक्ष के साथ फ़ाजिक्स, मैथ्स में बीएससी, संबंधित क्षेत्र में बीई, बीटेक या बीआर्क की डिग्री, एमई, एमटेक की डिग्री।

ऑफिशियल वेबसाइट: 666.21.222.222
अंतिम तिथि: 30 मई 2025।

आईडीबीआई बैंक के पदों पर भर्ती
 पदों की संख्या: 676
 शैक्षणिक योग्यता: किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएशन की डिग्री।

ऑनलाइन आवेदन: idbibank.in
अंतिम तिथि: 20 मई 2025।



कोई भी डिजिटल मार्केटर फेसबुक, इंस्टाग्राम, लिंकड इन जैसी सोशल मीडिया वेबसाइटों में अपने प्रोडक्ट या ब्रांड को प्रमोट करना का काम करता है। डिजिटल मार्केटर सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन के जरिए अपनी वेबसाइट को गूगल जैसे- सर्च इंजन में सबसे ऊपर लाने की कोशिश करता है। डिजिटल मार्केटिंग प्रोफेशनल या डिजिटल मार्केटर गूगल एड्स के जरिए सर्च इंजन मार्केटिंग करता है और लोगों को उनके पर्सनल ई-मेल में मार्केटिंग ऑफर भेजता है। डिजिटल मार्केटर ब्लॉग, वीडियो या सोशल पोस्ट बनाकर कंटेंट मार्केटिंग का काम करता है।

जल्दो शाक्षिक यायायता: इसक ललए जल्दो न्यूनतम 12 वीं पास होना चाहलए ताकल डलजलटल मार्केटलंग का कोरौ कोर्स आसानी से कलया जा सके। ग्रेजुएशन करने से समझ और बेहतर हो सकती है, इसलए कलसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएशन होना, इस फील्ड के ललए फायदेमंद होता है। जहां तक इस फील्ड में

जाने के विभिन्न डिग्री, डिप्लोमा कोर्स व जरूरत है, तो डिजिटल मार्केटिंग में दो साल का डिप्लोमा कोर्स कई प्राइवेट यूनिवर्सिटीयों और दूसरे शैक्षिक संस्थान कराते हैं। इन्फोसिंबायसिस, सभी एमबीए संस्थान या आईआईएमएस और विभिन्न प्राइवेट संस्थान डिजिटल मार्केटिंग हेतु दो साल डिजिटल एमबीए डिप्लोमा कोर्स कराते हैं। 6 महीने से एक साल तक का डिप्लोमा कोर्स कराते हैं। इस फील्ड के हेतु, एनआईआईटी, डिजिटल विद्या, अपग्रेड और स्पिली लर्न जैसे ऑनलाइन कोर्स और ऑफलाइन संस्थान भी कराते हैं। अगले तीन से छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स करना हो तो गुगल डिजिटल जाँजे और हब्स कोर्स, कोरसेरा और यूडेसी जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म से सर्टिफिकेट कोर्स किया जा सकता है। ये सारे कोर्स ऑनलाइन ही संपन्न हो सकते हैं, पर अगर ऑफलाइन करना हो तो एनआईआईटी जिसके देशभर में से जेनरल सेंटर हैं, एमआईसीए या गुगल इंस्टीट्यूट

मॉडर्न करिकुलम: आउट ऑफ द क्लासरूम



हर दूर अपने साथ नए संसाधन और अवसर लेकर आता है। शिक्षा के क्षेत्र में भी समय के साथ बदलाव आया है। एक समय था जब किताबें ही ज्ञान का एकमात्र स्रोत मानी जाती थीं और विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती थी कि वे पाठ्यपुस्तकों को रट सकें, लेकिन आज के समय में यह सोच न केवल पुरानी हो चुकी है, बल्कि अप्रासंगिक भी हो गई है। आज सबसे समाजद्वार और स्मार्ट विद्यार्थी वह हैं, जो केवल किताबों तक सीमित न रहकर हर माध्यम से ज्ञान प्राप्त करने के लिए तत्पर हैं। सूचना क्रांति और तकनीकी विकास ने सोखने की प्रक्रिया को नया आयाम दिया है। खासकर इंटरनेट ने ज्ञान की दुनिया में क्रांति ला दी है। भारत जैसे देश में अब भी अधिकांश माता-पिता और सामान्य इंटरनेट को बच्चों को बिगाड़ने वाला साधन मानते हैं। यह सोच अब तक नहीं बदलेगी जब तक बड़े खुद इंटरनेट का सकारात्मक और शिक्षाप्रद उपयोग नहीं करेंगे। बच्चों में डिजिटल लर्निंग को आदत डालने की जिम्मेदारी अभिभावकों और शिक्षकों की है।

इंटरनेट की सबसे बड़ी खूबी इसकी पहुंच (विविधता) है। एक ही साल के कई उरत हैं, जिससे विद्यार्थी की कल्पनाशीलता (विश्लेषण क्षमता) विकसित होती है। इंटरनेट हमें सही से सही अध्ययन सामग्री मुफ्त में देता है। यह लैटरफॉर्म से अपडेट जानकारी और विभिन्न प्रश्नोत्तर के पाठों तक आसान पहुंच प्रदान करता है। यह हमें इंटरनेट में सही और गलत दोनों प्रकार की जानकारी होती है, लेकिन यही ठीक है। हमें जानना है। छात्रों में विवेक और समीक्षा की क्षमता विकसित करनी। यदि सही जानकारी मिले, तो इंटरनेट स्वाध्याय का सबसे अच्छा उपकरण बन सकता है। आज के माईनेड में क्लासरूम की सीमाएं टूट चुकी हैं। हमें सफल छात्र वही हैं, जो प्रभावों से निजाकर हर संभव माध्यम से ज्ञान प्राप्त करें। इसके लिए इंटरनेट एक अनमोल साधन है। हमारी मांग है कि शिक्षा को क्लासरूम से निकाल कर डिजिटल, समावेशी और आधुनिक बनाया जाए।

ऑफ कम्युनिकेशन से टीजी सर्टिफिकेट को करीब किया जा सकता है। डेवेली स्कूल ऑफ इंटरनेट मार्केटिंग जिसकी शाखाएँ दिल्ली, लखनऊ, पटना, जयपुर में हैं। यहाँ से क्लास रूम ट्रेनिंग के माध्यम से ऑफलाइन डिजिटल मार्केटर को करीब किया जा सकता है।

अनुमानित वेतन: इस क्षेत्र में किसी भी फ्रेशर को न्यूनतम 20 हजार से अधिकतम 35 हजार रुपये की बिना किसी अनुभव के नौकरी मिल जाती है। फ्रेशर को दूसरे क्षेत्रों के मुकाबले इस क्षेत्र में जॉब की शुरुआत आसानी से हो जाती है और जब किसी के पास तीन से पाँच साल तक का अनुभव हो जाता है तो गिरी से गिरी हालत में भारत के महानगरों में ऐसे शख्स को 50 हजार से 80 हजार रुपये तक की मासिक सैलरी की जॉब तय है।

भविष्य की स्थिति: साल 2025 से 2030 के बीच विभिन्न शोध संस्थानों के मुताबिक इस क्षेत्र में जॉब ग्रोथ की लगातार बेहतर

स्थितियाँ मौजूद हैं। अगले पांच सालों में इस क्षेत्र में लाखों नई नौकरियाँ आँगी। खासकर सुदूर के इलाकों से और प्रीलांस के लिए। इस क्षेत्र में एआई के प्रवेश के बाद यह काम और भी स्मार्ट तरीके से किया जाना संभव हो सकेगा, क्योंकि ज्यादातर काम जो, लो स्किल वाले हैं, वह एआई कर देगा और स्किल्ड प्रोफेशनल बाद की स्थिति को संभालेगा। इस क्षेत्र में हाईब्रिड स्किल्स की ज़रूरत मांग होने वाली है।

प्रमुख संस्थान

- एमिटी युनिवर्सिटी, जयपुर
- आईआईएम, अहमदाबाद
- आईआईडीई, मुंबई
- ग्रेट लेक्स इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट
तमिलनाडु
- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी
कोलकाता
- इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद

ऑफिस में बनाएं सकारात्मक वातावरण


ऑफिस में सफलता सिर्फव्यक्तित्वगत कौशल और काम की गुणवत्ता पर निर्भर नहीं होती, बल्कि कार्यस्थल पर रिश्तों और माहौल की भी बड़ी भूमिका होती है। जब ऑफिस का माहौल सकारात्मक और सहयोगात्मक होता है, तो न सिर्फ काम की गुणवत्ता बढ़ती है, बल्कि टीम की उत्पादकता भी बढ़ती है।

- ऑफिस में स्पष्ट और ईमानदार संवाद बहुत जरूरी है। इससे न केवल गलत फल हमीयों से बचाव होता है, बल्कि यह रिश्तों को भी मजबूत बनाता है। जब आप अपने विचार और विचारधारा को खुलकर साझा करते हैं, तो आपकी टीम भी यही करेगी और इससे कार्यस्थल पर विश्वास और सम्मान बढ़ेगा।
- हमेशा अपने सहकर्मियों की मेहनत और अच्छे काम की सराहना करें। यह सिर्फ उन्हीं प्रेरित नहीं करता, बल्कि एक सकारात्मक कार्य संस्कृति को भी बढ़ावा देता है। सरल शब्दों में धन्यवाद या अच्छे काम कहने से किसी का दिन बन सकता है।
- ऑफिस एक टीम का काम है, टीम की मदद तथा वही होती है, जब हर सदस्य मिलकर काम करता है। दूसरों की मदद



करने के लिए हमेशा तैयार रहें और टीम के उद्देश्य को प्राथमिकता दें।

पेशेवर जीवन और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण है।



जब आप अपने व्यक्तिगत समय का सम्मान करते हैं, तो आप मानसिक रूप से ज्यादा शांत रहते हैं और काम पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

ऑफिस में काम का दबाव कभी-कभी तनावपूर्ण हो सकता है। ऐसे समय में खुद को शांत और केंद्रित रखना जरूरी है। माइंडफुलनेस, बैक लेन और हल्का व्यायाम करने से मानसिक शिशा हमारे लिए तरकीबी की राहें खोले रखता है। बस हमें अपना नेक कर्म करते रहना चाहिए।

- अनिल कुमार जैन

- अनिल कुमार जैन

कॅरिअर सलाह

क्या आईटीआई करना जरूरी होता है?

आईटीआई (इंस्टीट्यूट ऑफ इंस्टीट्यूट) ऐसे प्रशिक्षण केंद्र हैं, जो स्कूल पूरा करने के बाद रोजगार चाहने वाले छात्रों को कोर्स प्रदान करते हैं। आईटीआई पाठ्यक्रम उन छात्रों के लिए बेहतरीन अवसर हैं, जो किसी भी टेक्निकल को कम समय में पूरा करना चाहते

हैं। आईटीआई में कोर्स पूरा करने के बाद स्टूडेंट्स इंडस्ट्रियल स्किल्स में ट्रेड हो जाते हैं और उसी क्षेत्र में काम करके अच्छी कमाई कर सकते हैं। आईटीआई के बाद पब्लिक सेक्टर जैसे- पीडब्ल्यूडी और अन्य में नौकरी के अवसर मिल जाते हैं।

सीएसके की नाकामी में धोनी ही विलेन क्यों ?

आईपीएल 2025 चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए बेहद निराशाजनक रहा। 10 मैचों में से सिर्फ दो में जीत दर्ज कर सकी टीम की विफलता के लिए सबसे ज्यादा आलोचना महेंद्र सिंह धोनी को झेलनी पड़ी, लेकिन क्या धोनी ही इस नाकामी के अकेले जिम्मेदार हैं?

धोनी भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तानों में से एक रहे हैं, लेकिन इन 43 वर्षीय कोच प्रदर्शन पर हावी नजर आइ। इस वर्षीय धोनी ने कुछ मुकामलों में चमक दिखाई, जैसे लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 11 गेंदों में 26 रन की फिनिशिंग पारी, लेकिन कई बार उनकी धीमी बल्लेबाजी टीम पर भारी पड़ी।

खेल-खिलाड़ी

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 16 रन की धीमी पारी इसका उदाहरण है। इसके बावजूद, कहना कि केवल धोनी के कारण सीएसके का प्रदर्शन खराब रहा, सारासरी गलत होगा। इस सीजन में सीएसके की शुरुआत ही खराब रही। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पहले ही मैच में बुरी तरह भार मिला। दिक्षी के कैप्टनस्य, कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ लगातार



ने टीम का मनोबल गिरा दिया। बल्लेबाजों को चरमरा गया, मिडिल ऑर्डर ध्वस्त रह गया। गेंदबाजी भी अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरी। बल्लेबाज छुटे और नवें मैच में टीम जीत दर्ज कर ली। सीजन की शुरुआत में कप्तानी रतुरा



गायकवाड़ को सौंपी गई, लेकिन लगातार हार के बाद धोनी को फिर से कप्तानी दी गई। कप्तानी में यह अस्थिरता टीम की रणनीति और आत्मविश्वास को कमजोर करती रही। खुद धोनी ने भी स्वीकार किया कि साझेदारियों की कमी और परिस्थितियों को समझने में टीम नाकाम रही।

टीम के टॉप ऑर्डर

बल्लेबाज रचिन रविंद्र और डेवोन कॉनवे फ्लॉप रहे। मिडिल ऑर्डर में राहुल त्रिपाठी और शिवम दुबे भी प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर सके। गेंदबाजी में जडेजा और अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी नाकाम रहे। कप्तान रतुराज की

और शुरुआती प्रदर्शन में अस्थिरता ने भी सामान्य घुंघुआ। अंबोली राज्य के एक खुलासा करने के अंदरूनी मनोबल की भी पोत खोली। ने बताया कि कुछ फैसले तभी खुश हो गए, बाकी खिलाड़ी आउट होते हैं, क्योंकि लगता है कि अब टीम दोपहर खेलाड़ी करेगी। यह मामला संकेत था के बाकी खिलाड़ी खेलेंगे हतोत्साहक होती हैं। सीएसके की हार के लिए असफलता का परिणाम रही। धोनी सीमित योगदान जरूर निराशाजनक था। इन उन्हे अकेले दोषी ठहराना अनुचित है। प्रबंधन, खिलाड़ियों का खराब प्रदर्शन, रणनीतिक की कमफ्लायट साथ ने मिलकर मजबूत टीम को कमजोर बना दिया। धोनी बड़ा नाम है, लेकिन किसी सूरज के ढलने मतलब यह नहीं कि अंधकार सिर्फ उसी वजह से है।

कर्नाटक के सिरीधान्य, ओडिशा के मिलेट्स मिशन और तेलंगाना के मिलेट्स हब की तर्ज पर राजस्थान में खुलेंगे ‘श्रीअन्न आउटलेट्स’

सहकारिता विभाग की प्रत्येक जिले में श्रीअन्न के आउटलेट्स खोलने की योजना, आठ नए जिलों में उपभोक्ता भण्डारों के लिए सर्वे प्रक्रिया शुरू

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। कर्नाटक, ओडिशा, तेलंगाना की तर्ज पर अब राजस्थान सरकार भी मिलेट्स को बढ़ावा देने की तैयारी कर रही है। इसके लिए राज्य प्रत्येक जिले में विभिन्न स्थानों पर श्रीअन्न के आउटलेट्स खोले जाएंगे ताकि मिलेट्स के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ ही किसानों के लिए भी एक सशक्त बाजार तैयार किया जा सके। राज्य सरकार ने बजट वर्ष 2025-26 में भी इसकी घोषणा की थी। इसकी क्रियान्विति को लेकर अब सहकारिता विभाग ने आठ नए जिलों में योजना का खाका तैयार किया है। इसके लिए समयबद्ध कार्यक्रम भी तय किया गया है।

नए जिलों में 31 मई तक सर्वे
सहकारिता विभाग ने बालोतरा, ब्यावर, डींग, डीडवाना-कुचामन, खैरथल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड, फलीदी और सलुंबर जिले में भण्डार गठन के लिए सर्वे की प्रक्रिया के लिए 31 मई 2025 तक का समय तय किया है। इसके बाद सर्वे रिपोर्ट में वायबिलिटी होने पर आवेदन प्राप्त होने पर भण्डार की कार्यवाही के लिए 30 जून 2025 तक का समय तय किया गया है। नवीन जिलों के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं।

दूसरे राज्यों से राजस्थान की तुलना

कर्नाटक: कर्नाटक सरकार ने मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए सिरीधान्य बैंड लॉन्च किया है। इसमें स्कूल मिड-डे मील में भी मिलेट्स शामिल किए गए हैं। साथ ही बेंगलुरु में कई मिलेट्स आधारित स्टोर्स खोले गए हैं। राजस्थान का फोकस सहकारी भंडार के माध्यम से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में मिलेट्स उत्पादक कराने पर है, जो कर्नाटक के शहरी केन्द्रित दृष्टिकोण से अधिक व्यापक है।

ओडिशा: ओडिशा ने ट्राइबल क्षेत्रों में मिलेट्स की खेती और खपत को पुनर्जीवित करने के लिए मिलेट मिशन शुरू किया। इसमें फूड फेस्टिवल्स और मिलेट्स रेसिपी प्रतियोगिताओं जैसे उपाय अपनाए गए हैं। राजस्थान ने न केवल उपभोग, बल्कि सहकारी प्रणाली के माध्यम से उत्पादन और वितरण की एकीकृत योजना बनाई है।

तेलंगाना: हैदराबाद को मिलेट्स हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसकी एक व्यापक मूल्य श्रृंखला विकसित की गई है, जिसमें प्रोसेसिंग, मार्केटिंग और निर्यात शामिल हैं। राजस्थान का कदम सहकारी संस्थाओं पर आधारित है, जबकि तेलंगाना का दृष्टिकोण उद्योग केन्द्रित है। राजस्थान की योजना स्थानीय किसानों और उपभोक्ताओं को जोड़ने में अधिक सहायक हो सकती है।

बाजरा उत्पादन में राजस्थान टॉप
राजस्थान का देश में बाजरा, सरसों, कुल तिलहन एवं ग्वार फसलों के उत्पादन में पहला स्थान है। अर्थात करीब 50 लाख मेट्रिक टन बाजरा उत्पादन होता है, लेकिन इस बार भी एमएसपी पर बाजरे की खरीद नहीं होगी। राज्य सरकार की ओर से केन्द्र को इस संबंध में पत्र लिखा गया, लेकिन सकारात्मक परिणाम नहीं मिल सके हैं।



इन क्षेत्रों में खरीफ का सर्वाधिक उत्पादन
बाजरा, मोठ एवं तिल का शुष्क पश्चिमी मैदानी क्षेत्र में शामिल जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण, फलीदी, बाड़मेर एवं बालोतरा, उत्तरी पश्चिमी सिंचित मैदानी क्षेत्र श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं अनुपगढ़ में कपास एवं ग्वार, अतिशुष्क आंशिक सिंचित

प्रमुख फसलों के उत्पादन की राज्यवार स्थिति				
फसल	प्रथम स्थान	द्वितीय स्थान	तीसरा स्थान	राजस्थान का देश के उत्पादन में हिस्सा
बाजरा	राजस्थान	उत्तर प्रदेश	हरियाणा	38.98%
सरसों	राजस्थान	मध्य प्रदेश	हरियाणा	46.63%
पोषक अनाज	कर्नाटक	राजस्थान	महाराष्ट्र	13.89%
कुल तिलहन	राजस्थान	मध्य प्रदेश	गुजरात	22.25%
कुल दलहन	मध्य प्रदेश	महाराष्ट्र	राजस्थान	14.51%
मूंगफली	गुजरात	राजस्थान	तमिलनाडु	16.83%
चना	महाराष्ट्र	मध्य प्रदेश	राजस्थान	19.28%
ज्वार	महाराष्ट्र	कर्नाटक	राजस्थान	12.67%
सोयाबीन	महाराष्ट्र	मध्य प्रदेश	राजस्थान	7.12%
ग्वार	राजस्थान	-	-	87.69%

इनका कहना है...
संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि टाइमलाइन के अनुसार नवीन जिलों में सहकारी उपभोक्ता होलसेल भण्डारों के गठन की कार्यवाही सुनिश्चित करें।
- मंजू राजपात, प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारिता

सीएम ने की जनसुनवाई, अधिकारियों को दिए शीघ्र समाधान के निर्देश

परिवेदनाओं के निस्तारण में कोताही नहीं होगी बर्दाश्त



ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सुशासन के उच्चतम मानकों के अनुरूप अधिकारी-कर्मचारी आमजन की परिवेदनाओं पर कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि आमजन की संतुष्टि ही हमारा प्रमुख ध्येय है। शर्मा सोमवार को सीएमआर पर नियमित जनसुनवाई कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने आमजन से व्यक्तिगत: जनसंवाद करते हुए उनकी प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को इनके शीघ्र समाधान

के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य ना केवल समस्याओं का समाधान करना है, बल्कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए गुड गवर्नेंस का बेहतर मॉडल स्थापित करना है।
लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई
मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण को सूचीबद्ध करने के साथ ही उनका फॉलोअप सुनिश्चित करने और परिवादियों को सूचित करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने

लोक निर्माण वित्तीय एवं लेखा नियमों में संशोधन, नए प्रावधान लागू

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। राज्य सरकार ने लोक निर्माण वित्तीय एवं लेखा नियमों के भाग-एक में संशोधन के आदेश जारी किए हैं। संशोधन के तहत दो प्रमुख नियमों में बदलाव किए गए हैं, जो विभागीय कार्यों और प्रक्रियाओं को सरल और स्पष्ट बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माने जा रहे हैं। वित्त विभाग के आदेश के अनुसार पहला संशोधन नियम 11 के उपनियम 16 में किया गया है। अब डिवीजनल अकाउंटेंट, डिवीजनल अकाउंटेंट ऑफिसर को डिवीजनल अकाउंटेंट, डिवीजनल अकाउंटेंट ऑफिसर, सीनियर डिवीजनल अकाउंटेंट ऑफिसर, राजस्थान स्टेट अकाउंटेंट्स सर्विस ऑफिसर, राजस्थान सब ऑर्डिनेट अकाउंटेंट्स सर्विस ऑफिसर के रूप में परिभाषित किया जाएगा। यह परिभाषा फॉर्म और ऑनलाइन लेनदेन सहित सभी दस्तावेजों में लागू होगी। दूसरा संशोधन नियम 47 में किया गया है। इसके अनुसार डिवीजनल अधिकारियों की जिम्मेदारियों में सहयोग प्रदान करने के लिए प्रत्येक डिवीजनल कार्यालय में महालेखाकार, राज्य सरकार की ओर से एक डिवीजनल अकाउंटेंट या डिवीजनल अकाउंटेंट्स ऑफिसर नियुक्त किया जाएगा। संशोधित नियमों का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों में दक्षता और पारदर्शिता लाना है।

भरतपुर पुलिस और हरियाणा एसटीएफ की कार्रवाई

कंटेनर में झारखंड से जोधपुर ले जाया जा रहा 2 करोड़ का डोडा पोस्ट जब्त

कंटेनर को एस्कोर्ट कर रही स्कॉर्पियो भी जब्त, चार व्यक्ति गिरफ्तार

न्यूज सर्विस/नवज्योति, भरतपुर। जिले की चिकसाना पुलिस और हरियाणा की एसटीएफ यूनिट ने झारखण्ड से जोधपुर ले जाई जा रही कराबी 2 करोड़ रुपए का डोडा-पोस्ट जब्त किया है। यह मादक पदार्थ 99 प्लास्टिक कट्टों में भरकर ले जाया जा रहा था। इसका बजन 1996 किलो 840 ग्राम बताया गया है जो हरियाणा नम्बर के 1 कंटेनर में छिपाकर ले जाया जा रहा था। इस कंटेनर की स्कॉर्ट कर रही एक काले रंग की स्कॉर्पियो गाडी को भी पुलिस ने जब्त कर चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एसपी मृदुल कच्छवा ने बताया कि हरियाणा पुलिस एसटीएफ गुडगाँवा से सूचना मिली के आगरा की तरफ से एक लाल रंग का कंटेनर आ रहा है, जिसमें मादक पदार्थ भरा है। कंटेनर के आगे एक काले रंग की स्कॉर्पियो चल रही है, जिसमें तीन व्यक्ति बैठे हैं जो कंटेनर को एस्कोर्ट कर रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना चिकसाना पुलिस ने नाकाबंदी कर आगरा की ओर से आ रहे लाल रंग के कंटेनर को रोका। कंटेनर का ताला खुलवाकर तलाशी लेने पर उसके अंदर सफेद, नीले व अन्य रंग के



भरतपुर पुलिस की गिरफ्त में आरोपी और जप्त स्कॉर्पियो व कंटेनर।

प्लास्टिक कट्टे भरे मिले। कट्टों को खोलकर देखने पर उसमें डोडा-पोस्ट भरा मिला। बाबू सिंह से मादक पदार्थ डोडा-पोस्ट को लाने व ले जाने के बारे में पूछा गया तो बताया कि श्रवण निवासी गांव अरावा जिला बाड़मेर ने करीब एक महीने पहले उससे कहा कि झारखण्ड के रांची जिले से डोडा-पोस्ट का एक ट्रक चलाकर लाना है जो ट्रक चलाकर लाएगा उसकी 50 हजार रुपए दूंगा जिसके लालच में आकर हां भर दी। पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छवा ने बताया कि थाना चिकसाना पुलिस व हरियाणा एसटीएफ

यूनिट गुडगाँवा द्वारा संयुक्त रूप से नाकाबंदी कर अवैध मादक पदार्थ की तश्करी में प्रयुक्त वाहनों से 99 प्लास्टिक कट्टों में भरे लगभग 1996 किलो 840 ग्राम डोडा-पोस्ट बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि कार्रवाई के दौरान एनडीपीएस की धारा 42 (2) व धारा 50 का पालन करते हुए विधि संवत तरीके से तलाशी, गिरफ्तारी व शिलिंग की कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि चारों आरोपियों से 28150 रुपए नगद, पांच मोबाइल, एक कंटेनर व एक स्कॉर्पियो गाड़ी जब्त की गई। पुलिस ने बताया कि मामले में चार

भारत-पाक तनाव के बीच जयपुर एयरपोर्ट पर असर, 4 फ्लाइट्स रद्द

नवज्योति, जयपुर। भारत-पाक तनाव का असर जयपुर एयरपोर्ट पर भी देखने को मिल रहा है। सोमवार को जयपुर एयरपोर्ट से 4 फ्लाइट्स का संचालन रद्द कर दिया गया है। इंडिगो एयरलाइंस की जयपुर से सुबह 5.50 बजे चंडीगढ़, इंडिगो की जयपुर से सुबह 9.10 बजे, इंडिगो की जयपुर से शाम 7.50 बजे चंडीगढ़ और एयर इंडिया एक्सप्रेस की जयपुर से सुबह 9.30 बजे हिंडन (गाजियाबाद) जाने वाली फ्लाइट का संचालन सोमवार को रद्द किया गया। हालांकि अन्य शहरों के लिए उड़ानें सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं।



देश के 32 एयरपोर्ट से फिर शुरू हुआ फ्लाइट्स का संचालन
भारत-पाक तनाव के चलते बंद किए गए भारत के सभी 32 एयरपोर्ट्स को पुनः खोल दिया गया है और फ्लाइट संचालन फिर से शुरू किया जा रहा है। बंद किए गए प्रमुख एयरपोर्ट्स में जम्मू, श्रीनगर, लोह, चंडीगढ़, अमृतसर, जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर, किशनगढ़, जामनगर, राजकोट, ग्वालियर और हिंडन गाजियाबाद शामिल थे। अब भारत सरकार ने तुरंत प्रभाव से इन सभी एयरपोर्ट्स पर फ्लाइट संचालन को पुनः शुरू करने का निर्णय लिया है। इससे विमानन क्षेत्र में सामान्य स्थिति बहाल होने की उम्मीद है।

जयपुर से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट रद्द
जयपुर से दिल्ली के लिए जाने वाली फ्लाइट का संचालन सोमवार को रद्द रहा। इसके चलते यात्रियों को परेशानी हुई। इंडिगो एयरलाइन्स ने जयपुर से दिल्ली के लिए तीन दिनों (11 से 13 मई) तक विशेष फ्लाइट चलाई थी। यह फ्लाइट जयपुर से दोपहर 12.30 बजे दिल्ली के लिए रवाना होती थी। सोमवार को एयरलाइन्स ने संचालन कारण बताते हुए फ्लाइट का संचालन रद्द किया। इससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

ऑपरेशन सिंदूर में आतंकियों को मारा, संरक्षण देने वालों को सबक सिखाया: मदन राठौड़

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भाजपा ऑफिस में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि मोदी सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर आतंकवादियों को सबक सिखाने के साथ आतंक के प्रशिक्षण केंद्रों को ध्वस्त करने का ऐतिहासिक कार्य किया है। इतना ही नहीं, पाक की सीमा में घुसकर आतंकवादियों को पैदा करने वालों को भी नेस्तनाबूद

कर दिया। भारतीय सेना की कार्रवाई आतंकवाद के खिलाफ थी। इसी के चलते ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया और अभी भी जारी है। शीर्ष नेतृत्व ने यह स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान ने घुटने टेकते हुए चर्चा के लिए समय मांगा और हमारे नेतृत्व ने चर्चा के लिए समय दिया। इसमें किसी की भी मध्यस्थता नहीं की गई। आतंकियों को सबक सिखाने के मकसद में भारतीय सेना शत प्रतिशत सफल हुई।

जिस पर भावी व उसकी पत्नी ने कहा कि वह इतनी रकम अपने साथ नहीं लाए हैं और यहां बंदोबस्त करने में भी असमर्थ हैं। जिस पर पुलिस का डर दिखाकर जीवन ने भावी से उसके पुत्र को फोन करके रकम लाने के लिए कहा। जिस पर भावी ने ऐसा ही किया और करीब 10 लाख रुपए तुरन्त लाने की बात कही। 10 मई शनिवार को सौरभ रकम लेकर यहां पहुंच गया। इस बीच तत्कालीन थाना प्रभारी शेखावत ने भावी को शांति भंग करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। उधर, सौरभ से रुपए लेने के

अपात्र आवेदकों पर सख्त कार्रवाई करेगा आयोग

- डिट्टी कमांडेंट परीक्षा 2025
- 13 से 28 मई तक आवेदन विद्घु करेंगे का अन्तिम अवसर

कार्य/अजमेर

राजस्थान लोक सेवा आयोग में डिट्टी कमांडेंट भर्ती परीक्षा 2025 के लिए आए ऑनलाइन आवेदनों की रेंडम जांच में भारी संख्या में अपात्र आवेदकों द्वारा आवेदन करना सामने आया है। जांच में यह पाया गया कि अधिकांश आवेदकों ने अनिवार्य योग्यता (थल सेना से सेवानिवृत्त कैप्टन) नहीं होने के बावजूद आवेदन कर दिया। अब आयोग ऐसे अभ्यर्थियों के आवेदन विद्घु करने का अवसर दिया है। आयोग सचिव ने बताया कि किसी भी पद पर भर्ती विज्ञापन के संबंध में वांछित योग्यता धारित नहीं होने के बावजूद आवेदन करने से आयोग के श्रम, समय एवं संसाधनों का अपव्यय होता है। अतः ऐसा करने वाले अभ्यर्थियों को आयोग द्वारा भविष्य में ली जाने वाली समस्त परीक्षाओं से डिबार कर दिया जाएगा। साथ ही उनके द्वारा आवेदन-पत्र में दिए गए असत्य वचन-पत्र के लिए भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 217 के तहत कानूनी

आरक्षित श्रेणी के चुनिन्दा पद, फिर भी अन्य श्रेणी के हजारों आवेदन
आयोग ने 18 मार्च को डिट्टी कमांडेंट (गृह रक्षा विभाग) के 4 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी कर 22 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए थे। इसमें अनुसूचित जाति के 2, अनुसूचित जनजाति का 1 तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 1 पद विज्ञापित किया गया था। ऐसे में इस भर्ती में केवल इन श्रेणियों के अनिवार्य योग्यताधारी अभ्यर्थियों को ही आवेदन करना था। इसके बावजूद अन्य श्रेणी के अभ्यर्थियों ने इस भर्ती में नियम विरुद्ध आवेदन कर दिए। रेण्डम रूप से राज्य के प्रत्येक जिले के ऐसे आवेदन-पत्रों की सूची आयोग ने अपनी वेबसाइट पर जारी की है। कार्यवाही की जाएगी। इस पद के लिए योग्यता नहीं रखने वाले अभ्यर्थी 13 मई से 28 मई तक अपना आवेदन विद्घु कर सकते हैं। वह अभ्यर्थी जो विज्ञापन के अनुसार वांछित अनिवार्य योग्यता (अर्थात सेना से सेवानिवृत्त कैप्टन) रखते हैं, उन्हें अपना सेवानिवृत्ति प्रमाण-पत्र अपलोड करना है, अन्यथा आयोग ऐसे अभ्यर्थियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करेगा।

अजमेर, मंगलवार, 13 मई, 2025

नागौर

सार

समाचार

पीपल का वृक्ष लगाकर की पूजा-अर्चना

भैरूदा। कुडिया मोक्ष धाम में वैशाख पीपल पूर्णिमा पर पं. रामावतार शास्त्री की सट्टेरेणा से ग्रामीणों ने पीपल का वृक्ष लगाकर पूजा अर्चना की। पं. रामवतार शास्त्री ने बताया कि जल चढ़ाकर परिवार के मंगल, उन्नति, विकास और समृद्धि की कामना की गई। वैज्ञानिक दृष्टि से पीपल अधिक ऑक्सीजन देने वाला अनोखा वृक्ष है। पानी डालने के बाद पीपल की परिक्रमा करनी चाहिए। कुएं के पास पीपल का उगना आज भी शुभ माना जाता है। इस दौरान संयोजक चारधुजा सेवा समिति के देवीपाल सिंह शेखावत, रघुवीर सिंह शेखावत, हुक्मसिंह, गुमान सिंह, कैलाश बंजारा, मांगुसिंह, रामजीलाल अग्रवाल, शंकरसिंह, अशोक सारस्वत, लिखमाराय खिलेरी, रमजीराम लाछ, देवराज सिंह शेखावत सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

गौशाला में गोवंश को खिलाया चारा

बेसरलोी। श्री वीर तेजा गौशाला बेसरलोी में सोमवार को वैशाख पूर्णिमा पर ग्रामवासी गोविंद राम भार्गव ने अपने परिवार के साथ मिलाकर गौसेवा का अनुष्ठान उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने गौमाताओं के लिए दो किंवदंत हरा रिजका (हरा चारा) अर्पित कर पुण्य कार्य किया। इस अवसर पर गौसेवक महावीर जोशी, मोतीराम खदा, चिमनो राम हरिजन, श्याम नायक सहित श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महंत की बरसी पर हुए कई कार्यक्रम

मीठडी। बाईपास स्थित केरिया बालाजी मंदिर में निकुंजगामी महंत मोहनदास महाराज की नौवीं बरसी पर विविध धार्मिक कार्यक्रम हुए। महंत कृष्णबिहारी शरण दास महाराज ने बताया कि बालाजी की प्रतिमा का विशेष श्रृंगार किया गया। सुबह 9 बजे से दोपहर 11 बजे तक सुंदरकांड पाठ हुआ। सति सेवकों की मौजूदगी में महंत ने समाधि स्थल पर चरण पादुकाओं का पूजन कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद प्रसाद वितरण हुआ। इस मौके पर ईश्वर टेलर, गोविंद पारिक, परमानंद राजपुरोहित, देवीसिंह, मालचंद जांगीड़, भवानीसिंह, पुखराज जांगीड़ सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

संत मनलहरी की गोलोक तिथि पर किया गपल्य पूजन नावासिटी। उपखंड मुख्यालय पर गोलोकवासी संत मनलहरी मोतीराम मिश्र की पुण्यतिथि पर सोमवार को उनके अनुयायियों द्वारा गपल्य पूजन किया गया व आरती कर प्रसाद वितरण किया गया। दोपहर में सभी श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसाद में भंडारे का प्रसाद लिया। इस अवसर पर सीताराम प्रजापत, हरिप्रसाद सैन, बनवारीलाल सोनी, राधावल्लभ मिश्र, सत्यनारायण लड़ा, अरुण सोनी, कुचामन से संत के पौर महेंद्र मिश्र, रमेश शर्मा पंडित, अजय गुजरती, रमेश बिजानी, मुदुल बिजानी, उत्तमचंद बिजानी, ओमप्रकाश सोनी, गोपाल शर्मा, नरेंद्रदेव टेलर आदि मौजूद रहे।

सैनिकों की रक्षा के लिए सुन्दरकांड पाठ

छोटीखाट। निकटवर्ती ग्राम खूनखुना स्टेशन में मां भारती पर गहराते सकट को ध्यान में रखते हुए विकास परीक मनोज सिंह शेखावत ने ग्रामवासियों से निवेदन किया कि हम सबको मिलकर भारत में शांति के लिए सुंदरकांड, श्री हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। इस पर ग्राम वासियों ने सहमति जताते हुए सानिया रोड श्री बालाजी के मंदिर में मनोज शर्मा, रितेश तोषीवाल, राहुल अग्रवाल, रामस्वरूप स्वामी, गोपाल सिंह, मनोहर जोशी, रामस्वरूप हुक्कट, पवन सोनी सहित ग्रामवासियों ने मिलकर सामूहिक पाठ किया और सभी ने मिलकर नारा लगाया कि तेरा वेषव अमर रहे।

युवा दिवस के रूप में मनाया दीक्षा दिवस

छोटीखाट। तैरापंथ सभा भवन में शासनश्री साध्वी कमल प्रभा के सानिध्य में आचार्य श्री महाश्रमण का 52 वां दीक्षा दिवस युवा दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का मंगलाचरण मुमुक्षु बहना चंदन ने किया। शासन श्री जी ने अपन मंगल उद्घोषण दिया। सभा अध्यक्ष डालमचंद धारीवाल द्वारा गुरुदेव के प्रति अपने विचार प्रस्तुत किए। साध्वी श्री शताब्दी प्रभा ने अपने गुरु के प्रति भावों को विभिन्न घटनाओं के माध्यम से प्रस्तुत किया। साध्वी ब्रंद द्वारा गीतिका की प्रस्तुति दी गई। ज्ञान शाला के बच्चों द्वारा युगप्रधान एक्सप्रेस ट्रेन नाटिका द्वारा गुरुदेव के 6 दशकों की विभिन्न घटनाओं को सुंदर प्रस्तुति दी गई। विकास सेंडिया द्वारा गुरु के प्रति अपने भाव प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का संचालन साध्वी श्री जगत यशा द्वारा किया गया।

ब्रह्मलीन होने वाली पुण्यात्माओं के प्रति अपनी संवेदनाओं को प्रकट करें

डिस्टले विज्ञापन

तीथे की बैठक

श्रद्धांजलि

पुण्यतिथि

प्रिय पाठकों के लिए विशेष शिखरि टीटें

साइज (वर्ग से.मी.)	दर (रुपैयां)
5×8	2000/-
8×8	3200/-
10×8	4000/-

रुभी दर्ते के अलावा 5% जीएसटी अतिरिक्त

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें -

दैनिक नवज्योति 9251097010

गाजे-बाजे के साथ निकाली शोभायात्रा

परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम

चूज सविस्/नवज्योति, परबतसर

राजस्थान ब्राह्मण महासभा खंड परबतसर के तत्वावधान में परशुराम जन्मोत्सव के तहत क्षेत्र के विप्र बंधुओं द्वारा शोभायात्रा निकाली गई। सर्व प्रथम भगवान परशुराम पूजा अर्चना कर सभी विप्र बंधुओं, मातृ शक्ति व बच्चों के तिलक लगा कर परशुराम का दुपट्टा पहनाया गया। शोभायात्रा दधिमती चौक से बैंड बाजे व ढोल नगाड़ों के साथ शाही रथ में भगवान परशुराम जीवत झांकी, सैकड़ों विप्र बंधुओं के साथ प्रारम्भ हुई। शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्ग सदर बाजार , दिल्ली दरवाजा, रानी बाजार, नगरपालिका चौराहा, अंबेडकर सिकल, बस स्टैंड, जवनारायण चौक, गांधी चौक, बड़ले के बालाजी, बागड़ा निडम होते हुए दधीच वाटिका

कुचीपला भैरव के वार्षिक मेले में उमड़ें श्रद्धालु

चूज सविस्/नवज्योति, मकराना

ग्राम कुचीपला स्थित भैरव बाबा मंदिर परिसर में आयोजित वार्षिक मेले में हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन कर सुख समृद्धि की कामना की। जानकारी के अनुसार मेले की पूर्व संध्या पर मंदिर परिसर में विशाल भजन संध्या का आयोजन हुआ। भजन संध्या का आगाज महेंद्र लाम्बिया एण्ड पार्टी के कलाकारों ने गणेश वंदना व गुरु वंदना के साथ किया। गायक कलाकार महेंद्र लाम्बिया ने कुचीपला का भैरवनाथ सहित एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को झुमने पर मजबूर कर दिया। वहीं गायक कलाकार पुजा प्रजापत जोधपुर ने मोरिया पाखंडिल देदे.. सहित भक्ति भाव से ओतप्रोत एक से बढ़कर एक शानदार भजनों की प्रस्तुति देकर समा बांध दिया। भजन संध्या में नृत्यांगना नीतू राजस्थानी ने बेहतरीन नृत्यों की प्रस्तुति देकर खूब वाहवाही लुट्टी। किशोर एण्ड पार्टी जोधपुर द्वारा भगवान गणपति, बजरंग बली, माता रानी व भैरव बाबा की सुन्दर नयनाभिराम संजीव झांकियों सहित नाटक का मंचन किया जिससे सम्पूर्ण माहौल भक्तिमय हो गया। भजन संध्या में भैरव बाबा मंदिर के पुजारी

सुंदरकांड का संगीतमय सामूहिक पाठ

नागौर। वैशाख पूर्णिमा के अवसर पर नया दरवाजा स्थित श्री हनुमान मंदिर में सोमवार को सुंदरकांड का संगीतमय सामूहिक पाठ हुआ। मानस प्रेमियों ने हार्मोनियम, ढोलक और मंजीरी की सुर लय ताल के साथ सुंदरकांड की चौपहियों, दोहों और छन्दों का सामूहिक पाठ किया। इस दौरान हनुमान चालीसा पाठ व श्रीराम स्तुति भी की गई। कार्यक्रम में मानस सत्यंग परिवार के संयोजक नेमीचंद मित्तल, बालाजी मण्डल नया दरवाजा हनुमान मंदिर अध्यक्ष रामकुमार भाटी, सुरेश विश्वनोद, शंकरलाल चतुर्वेदी, मनोज व्यास, गंगाधर सोनी, दुर्गाप्रसाद अग्रवाल, गोपाल शर्मा, महावीर सिंह, जितेन्द्र सुथार, ओमप्रकाश सोनी, मनोजकुमार व्यास, राजेश श्रीमाली, रामस्वरूप भाटी, रामाकिशन शर्मा, महेश गौड़, श्रीकिशन भाटी, राजेश सोनी, प्रेमरतन अग्रवाल, भावत प्रसाद पारीक सहित बड़ी संख्या में महिलाओं-पुरुषों ने सुमधुर स्वरों में हनुमान लला की। सामूहिक आरती के बाद भक्तजनों को प्रसाद का वितरण किया गया।

कुचामनसिटी। गौ कथा के पोस्टर का विमोचन करते कुशाल गिरी महाराज।

गौकथा 17 से, पोस्टर का विमोचन

कुचामनसिटी। ग्राम आसपुरा स्थित श्री कृष्ण गौधाम गौशाला सेवा समिति में 17 मई से आयोजित दिव्य श्री गौ कृपा कथा के पोस्टर का विमोचन महामण्डलेश्वर स्वामी कुशालगिरी महाराज ने किया। उल्लेखनीय है कि यहाँ 17 मई से 23 मई तक कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा का समय मध्याह्न 2.15 बजे से 5.15

नियमित जलापूर्ति नहीं होने से लोग परेशान

मकराना। माताभर क्षेत्र में नियमित पानी की आपूर्ति नहीं होने के कारण लोगों को काफी दिक्कत हो रही है। जन जागृति मंच के उपाध्यक्ष सगीर अहमद ने बताया कि नियमित पानी की आपूर्ति नहीं होने के कारण क्षेत्र के लोगों को टैंकरों से पानी मंगवाना पड़ रहा है। महंगाई के इस दौर में प्रति टैंकर 350 रुपये से 500 रुपये तक अनावश्यक खर्च करने पड़ रहे हैं। जिसकी वजह से लोगों पर बिना वजह आर्थिक भार पड़ रहा है। यहाँ पर पानी की नियमित आपूर्ति हो इसीलिए स्थानीय लोगों के द्वारा जलदाय विभाग मकराना के अधिकारियों से कई बार गुहार लगाई गई किन्तु समस्या के समाधान को लेकर अब तक किसी भी प्रकार से कार्यवाही नहीं की गई।



परबतसर। परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत निकाली गई शोभायात्रा।

पहुंची। युवाओं सहित मातृ शक्ति ने भगवान परशुराम के जयकारों से शहर को गुंजावमान कर दिया। दर्जनों स्थानों पर विभिन्न समाज, संगठन और राजनीतिक दल के पदाधिकारियों ने शोभायात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। यात्रा दधीच वाटिका पहुंचने पर वहां भगवान परशुराम की विशेष पूजा

अर्चना की गई। तत्पश्चात सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं, सरकारी सेवाओं में चयनित प्रतिभाओं, 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठजनों, खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं व परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में

आयोजित की गई प्रतियोगिताओं के विजेता, उपविजेता का स्मृति चिन्ह व सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजस्थान ब्राह्मण महासभा खंड परबतसर के अध्यक्ष कोशल त्रिपाठी, परशुराम नववृक्ष मंडल अध्यक्ष श्यामसुंदर शर्मा, महिला मंडल अध्यक्ष मंजू व्यास आदि उपस्थित रहे।

मावा धूणी पर दो दिवसीय कार्यक्रम कल से

डीडवाना। अखिल भारतीय सांगलिया धूणी की उपशाखा मावा में लादुदास महाराज के परम शिष्य श्यामाराम महाराज की 25वीं बरसी एवं इनके परम शिष्य पदमदास महाराज की दूसरी बरसी पर दो दिवसीय कार्यक्रम होगा। आयोजन अखिल भारतीय सांगलिया धूणी के पीठाधीश्वर ओमदास महाराज के सानिध्य में होगा। मावा धूणी के महंत प्रकाश दास महाराज ने बताया कि 14 मई को सांयकालीन जागरण में प्रदेश-देश के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। जबकि 15 मई को सुबह समाधि पूजन एवं प्रसादी का कार्यक्रम होगा।

नवनिर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 5 जून को

पादुकरत्न। कस्बे के रैदास मौहल्ला में स्थित नवनिर्मित श्रीगंगा माता मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन 5 जून को होगा। आयोजन समिति के सदस्य ने बताया कि समस्त रैदास समाज के तत्वावधान में तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम होगा। मंदिर परिसर में प्रथम दिन 4 जून को कलश व शोभायात्रा तथा 5 जून को प्रातः 10:15 बजे से हवन हज्र, मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा व महाप्राज्ञ कार्यक्रम होगा।

सांगलिया धूणी पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

कुचामनसिटी। जन-जन की आस्था के केन्द्र सांगलिया धूणी पर सोमवार को वैशाख पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने अखिल भारतीय सांगलिया धूणी पीठाधीश्वर स्वामी ओमदास महाराज से आशीर्वाद लिया। इस उपलक्ष्य में प्रसादी और विशाल भजन संध्या का कार्यक्रम हुआ। अखिल भारतीय सांगलिया धूणी के पीठाधीश्वर ओमदास महाराज के शिष्य गिरधारीराम महल और सुरेन्द्र कसबा हरिपुरा ने बताया कि वैशाखी पूर्णिमा के उपलक्ष्य में हजारों श्रद्धालु सांगलिया धाम आते हैं तथा महाराजश्री का आशीर्वाद लेने के साथ ही धूणी माता के धोक लगाते हैं। इस दौरान क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि, धर्मगुरु, उद्योगपति एवं प्रबुद्धजन मौजूद रहे। बड़ी संख्या में लोग भी छूताछूत, ऊंच-नीच तथा आपसी भेदभाव से दूर अमीर-गरीब एवं सभी जातियों के लोगों ने एक पंगत में एक साथ बैठकर भोजन लिया।



विभिन्न व्यवसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश आवेदन 10 जुलाई तक

मेइतासिटी। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मेइता में सत्र 2025-26/27 में विभिन्न व्यवसायों के लिए प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 10 जुलाई तक भरे जाएंगे। संस्थान प्रवेश प्रभारी समूह अनुदेशक श्रवण कुमार सेन ने बताया कि एंजिनीयरी के तहत निम्नांकित व्यवसायों में प्रवेश ऑन लाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 जुलाई निर्धारित है, जिन्हें विद्युत्कार व्यवसाय (1 वर्ष) में 40 सीट, फिटर व्यवसाय (2 वर्ष) में 20 सीट, वेल्डर व्यवसाय (1 वर्ष) में 40 सीट, मेकेनिक डीजल व्यवसाय (1 वर्ष) में 48 सीटों पर प्रवेश होना है। जिसमें महिलाओं को प्रशिक्षण शुल्क से मुक्त रखा गया है। अंटीआई में प्रवेश के लिए 1 सितम्बर 2025 को 14 वर्ष से अधिक आयु के होने वाले दसवी पीपल, (विद्युत्कार, फिटर, मेकेनिक डीजल), आर्टी पास (वेल्डर) छात्र, छात्राएं/राजस्थान सरकार के एकीकृत पोर्टल या ई-मित्र किनोसक पर ऑन लाइन आवेदन कर सकते हैं।

नाम परिवर्तन

में सय्याज खां पुत्र निरयाज खां, निवासी - पठानों का बास, नागौर (राज.) का रहने वाला है। मेरे आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में मेरा यही नाम दर्ज है। मेरे पासपोर्ट नंबर C7087462 में मेरा नाम Abubakar Kadar S/o. Kadar दर्ज है। मुझे मेरे परिवार, रिश्तेदारों एवं परिचित व्यक्तियों द्वारा मुझे इन दोनों नामों से जाना-पहचाना एवं पुकारा जाता है। ये दोनों नाम मुझ एक ही व्यक्ति के हैं। अतः भविष्य में मुझे इन दोनों नामों से पहचाना जाय।



मैंने मेरा नाम राजेश कुमार से बदलकर राजेश कुमार दुधवाल रख लिया है। भविष्य में मुझे राजेश कुमार दुधवाल के नाम से ही जाना-पहचाना जाए। राजेश कुमार दुधवाल पुत्र किशाना राम दुधवाल, जाति-जाट, निवासी रघुनाथपुरा, तहसील नावां, जिला-डीडवाना कुचामन (राज.)।

स्वयं की समझ, संयम व करुणा से ही मोक्ष संभव

बुद्ध जयंती पर हुए कार्यक्रम



मकराना। बहुजन समाज बडसू के तत्वावधान में सोमवार को गंगा माता मंदिर प्रांगण में बुद्ध जयंती मनाई गई। समारोह का प्रारंभ भगवान बुद्ध एवं बाबा साहब डॉ. अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। समारोह में समता सैनिक दल राजस्थान के प्रदेश महासचिव ओमप्रकाश कांसोटिया ने बताया कि तथागत गौतम बुद्ध का जीवन मानवता के इतिहास में एक प्रकाश कुंज है। वे न केवल एक धार्मिक गुरु थे, बल्कि एक ऐसे महान चिंतक एवं समाज सुधारक भी थे जिन्होंने दुनिया में दुखों से मुक्त होने का मार्ग दिखाया। उनके संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना उस समय थे। उन्होंने बताया कि यह दिन उनके जन्म, ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण इन तीनों घटनाओं का साक्षी होने के कारण इन्हें त्रिविध या त्रिगुण पावन बुद्ध पूर्णिमा कहते हैं। गौतम बुद्ध का संपूर्ण जीवन करुणा, सत्य, अहिंसा और आत्मबोध का प्रतीक है। बुद्ध ने समाज में व्याप्त अंधविश्वास, जात-पात, बलि प्रथा और रूढ़ियों का विरोध किया। भगवान बुद्ध कहते हैं कि मोक्ष किसी बाहरी देवता से नहीं बल्कि स्वयं की समझ, संयम और करुणा से संभव है। यही उन्हें मानवता का एक महान शिक्षक बनता है। समारोह में सुरेश बार्मानिया ने कहा कि भगवान बुद्ध की शिक्षाएं संपूर्ण मानव समाज के लिए एक मार्गदर्शक हैं। बुद्ध के उपदेश किसी एक धर्म या संप्रदाय के लिए नहीं बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए हैं। राजूराम सुवासिया पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुद्ध ने विलासिता और कठोर तपस्या दोनों अस्वीकार कर एक मध्यम मार्ग अपनाया की शिक्षा दी। यह संयमित जीवन, विवेकपूर्ण आचरण और संतुलन का मार्ग है। समारोह में गोविंद बावरी, जितेश बडारिया, राजेंद्र मेहरा उचेरिया, बंसीलाल बडारिया, कैलाश बडारिया, संदीप गुसाईवाल, श्यामसुंदर सुकरियाया मकराना, शोभापाल गुसाईवाल, कैलाशचंद, नरसीराम, देवीलाल गुंगलिया, नोलाराम सुवासिया, भंवरलाल लूना, रामस्वरूप मोर्य, बाबूलाल मोर्य, राजेंद्र गोसाईवाल आदि उपस्थित थे।

यज्ञ में दी आहुतियां

इसी प्रकार वीर तेजा कॉलनी स्थित गायत्री शक्तिपीठ में बुद्ध पूर्णिमा के तहत अनेक धार्मिक कार्यक्रम हुए। गायत्री शक्तिपीठ के अध्यक्ष सांवरलाल सैनी ने बताया कि यहां पर प्रातःकाल मंदिर के पट्ट खुलने के साथ ही मातारानी की आराधना की गई। इसके पश्चात पंच कुंडीसे महायज्ञ का आयोजन किया गया। इसके अलावा हर घर गायत्री यज्ञ सूक्ष्म रीति से किया गया। यज्ञ सहित अन्य अनुष्ठान सांवरलाल सैनी एवं लीलाधर नाथ द्वारा संपन्न करवाये गये। तत्पश्चात गायत्री मंत्र का जाप किया गया। शाम को आरती की गई और दीप यज्ञ हुआ। इस मौके पर सीताराम पारीक, सांवरलाल सैनी, श्याम सुन्दर सैनी, जेपी सोनी, शिवराज जांगिड़, सर्वेश्वर पुरोहित, राज कुमार शर्मा, डॉ गोविन्द राम, राहुल, प्रेमप्रकाश, कमला शर्मा, इन्द्रदेवी, मैनादेवी आदि मौजूद रहे।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पावतल पादुकरत्न द्वारा पछा सख्या 62 केकफल 3956.75 वर्गफीट का दिलावर हुसैन पुर ख़ासिह, जाति कुश्नी, निवासी पादुकरत्न के नाम दिनांक 01-10-1986 को जारी किया था तथा पछा बाबू का को मृत्यु दिनांक 25-11-2005 को एवं उसकी बीवी सीतिका बाबू की मृत्यु दिनांक 14-01-2017 को हो जाने के पश्चात उस सम्पत्ति में उनके बहिन बालिसा नरसुदन, अमल सलाम, सैयद अली पुत्र दिलावर हुसैन ने अपना हक हिस्सा अपने भाई महबूब पुत्र दिलावर हुसैन को रजिस्टर्ड हक तर्फीनाम संख्या 2024034463 102291 दिनांक 28-08-2024 द्वारा तब शनाना, सलमा बाबो, जरीना बाबो, मकसूम बाबो पुत्रिया दिलावर हुसैन ने भी अपना हक हिस्सा अपने भाई महबूब पुत्र दिलावर हुसैन को जितने रजिस्टर्ड हक तर्फीनाम संख्या 2025034463 101284 दिनांक 15-04-2025 को तब तक हक लग कर दिया है। जिससे उस सम्पत्ति पर क़ानूनी महबूब पुत्र दिलावर हुसैन कुश्नी ने मेरी मृत्युवृत्तक शाखा ए. यू. सील फाइनेंस बैंक शाखा डेगाना में आवेदन किया है। उस सम्पत्ति पर महबूब पुत्र दिलावर हुसैन के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति या अन्य बहिन का हक हिस्सा हो तो वह सत दिवस में अपना हक हमें कराल्य डेगाना में प्रस्तुत करे। बाद दिवस गुजरने किसी प्रकार का एतखत स्वीकार्य नहीं होगा, सो सूचित रहे।

राक्षेय्या ओझा, एडवोकेट, डेगाना, मो. 9414548012

इश्तेहार (सूचना)

आप सर्वसाधारण को सूचित किया है कि मैं मनोज कुमार नावकर उर्फ मनोज माहेश्वरी पुत्र श्री रामस्वरूप, उम्र 50 वर्ष, जाति माहेश्वरी, निवासी चांदरगढ़, नागौर, जिला नागौर (राज.) द्वारा यह सूचना प्रेषित की जाती है कि :-

- यह है कि मेरे पुत्र कुशल माहेश्वरी पुत्र श्री मनोज माहेश्वरी, उम्र 23 वर्ष, जाति माहेश्वरी, निवासी महाजनो का मोहल्ला, चांदरगढ़, नागौर जिला नागौर (राज.) मेरे कहने में नहीं है तथा अपनी मममर्जी से अपना जीवन बसर करता है तथा मेरी नागरमर्जी करता है। मेरे पुत्र कुशल माहेश्वरी ने मेरे व मेरे परिवार वालों की इच्छा के विरुद्ध जाकर मुझे व मेरे परिवार वालों को बिना सूचना दिए व हमारी बिना जागरूक के दिनांक 26-03-2025 को आय संपादन रामाज, अजमेर में खुशबू पुत्री श्री घनाराम, जाति रागर, निवासी रेगारी का मोहल्ला, चांदरगढ़, नागौर, जिला नागौर (राज.) के साथ विवाह कर लिया है। उक्त विवाह के सम्बन्ध में मुझे व मेरे परिवार वालों की किसी प्रकार की कोई जानकारी नहीं है। यदि भविष्य में उक्त विवाह को लेकर किसी प्रकार का वाद दिवाड़/पक्राना/मुकदमा होता है और अन्य किसी प्रकार की धैमनिक कार्यवाही सन्स्थित होती है, तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी मेरे पुत्र कुशल माहेश्वरी की होगी, उसके लिए मैं व मेरे परिवार के अन्य सदस्य किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होंगे।
- यह है कि मैंने अपने पुत्र कुशल माहेश्वरी को दिनांक 26-03-2025 को ही अपनी तमाम वस्तु व अवल सम्पत्तियों से बेदखल कर दिया है तथा अपने रहवास के मगान से भी बेदखल कर दिया है और अपने पुत्र कुशल माहेश्वरी से किसी प्रकार का रिश्ता नहीं रखना चाहता हूँ। इसलिए आजगन को सूचित किया जाता है कि उक्त कुशल माहेश्वरी से यदि और किसी प्रकार का सम्पर्क करेगा, उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज होता है या उसके साथ रुपए उधार देते व लेते हो, साथ बैठते व उठते हो और उक्त कुशल माहेश्वरी द्वारा आपके साथ किसी प्रकार की घेराछाया या छूताछूत/व्यवहार व मारपीट इत्यादि या अन्य किसी प्रकार की कोई घटना कारित की जाती है, तो उसके लिए मैं व मेरे परिवार वाले किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होंगे, बल्कि आप स्वयं ही उसके लिए जिम्मेदार होंगे।

अतः आप समस्त जन को उपरोक्त सूचना जरिये इश्तेहार प्रेषित कर सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में यदि आपके साथ किसी प्रकार की कोई घटना कारित होती है, तो उसके लिए मैं व मेरे परिवार वाले किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होंगे। सो सूचित रहे। इति दिनांक - 12-05-2025

मनोज कुमार नावकर

DNA353060

REGIONAL OFFICE

RAJASTHAN STATE POLLUTION CONTROL BOARD

1st Floor, Sahkari Bhumi Vikas Bank, College Road, Opposite Police line, District-Nagaur-341001

E-mail:-rocpnb.nagaur@gmail.com

Registered Post / Email

भारत सरकार

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

राजस्थान के संकेत प्रतीक

1. सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि "यहना मेरे बहन बलदेव परियोजना मेरस की मदन लाल चौधरी पुत्र श्री कलाराम चौधरी, श्री विरार राम पुत्र श्री धर्मराम, श्री पूरा राम पुत्र श्री रामदीन राम, एच. एन. नं. 128/2019 एच कार्ड नं. 6295/4003 निवृत्त ग्राम- इन्दाव, तहसील- मेड़ता, जिला- नागौर, जो कि बलदेव परियोजना नंबर 128/2019, 41/13, 32/13, 14/13, 18/13, 07/12, 31/13, 24/13, 02/14, 42/13, 48/13, 49/13, 58/13, 27/2019, 17/2018, 12/25/2019, 1/2018, 122/2019) कुल बलदेव क्षेत्र- 62.88 हेक्टेयर में स्थित है मैं यहना मेरे बहन के "यहना मेरे बहन के" को यहलिया स्वीकृति बलावत राज् सरिये यहलिया स्वीकृति हेतु जन सुनवाई के आयोजना है।

2. और मुझे मेरस मेरस की मदन लाल चौधरी पुत्र श्री कलाराम चौधरी, श्री विरार राम पुत्र श्री धर्मराम, श्री पूरा राम पुत्र श्री रामदीन राम, एच. एन. नं. 128/2019 एच कार्ड नं. 6295/4003 निवृत्त ग्राम- इन्दाव, तहसील- मेड़ता, जिला- नागौर, जो कि बलदेव परियोजना नंबर 128/2019, 41/13, 32/13, 14/13, 18/13, 07/12, 31/13, 24/13, 02/14, 42/13, 48/13, 49/13, 58/13, 27/2019, 17/2018, 12/25/2019, 1/2018, 122/2019) कुल बलदेव क्षेत्र- 62.88 हेक्टेयर में स्थित है मैं यहना मेरे बहन के "यहना मेरे बहन के" को यहलिया स्वीकृति बलावत राज् सरिये यहलिया स्वीकृति हेतु जन सुनवाई के आयोजना है।

3. और मुझे उल्लेख क्षेत्र नागर ने राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल को उक्त परियोजना की यहलिया स्वीकृति हेतु जन सुनवाई के लिए भेजकर दिया है।

4. और मुझे उक्त परियोजना हेतु वृत्त एवं परियोजना मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के अनुसार जन सुनवाई हेतु मण्डल द्वारा इस आधारी की सूचना जारी कर 30 दिवस का नोटिस दिया जाना आवश्यक है।

5. उक्त परियोजना से सम्बंधित सौलत अर्पितकर (प्यावरण प्रभाव आकलन एवं सार रिपोर्ट) निम्नांकित कार्यालय पर अलोकनार्थ उपलब्ध है:-

1. राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, मुख्यालय, 4-संस्थापक क्षेत्र, ज्ञाननो डुगरी, जयपुर।

2. प्यावरण निगम, राजस्थान सरकार, शासन सचिवालय, जयपुर।

3. क्षेत्रीय कार्यालय, जन एवं प्यावरण मंत्रालय, जयपुर।

4. जिला कलेक्टर, नागौर।

5. CEO जिला प्यावरण नागौर।

6. क्षेत्रीय प्रत्यक्ष, पिछो, नागौर।

7. जिला उद्योग क्षेत्र, नागौर।

8. उपखण्ड अधिकारी, मेड़ता, तहसील- मेड़ता, जिला- नागौर।

9. तहसीलदार, मेड़ता, तहसील- मेड़ता, जिला- नागौर।

10. विवरण अधिकारी, पंचायत समिति, मेड़ता, तहसील- मेड़ता, जिला- नागौर।

11. ग्राम पंचायत इन्दाव, तहसील- मेड़ता, जिला- नागौर।

12. भारत निगम राजीव सेवा केन्द्र (आई. टी. सेंटर), इन्दाव, तहसील- मेड़ता, जिला- नागौर।

6. उक्त परियोजना की प्यावरणीय स्वीकृति से संबंधित जन सुनवाई दिनांक 16/06/2025 (सोमवार) को प्रातः 11:00 बजे स्थान- भारत निगम राजीव सेवा केन्द्र (आई. टी. सेंटर), इन्दाव, तहसील- मेड़ता, जिला- नागौर में आयोजित की जायेगी।

अतः सर्वसाधारण को नोटिस के माध्यम से एलद द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त दिनांक को प्रस्तावित जन सुनवाई स्थल पर उपस्थित होकर अपने विचारों, निष्पक्ष आलोचना प्रस्तुत कर सकते हैं।

इस सम्बन्ध में लिखित आयोग / कुशल इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से जन सुनवाई दिवस तक राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मण्डल प्रमद चरण, सहकारी भूमि विकास बैंक, कोलैज रोड, पुलिस लाइन के सामने, नागौर में दिए जा सकते हैं।

राजकुमार भीम) DNA353067





